मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.3	29.4
जमशेदपुर	37.4	27.6
डालटनगंज	35.8	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ~~₹ 5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 94 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत

नव-नियुक्त 1500 PGT शिक्षकों का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

डॉ. रामेश्वर उरांव
मा0 मंत्री, वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य-कर एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोक्ता
मा0 मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, उद्योग विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री बैद्यनाथ राम
मा0 मंत्री, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखण्ड सरकार

दिनांक : 12 जुलाई 2024 (शुक्रवार), अपराह्न 12:30 बजे
स्थान : प्रभात तारा मैदान, धुर्वा, रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार

फरियादी पहुंचे मुख्यमंत्री आवास, सीएम हेमंत ने सुनी शिकायतें

कहा- समस्याओं का समाधान मेरी सरकार की प्राथमिकता

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से फरियादी कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे, जहां पर लोगों ने अपनी-अपनी फरियाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं एक-एक लोगों से उनके आवेदन पत्रों को लिया. मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा आमजनों की शिकायतों व समस्याओं का यथोचित व त्वरित समाधान किए जाने का भरोसा दिया. मौके पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी. विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व में राज्य हर क्षेत्र में तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा.

जन कल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारा : इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने उपस्थित लोगों से कहा कि पिछले साढ़े चार वर्ष में उनकी सरकार गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचकर जन समस्याओं को सुलझाने के प्रयास किया है. उनकी सरकार ने कई महत्वपूर्ण नीतियां बनाई हैं. सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी जनकल्याण योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है. इन सभी प्रभावी नीतियों तथा योजनाओं का सीधा लाभ आम जनमानस को मिला है. मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार मूलभूत व बुनियादी सुविधाओं को लोगों के घर-आंगन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर कर रही है. आने वाले दिनों में यहां के लोगों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार तथा सकारात्मक बदलाव लाया जा सके. इस निमित्त हम प्रतिबद्धता के साथ योजनाओं को उनतक तक पहुंचा रहे हैं.

हेमंत-कल्पना ने की सरयू राय से मुलाकात, बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक परिदृश्य के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन निर्दलीय विधायक सरयू राय से मिले. इस मुलाकात के कुछ फोटो खुद हेमंत सोरेन ने फेसबुक वॉल पर शेयर किए हैं. इसमें सरयू राय के स्वागत और उनके साथ मंत्रणा करते हुए दिखायी गयी है. अब इस मुलाकात में क्या बातचीत हुई, इसका खुलासा नहीं हो पाया है. मगर इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं. इसके पहले भाजपा से त्याग पत्र दे चुके बहरगोड़ा के पूर्व झामुमो विधायक कुणाल षांड़गी का झामुमो में जाने के चर्चा के बीच सरयू राय से मुलाकात की बातें भी सामने आयीं.

1951 से 2011 के बीच आधी हो गई आदिवासियों की आबादी : मरांडी

संथाल परगना में आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को पाकुड़ में राज्य सरकार पर निशाना साधा. कहा कि ठगबंधन सरकार की तुष्टिकरण नीति में घुसपैठियों को संरक्षण प्राप्त है. आदिवासी आबादी खतरे में है. ऐसा लगता है कुछ दिनो में अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। 1951से लेकर 2011 तक हुई जनगणना रिपोर्ट को रखते हुए कहा कि यह भारत सरकार का सेंसस रिपोर्ट है, जो नरेंद्र मोदी को देश की सत्ता में आने से पहले का है, आज जनसंख्या दिवस है और आंकड़े बताते हैं कैसे संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही और मुस्लिम आबादी अप्रत्याशित ढंग से घट रही,

आंकड़ों का दिया हवाला : बाबूलाल ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 1951में संथाल परगना में आदिवासी आबादी 44.67%थी ,मुस्लिम आबादी 9.44% थी और सामान्य आबादी 45.91% थी. आज 2011की जनगणना रिपोर्ट को देखें तो मुस्लिम आबादी में ढाई गुना वृद्धि के साथ 22.73% हो गयी जबकि आदिवासियों की आबादी 44.67% से घटकर 28.11% हो गयी. यही पर सामान्य आबादी 45.9% से 49.2%तक ही बढ़ी.

खास बातें

- मुस्लिम आबादी में ढाई गुना हुई वृद्धि : बाबूलाल मरांडी
- कहा- ठगबंधन सरकार में घुसपैठियों को प्राप्त है संरक्षण

आदिवासी आबादी को सुनियोजित तरीके से घटाया जा रहा

मरांडी ने कहा कि स्पष्ट है कि संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी को लव जिहाद, लैंड जिहाद के नाम पर सुनियोजित तरीके से घटाया जा रहा है. साहिबगंज और पाकुड़ की स्थिति तो भयावह है. एक विधानसभा क्षेत्र में 50 हजार मतदाता बढ़ गए .लगभग 123%की वृद्धि हुई .आखिर यह अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई.

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती. भाजपा देश केलिए राजनीति करती है. राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ हम काम करते हैं. जब जनसंघ का गठन हुआ था, उसी समय से हम धारा 370 का विरोध करते थे. भले हमारी राजनीतिक ताकत कम थी। लेकिन देश के मुद्दों पर कभी समझौता नहीं किया. घुसपैठिए भी देश के विरोधी हैं. अनेक देशों ने घुसपैठियों को बाहर किया है. पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तानियों को बाहर किया है.

हाईकोर्ट ने भी घुसपैठ को माना है गंभीर

मरांडी ने कहा कि राज्य में घुसपैठ की समस्या को हाईकोर्ट ने भी गंभीर माना है. सभी जिला के उपायुक्तों को इस दिशा में कारवाई के निर्देश दिए हैं. राज्य सरकार तुष्टिकरण छोड़ घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे. उनका संरक्षण बंद करे.

बाबूलाल का सीएम हेमंत पर तंज, कहा

सोचो, झारखंड को क्या मिला है

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है. उन्होंने ट्वाट कर कहा है कि एक ऐसा मुख्यमंत्री, जो खुद को आदिवासी कहने में तो तनिक भी संकोच नहीं करता, पर जब बात आदिवासी समाज के कल्याण की और जल, जंगल, जमीन के सुरक्षा की आती है, तो सरपट अपने पैर पीछे कर लेता है, उल्टे पैरों ही दौड़ने लगता है. आदिवासी समाज की जमीनों को संरक्षण प्राप्त दबंगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है, सुनवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है. अधिकारियों से लेकर सत्ता में बैठे पदाधिकारियों तक कोई भी सुनील हेंब्रम जैसे पीड़ितों को न्याय नहीं दिला रहा है, बल्कि अधिकारी पैसे खाने में तथा पदाधिकारी सत्ता की रोटी सेंकने में व्यस्त हैं.

चुनाव निकट आ रहा है, सावधान रहिए...

बाबूलाल ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस के नेता एक बार फिर से आदिवासी समाज का आवरण ओढ़कर आ रहे होंगे. झूठी सांत्वना देने और अपनी वोटबैंक की राजनीति करने. भारतीय जनता पार्टी वोट की नहीं, देश की राजनीति करती है.

संताल में मुस्लिमों का जनसंख्या विस्फोट चिंतनीय

पिछले 5 सालों के दौरान संथाल परगना क्षेत्र में अचानक से हुआ मुसलमानों की जनसंख्या का विस्फोट पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है. डेमोग्राफी बदलने के कारण संथाल परगना का अस्तित्व खतरे में है. यदि स्थिति नहीं सुधरी तो आने वाले कुछ वर्षों में संथाल परगना से आदिवासी समाज विलुप्त हो जाएगा. राज्य सरकार एसआईटी का गठन कर शीघ्र कार्रवाई करे.

धनबाद और रांची जिले से सबसे अधिक लोग हुए लापता

पांच महीने में 179 व्यक्ति हुए लापता

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड से लापता हुए 179 व्यक्तियों को पुलिस अबतक नहीं खोज पायी है. पिछले पांच महीने में झारखंड के अलग-अलग जिलों से 179 व्यक्ति लापता हुए हैं. इनमें पुरुष, महिला और बच्चे शामिल हैं. इसके लेकर उनके परिजनों ने संबंधित थाना में मामला भी दर्ज कराया. लेकिन लापता हुए व्यक्तियों का कुछ पता नहीं चला है. बता दें कि धनबाद और रांची जिले से सबसे अधिक लोग लापता हुए हैं. गौरतलब है कि झारखंड में मानव तस्करी एक बड़ी समस्या है. तस्कर भोले-भाले ग्रामीणों को नौकरी दिलाने का लालच देकर ले जाते हैं और उन्हें बड़े शहरों में बेच देते हैं. इस वजह से भी कई लोग लापता हुए है, जिनका अबतक कोई पता नहीं चला है.

पुलिस भी नहीं खोज पायी : देखें आंकड़े

लोहरदगा	:	02	मशेदपुर	:	16
हजारीबाग	:	04	कोडरमा	:	08
धनबाद	:	29	गढ़वा	:	03
खूंटी	:	05	गिरिडीह	:	02
सिमडेगा	:	08	दुमका	:	02
गुमला	:	14	देवघर	:	12
रेल धनबाद	:	02	बोकारो	:	07
रेल जमशेदपुर	:	03	रामगढ़	:	06
सरायकेला	:	03	रांची	:	30
साहिबगंज	:	11	पलामू	:	02
गोड्डा	:	01	कुल	:	179
चाईबासा	:	03	--	-	--

हेमंत सरकार गठन के बाद राज्यपाल मिले गृह मंत्री से

रांची। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन गुरुवार को अपने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले. इस दौरान दोनों के बीच राज्य के विकास के संदर्भ में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई. इससे पहले राज्यपाल हेमंत सोरेन के जेल से निकलने के पहले गृह मंत्री से मिले थे. अब राज्य में नयी हेमंत सोरेन सरकार गठन के बाद इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है. जानकारी के अनुसार दोनों के बीच राज्य के ताजा राजनीतिक परिस्थिति पर भी चर्चा हुई.

सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला

झारखंड में 'आप' ने इंडी गठबंधन से किया किनारा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में झारखंड में'आप' ने इंडी गठबंधन से किनारा कर लिया है. पार्टी में झारखंड के सभी विधानसभा सीटों पर अकेले दम पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है. यह फैसला पार्टी के दो दिनी प्रदेश स्तरीय बैठक में लिया गया. पार्टी के प्रदेश संयोजक डीएन सिंह ने बताया कि झारखंड में 'आप' अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी.

24 साल बाद भी झारखंड में नहीं बदली व्यवस्था : प्रदेश सोयजक डीएन सिंह ने बताया कि राज्य गठन के 24 साल बाद भी झारखंड में व्यवस्था नहीं बदली. कई सरकारें आईं और गईं. यही वजह है कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव की तैयारी करने का निर्देश दिया है.

व्यवस्था बदलाव यात्रा पर जोर : पार्टी ने व्यवस्था बदलाव यात्रा पर जोर दिया है. उप संयोजक प्रेम कुमार ने कहा कि व्यवस्था बदलाव यात्रा से सभी विधानसभा क्षेत्रों का हिसाब-किताब होगा. दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन रांची स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में किया गया था. बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय भगत, हरि सिंह, प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा सहित नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे.

'तकनीकी शिक्षा को बनाएं रोजगारपरक'

- विद्यार्थियों को मिले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : चंपाई सोरेन

प्रमुख संवाददाता। रांची

शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने तकनीकी शिक्षा को रोजगारपरक बनाने पर जोर दिया है. गुरुवार को शिक्षा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. उन्होंने इस दौरान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े सभी योजनाओं की बिंदुवार जानकारी ली. साथ ही योजना की प्रगति के बारे में अफसरों से विस्तृत ब्योरा भी मांगा. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए. इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं. शिक्षा मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. विद्यार्थियों को नवीनतम नॉलेज के साथ तकनीकी ज्ञान भी दें, जिससे वे अपने करियर को बेहतर बना सकें. बैठक में विभाग के अधिकारियों सहित कई यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भी मौजूद थे.

इन प्रस्तावों पर बनी सहमति

- रांची में पूर्वी भारत का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय खोला जायेगा.
- जमशेदपुर में बन रहे पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय के कार्य की प्रगति समीक्षा की गई। वहां नए वाइस चांसलर की नियुक्ति इसी माह होने की संभावना है
- उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नवोत्थान छात्रवृत्ति योजना का प्रस्ताव रखा गया. इसके तहत राज्य के मेधावी अनाथ एवं दिव्यांग विद्यार्थियों के पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क, अधिकतम 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष तक सरकार देगी. इसके अलावा, इन छात्रों को आवासीय एवं भोजना की व्यवस्था हेतु प्रति वर्ष 48,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी
- जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज तथा एलबीएसएम कॉलेज समेत 38 अन्य महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों को रेनोवेट करने की योजना पर चर्चा हुई.
- 34 महाविद्यालयों का निर्माण को तेज करने का निर्देश दिया गया
- गिरिडीह, साहेबगंज, जमशेदपुर, रांची एवं गुमला में नए इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का प्रस्ताव रखा गया
- राज्य के देवघर, बरही, पतरातू, बुंडू, जमशेदपुर और राजनगरमें नए पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का प्रस्ताव दिया गया
- गिरिडीह, साहिबगंज, देवघर, खूंटी, गुमला तथा जमशेदपुर में नए विश्वविद्यालय खोलने की योजना के प्रस्ताव पर चर्चा हुई

39.84 करोड़ के सुरक्षा उपकरण खरीदेगी झारखंड पुलिस

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस 39.84 करोड़ के सुरक्षा उपकरण खरीदेगी. इन सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल सार्वजनिक रैलियां, कार्यक्रम, प्रदर्शन, राजनीतिक रैलियां के अलावा वीआईपी और वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किया जायेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सरकार से 39.84 करोड़ के बजट की मांग की है. इस राशि से डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), हैंड मेटल डिटेक्टर (एचएमडी) समेत नौ सुरक्षा उपकरण खरीदे जायेंगे. यह उपकरण किसी भी कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपने आप में बड़ी व्यवस्था है.

जानें क्या-क्या सुरक्षा उपकरण खरीदे जायेंगे

- डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर : 150
- हैंड मेटल डिटेक्टर : 216
- ईएक्सटी सर्च मिरर : 117
- नन लाइनर जंक्शन डिटेक्टर : 29
- दूरबीन : 47
- एक्सप्लोसिव वेपर डिटेक्टर : 59
- जीपीएस : 27

- पोर्टेबल एक्स रे स्कैनर मशीन : 61

186 गणमान्य लोगों की सुरक्षा में एक हजार से ज्यादा जवान : झारखंड में 186 गणमान्य लोगों को जेड श्रेणी से लेकर एक्स श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है. ऐसे में मात्र 186 लोगों की सुरक्षा में ही एक हजार से ज्यादा जवान लगे हैं. राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री के साथ कई पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य से आने वाले केंद्रीय मंत्रियों को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गयी है. झारखंड में अति विशिष्ट यानी वीआईपी लोगों को जेड प्लस से लेकर एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है. इस साल मार्च महीने में ही झारखंड में राज्य सुरक्षा वर्गीकरण समिति की बैठक हुई थी. बैठक के दौरान झारखंड के विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों पर किस तरह की असुरक्षा है, उसकी समीक्षा की गयी. समीक्षा के बाद उन लोगों को जेड प्लस, जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स कैटेगरी की सुरक्षा में रखा गया.

झारखंड पुलिस का वायरलेस विभाग उपेक्षा का शिकार

खास बातें

- साल 2021 में सिर्फ 89 वायरलेस सब इंस्पेक्टर की नियुक्ति हुई थी
- वर्ष 2021 के बाद अबतक वायरलेस विभाग में एक भी नियुक्ति नहीं हुई है

रांची। झारखंड पुलिस ने हाल के वर्षों में आधुनिकीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं. सूबे के थानों की सूरत बदली है. पुलिकर्मियों को अत्याधुनिक हथियार और संसाधन मिले हैं. लेकिन झारखंड पुलिस के वायरलेस विभाग की बात करें तो पुलिस आधुनिकीकरण का कोई खास असर यहां देखने को नहीं मिल रहा है. राज्य पुलिस का यह महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह उपेक्षा का शिकार है. यह हम नहीं, यहां के हालात कह रहे हैं. राज्य गठन के बाद यहां साल 2021 में सिर्फ 89 वायरलेस सब इंस्पेक्टर की नियुक्ति हुई थी. इसके बाद से अबतक वायरलेस विभाग में एक भी नियुक्ति नहीं हुई है. नतीजतन आज यहां वायरलेस कर्मियों की भारी किल्लत हो गयी है. बताया जा रहा है कि वायरलेस ऑपरेटर कांस्टेबल के 700 से अधिक पद खाली हैं. वहीं टेक्निकल ऑपरेटर भी केवल आठ से दस ही बचे हैं. पदों के खाली रहने के कारण कामकाज पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है. पुलिस वायरलेस सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए भेजा गया प्रस्ताव विचाराधीन गृह विभाग को पिछले वर्ष पुलिस वायरलेस सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए तीन वर्षीय योजना का प्रस्ताव भेजा गया था. इसमें 5417 डिजिटल वीएचएफ सेट हाय बैंड सेट, 4304 डिजिटल वीएच सेट, 48 डिजिटल वीएचएफ रिपीटर सेट, 256 एचएफ सेट स्टेटिक और 345 एचएफ मैनपैक सेट खरीदने का प्रस्ताव था. लेकिन यह प्रस्ताव अब तक विचाराधीन है.

बेहतरीन हो रही हैं सूबे की सड़कों की राइडिंग क्वालिटी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड की सड़कों को मजबूतीकरण-चौड़ीकरण के साथ राइडिंग क्वालिटी में भी सुधार किया जा रहा है. राज्य की एक दर्जन से अधिक सड़कें ऐसी हैं, जिनके निर्माण, मजबूतीकरण व चौड़ीकरण का काम 60 से 90 फीसदी तक हो चुका है. जल्द ही राज्य सरकार इन सड़कों को जनता को समर्पित करेगी. वहीं छह सड़कें ऐसी हैं, जिनका काम शत-प्रतिशत पूरा हो गया है. इसमें नामकुम डोरंडा सड़क, रिंग रोड से झारखंड जगुआर, सिसई भंडरा सड़क,अनगड़ा-हुंडरू सड़क और रांची-मुरी सड़क शामिल हैं. सिसई बसिया सड़क का काम 79 फीसदी पूरा हो चुका है.

40 परियोजनाओं को मिली मंजूरी : झारखंड में पिछले तीन साल में 40 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है. 27 परियोजनाओं पर फिलहाल काम चल रहा है. नौ आरओबी और चार पुल का भी निर्माण कार्य चल रहा है. 14 हजार करोड़ से अधिक लागत वाली योजनाओं में पांच योजनाएं पूरी कर ली गई हैं. साहिबगंज में 1977 करोड़ की स्टैंड एलोन पुल परियोजना का काम चल रहा है. गुमला से झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा तक भारत मामला प्रोजेक्ट के तहत फोर लेन सड़क बनेगी. इस प्रोजेक्ट पर 1300 करोड़ रुपये खर्च होंगे. खास बात यह है कि रांची से पलामू तक फोर लेन का काम पूरा हो गया है. वहीं पलामू से गुमला तक फोर लेन योजना पर काम चल रहा है.

किस सड़क का काम कितना पूरा, कितने का है प्रोजेक्ट

- शहीद गोरखा चौक से रांची रेलवे स्टेशन के पीछे तक और महात्मा गांधी रोड से रांची रेलवे स्टेशन तक- कुल प्रोज्क्ट- 72.31 करोड़, 75 फीसदी काम पूरा
- बिरसा चौक से धुर्वा, मजबूतीकरण, बाइसाइकिल ट्रैक- कुल प्रोजेक्ट- 34.93 करोड़, 90% काम पूरा
- बिरसा मुंडा एयरपोर्ट-चंदाघासी-रिंग रोड सड़क, कुल प्रोजेक्ट-211.98 करोड़, 15% काम पूरा
- इटकी सेनेटोरियम मोरो सड़क, कुल प्रोजेक्ट-264.4 करोड़, 80% काम पूरा
- कोडाजोरा से लोहरदगा रोड, कुल प्रोजेक्ट17.94 करोड़, 72% काम पूरा
- पिस्का स्टेशन आरओबी, कुल प्रोजेक्ट 26.76 करोड़, 20% काम पूरा
- कुटिया से मालती भाया रिंग रोड, कुल प्रोजेक्ट,9.67 करोड़, 80% काम पूरा
- रिंग रोड से दलादली, कुल प्रोजेक्ट-1.97 करोड़,70% काम पूरा
- बुढ़मू-उमडेंगा-हिंदगीर सड़क, कुल प्रोजेक्ट-7.56 करोड़,70% काम पूरा
- राजस्व परिषद का एप्रोच रोड- कुल प्रोजेक्ट- 45.92 लाख, 60% काम पूरा
- डीसी निवास से दीनदयाल चौक- 55% काम पूरा
- मालगो मोड़ से भरनो सड़क, कुल प्रोजेक्ट 29.02 करोड़, 95% काम पूरा
- चैनपुर-महुआडैम सड़क, कुल प्रोजेक्ट 59.41 करोड़, 31% काम पूरा
- सिसई-बसिया रोड- कुल प्रोजेक्ट- 106.11 करोड़, 79% काम पूरा
- चैनपुर-जारी रोड, कुल प्रोजेक्ट 29.60 करोड़, 23% काम पूरा
- करकट्टा से तंजू नाला, कुल प्रोजेक्ट- 24.8 करोड़, 16% काम पूरा

भानू प्रताप शाही ने इरफान अंसारी पर कसा तंज

अब आप प्रदेश के मंत्री हैं, जोकर नहीं

खास बातें

- इरफान और भानू में फिर से ट्विटर वार
- एक मंत्री की यह भाषा कतई बर्दाश्त नहीं : भानू
- आप तीन माह के लिए बने हैं मंत्री, मैं 23 महीने रह चुका हूं

प्रमुख संवाददाता। रांची

कैबिनेट मंत्री इरफान अंसारी और भाजपा विधायक भानू प्रताप शाही के बीच एक बार फिर ट्विटर वार छिड़ गया है. इरफान अंसारी के बांड

लिखवाने वाले बयान पर भाजपा विधायक भानू प्रताप सिंह ने ट्वीट कर अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने ट्वीट कर लिखा है कि एक मंत्री की यह भाषा कतई बर्दाश्त नहीं करूंगा. मैं आपके इस वक्तव्य का घोर निंदा करता हूं.

ये हैं झारखंड के नए मंत्री : ट्वीट पर आगे लिखा है कि ये हैं झारखंड के नये मंत्री इरफान अंसारी जी. इनके बोल सुनिए इनकी भाषा को देखिए ! मंत्री जी अब आप जोकर नहीं मंत्री हो गए हैं. इस बात का ख्याल रखें. पहली बात आप आज बने हैं मंत्री, तीन महीना के लिए और मैं आप से 17 साल पहले कैबिनेट मंत्री बन चुका हूं, वो भी 23 महीने के लिए. लिहाज संस्कार आपका सब समाप्त हो चुका है. आप काम नहीं करेंगे तो जनता के बीच यह वीडियो दिखा कर आपकी करतूत और सोच को बतायेंगे. यह कुर्सी जनता की है. मंत्री सबके लिए होता है. यही शपथ लिए हैं ना दो दिन पहले आपने और तुरंत भूल गए. यह शर्मनाक है. एक मंत्री की यह भाषा कतई बर्दाश्त नहीं करूंगा. मैं आपके इस वक्तव्य का घोर निंदा करता हूं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,100
चांदी (किलो)	97,000

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 94 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बैठक : चुनाव आयोग की टीम ने वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की

झारखंड समेत चार राज्यों के चुनाव साथ कराने के संकेत

दिए निर्देश

- राजनीतिक दलों के साथ नियमित अंतराल में बैठक करने का निर्देश
- आयोग की टीम ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में तेजी लाने को कहा
- मतदाता पंजीकरण से जुड़े लंबित आवेदनों को मिशन मोड में निष्पादित करने का निर्देश
- सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किये

रवि भारती। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की छह सदस्यीय टीम ने पतरातू लेक रिसॉर्ट में मंथन किया. गुरुवार को आयोग के वरीय उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास और धर्मेंद्र शर्मा ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की. जानकारी के अनुसार, चार राज्यों हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर के साथ झारखंड में भी एक साथ चुनाव कराने पर मंथन किया गया.

बैठक में जोर दिया गया कि अक्टूबर में ही विस चुनाव कराया जाए. इसकी वजह यह भी रही कि यहां लोस चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ. आयोग के वरीय पदाधिकारियों ने झारखंड में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष लोक सभा निर्वाचन संपन्न कराने पर देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की ओर से झारखंड के सीईओ के रवि कुमार एवं पूरे राज्य की निर्वाचन टीम को बधाई दी. बैठक में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा अपने जिले में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की गतिविधियों एवं अब तक की प्रगति का पीपीटी के माध्यम से विस्तृत प्रतिवेदन पेश किया.

आयोग की टीम ने दिए दिशा निर्देश : भारत निर्वाचन आयोग से आए पदाधिकारियों द्वारा राज्य में चल रहे द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में मतदाता सूची को लेकर कई दिशा निर्देश दिए. आयोग की टीम ने मतदाता सूची के अद्यतनीकरण, घर-घर सत्यापन, डिजिटाइजेशन, पुराने लेमिनेटेड मतदाता पहचान पत्र के नवीनीकरण, पहचान पत्रों के वितरण, मतदान केंद्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं, जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति एवं लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत जैसे विषयों पर विस्तृत रूप से समीक्षा भी की. मतदाता पंजीकरण से जुड़े लम्बित आवेदनों को मिशन मोड में निष्पादित करने को कहा गया. सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को त्रुटिरहित एवं अद्यतन वोटर लिस्ट का प्रकाशन करवाने के लिए भी निर्देश दिया.

बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद, झारखंड के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा सहित राज्य के सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

रामगढ़ जिले के पतरातू रिसॉर्ट में गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक करती भारत निर्वाचन आयोग की टीम.

समावेशी वोटर लिस्ट की दिशा में करें पूरा प्रयास

बैठक में निर्देश दिया गया कि सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी युवाओं, दिव्यांगजनों, महिलाओं, पीवीटीजी आदि वर्गों को मतदाता सूची में पंजीकृत करवाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चला कर समावेशी मतदाता सूची बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास करें. विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के शत-प्रतिशत छात्रों का मतदाता सूची में पंजीकरण करवाने को लेकर सभी जिले प्रभावी पहल करें. आयोग के वरीय पदाधिकारियों कि ओर से बीएलओ एवं मतदाताओं के बीच समन्वय बढ़ाने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया.

बैठक में इन बिंदुओं पर रहा फोकस

- झारखंड सरकार का कार्यकाल जनवरी तक है.
- **इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया खत्म कर सरकार का गठन कर लिया जाना है**
- झारखंड में पिछला विधानसभा चुनाव पांच-पांच चरण में हुए थे
- इस बार निर्वाचन आयोग झारखंड में दो से तीन चरणों में चुनाव संपन्न कराने की तैयारी में है.
- **शांतिपूर्ण संपन्न हुए लोस चुनाव को आधार मानकर कार्यवाही कर सकती है, निर्वाचन आयोग की टीम.**

500 से अधिक वोटर वाली सोसाइटी में बूथ

डीईसी नितेश व्यास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों की वैसी हॉउसिंग सोसाइटी जहां 500 से अधिक वोटर हैं, वहां आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप सोसाइटी में ही नया मतदान केंद्र बनाएं. उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जितना दक्षतापूर्वक और त्रुटि रहित होगा, मतदान प्रतिशत उतना ही बेहतर होगा.

आयोग की टीम ने क्या दिए टास्क

- मतदाता पहचान पत्रों के वितरण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें.
- **मतदाता पंजीकरण के बाद यदि मतदाता पहचान पत्र वितरण में निर्धारित समय से अधिक विलंब होता है, तो पोस्ट ऑफिस के साथ समन्वय कर इस कार्य में तेजी लायें.**
- मतदाता पंजीकरण या मतदाता पहचान पत्र से जुड़ी सभी जनशिकायतों का भी ससमय निराकरण करते रहें, भले ही ये शिकायतें किसी भी माध्यम से प्राप्त हुई हों.

- झामुमो ने भाजपा पर लगाया इलेक्शन कमीशन के जरिए सरकार को अस्थिर करने का आरोप, कहा-छठ तक चुनाव संभव नहीं – देखें पेज 11 पर

नीट यूजी पेपर लीक मामले का सरगना रॉकी गिरफ्तार

- **सीबीआई ने ली 10 दिन की रिमांड, रांची में होटल चलाता है रॉकी**
- **मास्टरमाइंड सजीव मुखिया का भांजा है राकेश रंजन उर्फ रॉकी**

सौरभ सिंह। रांची

बिहार में नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने सरगना राकेश रंजन (रॉकी) को गिरफ्तार कर लिया है. उसे पटना से गिरफ्तार किया गया है. सीबीआई को कोर्ट से रंजन की 10 दिन की हिरासत मिली है. पटना और कोलकाता में उससे जुड़े ठिकानों पर रेड के बाद आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं.

राकेश रंजन उर्फ रॉकी रांची में होटल चलाता है और संजीव मुखिया का भांजा है. पेपर लीक होने के बाद उसे हल करने के लिए रॉकी ने ही सॉल्वर्स का जुगाड़ किया था. रांची और पटना के एमबीबीएस छात्रों का सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया था. रॉकी ही संजीव मुखिया का बड़ा राजदार भी है. इस मामले में सीबीआई ने पटना और कोलकाता में रेड की. सीबीआई ने रॉकी को उसके आईपी एड्रेस और ईमेल एड्रेस के जरिए ट्रेस करने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया.

पेपर लीक में रॉकी की भूमिका : रॉकी, झारखंड में संजीव मुखिया गिरोह का खास एसेट है. रांची और पटना के एमबीबीएस स्टूडेंट्स को सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया. जानकारी के मुताबिक, रॉकी की गिरफ्तारी के बाद सॉल्वर्स के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है. सीबीआई को यह सफलता अमन सिंह की गिरफ्तारी के बाद मिली है. सीबीआई ने अमन को झारखंड के धनबाद से गिरफ्तार किया गया था. अमन सिंह, पेपर लीक कांड में रॉकी का बेहद खास बताया गया है.

सीबीआई का अगला टॉरगेट संजीव मुखिया : अमन सिंह और रॉकी की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई को अब नीट पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया उर्फ लूटन की तलाश है. अमन सिंह की गिरफ्तारी के बाद रॉकी की गिरफ्तार हुई और 10 दिन की रिमांड मिली है. रॉकी को रिमांड पर लेने के बाद सीबीआई की टीम अब संजीव मुखिया की लोकेशन को लेकर पूछताछ करेगी.

नीट मामले की सुनवाई अब 18 को

जज आप हैं कि मैं...

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने सुनवाई के बाद मामले को 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया. कुछ संबंधित पक्षों को केंद्र और एनटीए द्वारा कोर्ट में दायर हलफनामा नहीं मिलने से सुनवाई स्थगित की गई है.

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार और नीट-यूजी का आयोजन करने वाली एनटीए ने शीर्ष कोर्ट के आठ जुलाई के निर्देश के अनुसार अपना-अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है. पीठ ने कहा, कुछ याचिककर्ताओं की पैरवी कर रहे वकीलों को केंद्र और एनटीए के हलफनामों की प्रति अभी तक नहीं मिली है. इसी के साथ मामले को 18 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया. शीर्ष कोर्ट नीट-यूजी से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें पांच मई को आयोजित परीक्षा में धांधली और कदाचार का आरोप लगाने वाली तथा नये सिरे से परीक्षा कराने का निर्देश देने का अनुरोध भी शामिल हैं.

एक सेकेंड... सौभाग्य से जज मैं हूं

जब सीजेआई ऑर्डर लिखवा रहे थे, कोर्ट रूम में कुछ ऐसा हुआ कि वह बिदक पड़े. कई पक्षों के वकीलों ने कोर्ट के सामने यह बात उठाई कि उन्हें हलफनामे की कॉपी नहीं मिली है. तब सीजेआई ने कहा, मामले की सुनवाई शुक्रवार को होगी. फिर उन्होंने कहा कि सोमवार को सुनवाई होगी. सीजेआई द्वारा सुनवाई की नई तारीख देने और ऑर्डर लिखवाने के दौरान ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार और मंगलवार को अपनी अनुपलब्धता बताकर कोर्ट से बुधवार को सुनवाई के लिए अनुरोध किया. तभी वरिष्ठ वकील जेनेदमपारा, जो छात्रों के एक समूह की एक याचिका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने कहा कि वह बुधवार के लिए राजी हैं. इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ बिगड़ गए और वकील नेदमपारा से पूछ डाला, एक सेकेंड, मिस्टर नेदमपारा, जज आप नहीं हैं, सौभाग्य से जज मैं हूं. आप खामोश रहें. इसके बाद सीजेआई ने कहा कि बुधवार को छुट्टी है, इसलिए मामले की अगली सुनवाई अब गुरुवार यानी 18 जुलाई को होगी.

ब्रीफ खबरें

पीएम ने की अर्थशास्त्रियों संग की बजट पूर्व बैठक

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस महीने पेश होने वाले बजट को लेकर अर्थशास्त्रियों के विचार और सुझाव जानने के लिए गुरुवार को उनके साथ बैठक की. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी.

डीयू में मनुस्मृति लागू करने का विरोध शुरू

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के एलएलबी के छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव की शिक्षकों के एक वर्ग ने आलोचना की है. शुक्रवार को अकादमिक परिषद की बैठक में मनुस्मृति पढ़ाए जाने पर चर्चा की जानी है.

एमएसपी के लिए अब किसान फिर आंदोलित

नयी दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने गुरुवार को घोषणा की कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर आंदोलन फिर से शुरू करेगा.

इनेलो और बसपा के बीच गठबंधन

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) ने इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने पूर्व सहयोगी दल बसपा से फिर से हाथ मिलाने का फैसला किया है. दोनों दलों के नेताओं ने गुरुवार को यह घोषणा की.

हेमंत आज 1500 शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

सौगात

- सभी तैयारियां पूरी, राज्य में फिर शुरू होंगी नियुक्तियां
- अब तक झारखंड के 1 लाख युवाओं को मिली नौकरी

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की तीसरी बार बागडोर संभालने के बाद सीएम हेमंत सोरेन फिर से नियुक्ति पत्र का सिलसिला शुरू करने जा रहे हैं. सोरेन शुक्रवार को प्रभात तारा मैदान में चयनित 1500 उच्च माध्यमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं. कार्यक्रम में वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता और स्कूली शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम विशिष्ट अतिथि होंगे.

सितंबर तक 40 हजार नियुक्ति देने की तैयारी में सरकार : राज्य सरकार सितंबर तक 40 हजार नियुक्ति देने की तैयारी में है. इंटर स्तर के सहायक आचार्य के 11,000 और स्नातक स्तर के 15,001 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. इसी तरह पीजी शिक्षक के 1,868, डिप्लोमा स्तर के 153, नगर पालिका सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 921, झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा परीक्षा के 904, महिला पर्यवेक्षिका के 488 पद, झारखंड सामान्य स्नातक योग्यता धारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 2,025 और झारखंड पारा मेडिकल संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से 2,532 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया अलग-अलग चरणों में पहुंच चुकी है. इधर राज्य सरकार का दावा है कि अब तक 2019 में झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार बनने के बाद सरकारी एवं निजी क्षेत्र मिलाकर कुल 1 लाख से अधिक नौकरियां दी गयी हैं.

असम सरकार देगी कर्मियों को ससुराल जाने की भी छुट्टी

गुवाहाटी। असम सरकार ने अपने कर्मियों को माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय व्यतीत करने के लिए नवंबर में दो दिन की विशेष आकस्मिक छुट्टी देने की घोषणा की है. सीएमओ ने गुरुवार को कहा कि यह छुट्टी निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल नहीं की जा सकेगी और जिनके मां-पिता या सास-ससुर नहीं हैं, उन्हें छुट्टियां नहीं मिलेंगी. सीएमओ ने एक्स पर कहा, सीएम के नेतृत्व में सरकार ने 6 और 8 नवंबर को सरकारी कर्मियों को उनके माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिताने के वास्ते विशेष छुट्टी देने की घोषणा की है.

सीएमओ ने कहा कि सात नवंबर को छठ पूजा, नौ नवंबर को दूसरे शनिवार की छुट्टी और 10 नवंबर को रविवार की छुट्टी के साथ ही इन छुट्टियों को लिया जा सकता है. उसने कहा कि आवश्यक सेवाओं में काम कर रहे कर्मचारी चरणबद्ध तरीके से इसे ले सकते हैं. सीएम शर्मा ने 2021 में पदभार संभालने के बाद स्वतंत्रता दिवस पर अपने पहले भाषण में इन विशेष छुट्टियों की घोषणा की थी.

सीए इंटर और फाइनल का रिजल्ट किया जारी, 11,041 उम्मीदवार क्वालीफाई

शिवम फाइनल और इंटर में कुशाग्र टॉपर

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने मई 2024 में आयोजित सीए फाइनल और इंटर परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर दिया है. सीए ग्रुप 1 इंटर परीक्षा में 1,17,764 लोग शामिल हुए थे. जिसमें से 31,978 यानी 27.15% ने क्वालिफाई किया है.

वहीं सीए ग्रुप 2 इंटर में 71,145 लोग परीक्षा में शामिल हुए. जिसमें से 13,008 (18.28%) पास हुए. सीए ग्रुप 1 और ग्रुप 2 इंटर परीक्षा में कुल 59,956 लोग शामिल हुए थे. जिनमें से 11,041 (18.42%) ने क्वालिफाई किया है. बता दें कि आईसीएआई ने मई 2024 इंटरमीडिएट परीक्षा (ग्रुप 1) 3, 5 और 9 मई को आयोजित की थी. जबकि ग्रुप 2 इंटर परीक्षा 11, 15 और 17 मई को हुई थी.

ग्रुप 1 के लिए सीए फाइनल परीक्षा 2, 4 और 8 मई को आयोजित की गयी थी. जबकि ग्रुप 2 के लिए सीए फाइनल की परीक्षा 10, 14 और 16 मई को आयोजित की गयी थी.

शिवम मिश्रा. वर्षा अरोड़ा. गिलमन अंसारी.

सीए फाइनल

नाम	अंक	रैंक
शिवम मिश्रा	500	1
वर्षा अरोड़ा	480	2
गिलमन अंसारी	477	3
किरण राजेंद्र सिंह	477	3

सीए इंटर

नाम	अंक	रैंक
कुशाग्र राय	538	1
युग सचिन करिया	526	2
यज्ञ ललित चंदक	526	2
मनित सिंह भाटिया	519	3

ये हैं फाइनल और इंटर के टॉपर्स

आईसीएआई के ऑफिशियल एक्स हैंडल के अनुसार, सीए फाइनल परीक्षा में नयी दिल्ली के शिवम मिश्रा ने ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है. शिवम 500 नंबर लाकर टॉप किया है. वहीं दिल्ली की वर्षा अरोड़ा 480 अंक के साथ सेकेंड टॉपर है. जबकि किरण राजेंद्र सिंह मनराल (मुंबई) और गिलमन सालीम अंसारी (नवी मुंबई) 477 अंक लाकर थर्ड टॉपर रहे. वहीं सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में भिवाड़ी (राजस्थान) का कुशाग्र रॉय ने 538 अंक लाकर ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है, इसी तरह अकोला (महाराष्ट्र) के युग सचिन करिया और भायंदर (महाराष्ट्र) के यज्ञ ललित चंदक ने 526 अंक लाकर रैंक 2 हासिल किया है. वहीं नयी दिल्ली के मनित सिंह भाटिया और मुंबई के हिरेश कसिरमका ने 519 अंक लाकर रैंक 3 हासिल किया है.

शाम है इतनी मतवाली तो सुबह का आलम क्या होगा

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

18 वीं लोकसभा के छोटे सत्र के साथ राज्यसभा का सत्र संपन्न हो गया है लेकिन उसमें जो कुछ हुआ है, उससे एक नयी आशंका पैदा हुई है. वह आशंका यह है कि यदि निजी खुंदक, मुठभेड़ और मर्यादाहीन आचरण की यही बेढंगी रफ्तार जारी रही, तो संसद में सब्जी मंडी जैसा हंगामा रणक्षेत्र में बदल जाएगा. आशावादी कह सकते हैं कि यह आशंका निर्मूल है. हमारा लोकतंत्र मजबूत है और कतिपय झंझावातों को झेलते हुए भी गतिमान है. लेकिन इसी गतिमान लोकतंत्र में हमारी विधानसभाएं लहूलुहान हुई हैं. लात-घूसे कुर्सियां और माइक चले हैं. महिला नेताओं के चीरहरण के कुत्सित प्रयास भी हुए हैं. यह सब गाढ़ा हुए विद्रूप परिवेश के कारण हुआ और मौसम विज्ञान की भाषा में कहें तो हमारी संसद में भी निम्न हवा का दबाव साफ देखा जा सकता है. बीते छोटे सत्र से जो आगाज हुआ है, उसके अंजाम की चिंता से सिहरन पैदा होना स्वाभाविक है. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत जिस लहजे, अंदाज और भाव भंगिमा के साथ राहुल गांधी ने की और अपने भाषण को जिस मुकाम तक पहुंचाया, उससे यह साफ हो गया कि वह मुठभेड़ पर आमादा हैं और संसद में भी चुनावी भाषण ही करेंगे. इसके बाद दोनों तरफ से जितने भी भाषण हुए अधिकतर में मुद्दे कम लपेटा-लपेटी ज्यादा थी.

प्रधानमंत्री भी अपने भाषण के उत्तरार्द्ध में राहुल गांधी के स्तर पर उतर आये. उन्होंने बेमुरव्वत निजी हमले बोले. उन्होंने बिना नाम लिए जो कुछ कहा वह उनकी गरिमा के प्रतिकूल था. लेकिन जब प्रतिस्पर्धा निजी हमलों से स्कोर करने की चल रही हो, तब मर्यादाएं तो टूटती ही हैं. राहुल गांधी ने अपने भाषण में तीन स्पष्ट झूठ बोला. अग्निवीरों को मरणोपरांत कोई सहायता राशि नहीं मिलती है, किसानों को एमएसपी नहीं मिलती है, हिंदू हिंसक होते हैं और 24 घंटे हिंसा करते हैं. इन तीन मुद्दों पर क्रमशः रक्षा मंत्री, कृषि मंत्री और प्रधानमंत्री ने हस्तक्षेप किया. हस्तक्षेप तो एक मुद्दे पर गृहमंत्री ने भी किया. लेकिन सत्ता पक्ष ने राहुल का डेढ़ घंटे का भाषण निर्विरोध सुना, जबकि हिंदुओं को हिंसक कहने के बाद तो भाजपा कांग्रेस की लंका लगा देती. शायद यह पहले से निर्दिष्ट था कि हंगामा नहीं करना है. इसके विपरीत जब प्रधानमंत्री जवाब देने के लिए खड़े हुए तब विपक्ष शोर मचाते हुए वेल में आ गया और उनके सवा दो घंटे के भाषण के दौरान अनवरत हंगाम जारी रहा. खुद नेता प्रतिपक्ष ने उन्हें वेल में आने के लिए उकसाया. इसके लिए स्पीकर ने उन्हें टोका भी. प्रधानमंत्री ने हेडफोन लगाकर अपना भाषण पूरा किया और विपक्ष की बोलने न देने की योजना विफल हो गयी. इसी प्रकार राज्यसभा में भी प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष ने पहले हंगामा किया और फिर सदन से बाहर चला गया. यानी विपक्ष की योजना थी लोकसभा में चिल्लाओ और राज्यसभा से भाग जाओ. यदि यह आगे के सत्रों में जारी रहा तो क्या सत्ता पक्ष भी हंगामा करने के लिए नहीं मचल सकता है ? तब क्या-क्या हो सकता है, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है.

कुछ लोग अपने-अपने ढंग से बता रहे होंगे कि किसने किसको धोया और कितना, लेकिन शोचनीय यह है कि हमारा संसदीय लोकतंत्र इन आचरणों से कितना मलीन हो रहा है. -शेष पेज 11 पर

मनरेगा मजदूरों को केंद्र सरकार देगी साइकिल

प्रवीण कुमार। रांची

मनरेगा मजदूरों को केंद्र साइकिल देने की योजना पर काम कर रहा है. इससे राज्य के 31 लाख 95 हजार 272 मजदूरों में से सक्रिय मजदूरों को लाभ मिलेगा. केंद्र सरकार मजदूरों को साइकिल के लिए तीन हजार से लेकर चार हजार रुपए तक की सहायता राशि प्रदान करेगी.

मनरेगा श्रमिकों को इससे कार्य स्थल से घर तक आना-जाना आसान होगा. मनरेगा फ्री साइकिल योजना का उद्देश्य दूर दराज में काम करने वाले लोगों को राहत देनी है. उन्हें कार्यस्थल पर आने-जाने के लिए सवारी वाहन को ढूंढने में कठिनाई होती है.

कौन होंने साइकिल के पात्र : मनरेगा फ्री साइकिल योजना का लाभ लेने के लिए मनरेगा मजदूर को एक ही जगह पर 21 दिन तक काम किया होना चाहिए, जिसका विवरण उसके लेबर कार्ड पर उपलब्ध होना चाहिए. साथ ही पिछले 90 दिन का लेबर कार्ड पर कार्य होना चाहिए. योजना का लाभ वैसे श्रमिकों को मिलेगा, जो 6 महीने से किसी निर्माण कार्य में कार्यरत हैं. श्रमिक को योजना का लाभ देने के लिए आधिकारिक वेबसाइट लांच होगी. उसके बाद मजदूरों को उस पर ऑनलाइन आवेदन देना होगा. इस योजना को लेकर नई वेबसाइट शुरू करने की तैयारी केंद्र सरकार कर रही है.

ब्रीफ खबरें

कपूरिया बनेगा बाल मित्र पंचायत

महुदा। कपूरिया पंचायत को बाल मित्र पंचायत बनाने को लेकर पंचायत भवन में झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की बैठक गुरुवार को हुई. बैठक की अध्यक्षता मुखिया ममता देवी ने की. बैठक को संबोधित करते हुए मुखिया ने कहा कि कपूरिया को बाल विवाह मुक्त एवं बाल शोषण मुक्त पंचायत बनाया जायेगा. इसके लिए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट पंचायत क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रहा है. बैठक में ग्राम बाल संरक्षण समिति की सचिव गिरिजा देवी, रीता देवी, मनीषा देवी, बिमला देवी, रूबी देवी, रीना देवी, वार्ड सदस्य सीता देवी, लक्ष्मी देवी, मनीषा कुमारी के अलावा दर्जनों आंगनबाड़ी सेविकाएं और वार्ड सदस्य मौजूद थे.

आउटसोर्सिंग प्रबंधन के खिलाफ मजदूरों का धरना

निरसा। इसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर-2 कोलियरी में विगत दिनों एक राजनीतिक दल के बंद के आह्वान पर आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने यहां कार्यरत मजदूरों की हाजिरी काट लिया था. प्रबंधन के इस रवैये के खिलाफ मजदूरों में आक्रोश है. गुरुवार को मजदूरों ने यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के बैनर तले उत्पादन ठप कर आउटसोर्सिंग प्रबंधन के कैंप कार्यालय पर प्रदर्शन के बाद अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गये. मजदूरों ने काटी गई हाजिरी देने की मांग की है. धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे यूनियन के क्षेत्रीय सचिव मधुरेंद्र गोस्वामी ने बताया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होगी तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा.

झामुमो ने बरबिंदिया पुल निर्माण का लिया जायजा

निरसा। झामुमो नेताओं की एक टीम ने गुरुवार को निर्माणाधीन निरसा-बरबिंदिया पुल का निरीक्षण किया. टीम का नेतृत्व झामुमो जिलाध्यक्ष लक्खी सोरेन व जिला सचिव तपन तिवारी ने किया. इस दौरान निर्माण कार्य में लगे राजवीर कंस्ट्रक्शन को सही ढंग से काम करने का निर्देश दिया गया. लखी सोरेन ने कहा कि निर्माण कार्य में किसी तरह की कौताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. वे खुद बीच-बीच में आकर निर्माण कार्य का जायजा लेंगे. उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से पुल निर्माण कार्य मे सहयोग देने की अपील की है, ताकि पुल मजबूती से बन पाये.
बता दें कि इससे पूर्व वर्ष 2007-2008 में बराकर नदी पर बरबिंदिया पुल का निर्माण शुरू हुआ था. अगर तय समय पर पुल बन गया होता तो झारखंड के 8 जिले सीधे एक दूसरे से जुड़ जाते.

ग्रामीण एकता मंच ने किया पौधरोपण

लोयाबाद। धनबाद नगर निगम को प्रदूषण मुक्त बनाने का लक्ष्य लेकर ग्रामीण एकता मंच पौधरोपण अभियान चला रखा है. इसी कड़ी में गुरुवार को मंच के अध्यक्ष तथा स्थानीय पार्षद ने लोयाबाद बीजीएस हाई स्कूल प्रांगण में फलदार पौधे लगाए. इसके अलावा बासुदेव गांधी स्मृति उच्च विद्यालय एवं मध्य विद्यालय लोयाबाद में मंच के अध्यक्ष रंजीत उर्फ़ बबलू सिंह, प्राचार्य और वार्ड 8 के निर्वतमान पार्षद महावीर पासी ने संयुक्त रूप से काजू, अमरूद, जामुन, आम, आंवला, नीम समेत अन्य तरह के पौधे लगाए. मौके पर मंच के अध्यक्ष ने कहा कि हमारा लक्ष्य धनबाद को हरा-भरा रखना है.

प्रिंट रेट से ऊंची कीमत पर शराब बेच हर दिन लाखों की अवैध वसूली

खास बातें

- हर ब्रांड की शराब में प्रिंट से अधिक की वसूली
- दुकानदारों के साथ ग्राहकों का हमेशा होता है विवाद
- अधिक कीमत नहीं देने पर नहीं मिलती है शराब

धनबाद टीम

धनबाद की लगभग सभी सरकारी शराब की दुकानों में प्रिंट से अधिक कीमत वसूली जा रही है. ऐसा नहीं है कि विभाग के अधिकारियों को इस बात की खबर नहीं है. शिकायतों के बाद भी दुकानदार और उनके स्टाफ की मनमानी जारी है. इन पर लगाम कसने की कोई भी कवायद असरदार नहीं है.
विभाग द्वारा कई टॉल फ्री नंबर भी दिए गए हैं, लेकिन इनका असर नहीं हो पा रहा है. जिले के सभी प्रखंडों की सरकारी दुकानों की रेट का जायजा लिया गया. लगभग सभी दुकानों में ऊंची कीमत पर शराब बेची जा रही है. पूरे जिले में यह अवैध वसूली लाखों के आंकड़े को पार कर जाती है. इन दुकानदारों के खिलाफ अधिकारी आखिर आंख मूंदे कसै रह सकते हैं, इसकी वजह हर कोई जानता है.

इनपुट - राज कुमार महतो अफताब आलम ओम प्रकाश

शहर में सबसे ज्यादा अवैध वसूली

शराब की प्रिंट कीमत से ज्यादा की वसूली शहर में चरम पर है. शहर के अधिकतर शराब दुकानों में प्रिंट से ज्यादा कीमत पर शराब की छोटी से लेकर बड़ी बोतल बेची जा रही है. यह सब उत्पाद विभाग के नाक के नीचे हो रहा है. इस मामले पर कई बार आवाज उठने के बावजूद किसी अधिकारी के कान पर जूं तक नहीं रेंगा. उत्पाद बिभाग कार्यालय से चंद कदम की दूरी पर रणधीर वर्मा चौक के पास स्थित शराब दुकान में छोटी शीशी पर प्रिंट से दस रुपये ज्यादा वसूला जा रहा है. हाफ पर बीस रुपये एवं बोतल पर चालीस रुपये ज्यादा वसूला जा रहा है. 170 रुपये प्रिंट वाले शराब को 180 में बेचा जा रहा है. वहीं 370 की जगह 390 लिया जा रहा है. पूजा टॉकीज, पुलिस लाइन स्थित दुकानों में भी इतने ही ज्यादा रेट वसूले जा रही है. एक ओर जहां अधिकांश दुकानों में प्रिंट से ज्यादा की वसूली की जा रही है वहीं बरटांड़ स्थित दुकान से प्रिंट रेट पर ही शराब बेची जा रही है.

40 रुपये तक की अधिक वसूली

रणधीर वर्मा चौक, पूजा टॉकीज, पुलिस लाइन आदि दुकानों में प्रत्येक दुकान से प्रतिदिन 80 हजार से सवा लाख रुपये के शराब की बिक्री होती है. प्रिंट दाम से 10 से 40 रुपये अधिक की वसूली के हिसाब से प्रतिदिन एक दुकान से पांच से दस हजार की अवैध वसूली की जा रही है. इस अवैध कमाई में सेल्स मेन समेत कई हिस्सेदार हैं.

ब्रांड	प्रिंट रेट-	बिक रहा
नम्बर वन		170- 180
इम्पीरियल ब्लू		170- 180
बी 7		190- 200
रॉयल चैलेंज		190- 200
रॉयल स्टैग		190-200
बियर (बोतल)		180- 190
बियर (केन)		140- 150

इन नंबरों पर कर सकते हैं शिकायत

शराब की सरकारी दुकानों में कीमत से अधिक वसूली की शिकायत के लिए विभाग की तरफ से पांच टॉल फ्री नंबर दिए गए हैं. इन नंबरों पर शिकायत की जा सकती है. शिकायत के बाद इनके खिलाफ विभाग कार्रवाई करेगा.

1. 8825384854
2. 7677534156
3. 9576178436
4. 8092483001
5. 9807162806

निरसा अनुमंडल : बेखौफ हो रही प्रिंट रेट से अधिक वसूली

निरसा। :धनबाद जिला के निरसा अनुमंडल क्षेत्र में सरकारी शराब दुकानदार दिन दहाड़े लोगों की जेब काट रही है. सरकारी दुकानों में अंग्रेजी शराब सरकारी प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर बेची जा रही है. निरसा, मैथन, चिरकुंडा, पंचेत क्षेत्र के सभी सरकारी शराब दुकानों में यह खेल चल रहा है. कभी कभार प्रिंट रेट से अधिक मूल्य पर कीमत लेने के कारण ग्राहक और दुकानदारों में तू-तू, मैं-मैं भी हो जाती है. कुछ ही दिन पहले कुमारधुबी के एक सरकारी शराब दुकान में ग्राहक अधिक मूल्य लेने पर मारपीट की नौबत आ गयी थी. प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ था. अंग्रेजी शराब के एक फाइल बोतल पर 40 से 50 रुपये अवैध जबरन वसूली की जा रही है. वहीं बियर लेने पर 20 रुपये अधिक लिया जाता है. चिरकुंडा, पंचेत और मैथन स्थित सरकारी शराब दुकान पर गया तो स्थिति चौंकाने वाली मिली. यहां ग्राहकों से सरकारी प्रिंट रेट से अधिक पर शराब और बियर बेची जा रही थी. पूछे जाने पर कहा गया कि यह ऊपर से आदेश है. इस कारण अधिक रेट लिया जाता है. वहीं दुकानों में यह भी देखा गया कि सीधे-साधे व बिना पढ़े लिखे किस्म के लोगों से 50 से 60 रुपये अधिक लिया जाता है. जब हमने ग्राहकों से पूछा तो उनका कहना है कि क्या करे जब सरकार और जिला प्रशासन ही चुप है, कोई कार्यवाई नहीं करती है तो आम लोग क्या करें. कोई एक्शन नही लेती है. ग्राहकों का कहना है कि बगल में ही पश्चिम बंगाल है बांगला में प्रिंट रेट ओर ही शराब मिलती है, लेकिन झारखंड में लूट मची है.मजेदार बात यह है कि दुकानों में शराब की लेनदेन ऑनलाइन नहीं बल्कि नगद लिया जाता है. लोगों का मानना है कि ऑनलाइन पेमेंट करने से दुकानदार मनमानी रेट नहीं वसूल पायेगा. इसलिए दुकानदार ग्राहक से नगद पैसा वसूलते हैं.

टीम निगरानी करती है : झामन कुजूर

उत्पाद इंस्पेक्टर झामन कुजूर ने कहा कि ओवर प्राइस की शिकायत पर टीम निगरानी रखती है. इस बात की शिकायत पाकर भौंरा से एक सेल्स मेन को जेल भेजा गया है. उनका कहना है कि शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई होती है, इसके बाद भी कोई भी ग्राहक टॉल फ्री नंबर पर भी शिकायत कर सकता है.

कॉन्ट्रैक्टर फारुक के सेल्समैन को खुली छूट

जिले के शराब दुकानों में निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर शहर के पूजा टाकीज मोड़, रांगाटाड़ ,पुराना बाजार ,मेमको मोड़ आदि जगहों पर शुभम संदेश की टीम ने कई जानकारी ली. इस दौरान मौके पर मिले ग्राहकों ने प्राइस रेट से अधिक मूल्य में शराब बिक्री की बात कही. मालूम हो कि शराब दुकानों के सेल्स मेन बेखौफ होकर अधिक कीमत वसूलते हैं. इनमें निजी कांट्रेक्टर उमर फारुक के सेल्समैन पूरी आजादी के साथ ये काम कर रहे हैं. उमर फारुक को दुकानों में मैन पावर सप्लाई की जिम्मेवारी है. सेल्समैन की गतिविधियों पर नजर रखने का भी उनकी एजेंसी के जिम्मे है, लेकिन इसकी एजेंसी इसी बात का फायदा उठा रही है.

अनियंत्रित पिकअप वैन कतरी नदी पुल से नीचे गिरी

एक की मौत, चार घायल

संवाददाता । कतरास

रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत कुम्हार पट्टी के समीप स्थित कतरी नदी पुल से एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई. घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि एक व्यक्ति की मौत होने के बाद कही जा रही है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ड्राइवर शराब के नशे में धुत था तथा पंजाबी मोहल्ला से केशलपुर कुम्हार पट्टी की ओर जा रहा था. इसी दौरान कुम्हार पट्टी के समीप स्थित नई पुल से गाड़ी नीचे गिर गई. स्थानीय लोगों की मदद से आनन फानन में गाड़ी को निकाला गया. वहीं वाहन में सवार 5 लोग घटना में घायल हो गए.आनन फानन में घायलों को स्थानीय नर्सिंग होम ले जाया गया जहां घायलों का ईलाज किया जा रहा है.जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को धनबाद रेफर कर दिया गया जहां उसकी मौत होने की बात कही जा रही है. मामले को लेकर रामकनाली थाना प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी. हालांकि घटनास्थल पहुंचने से पहले ही गाड़ी को पुल से उठा लिया गया था. घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया था. उन्होंने बताया कि घटना में घायल एक व्यक्ति की मौत हो जाने की सूचना मिल रही है जबकि चार घायलों का इलाज चल रहा है. घायल लोगों का स्टेटमेंट लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी.

बीसीसीएल कर्मी ने की आत्महत्या

पत्नी से विवाद के चलते खुदकुशी की आशंका

संवाददाता । कतरास

रामकनाली ओपी इलाके के केशलपुर श्रमिक कॉलोनी निवासी एक बीसीसीएल कर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक का का नाम 47 वर्षीय शिवनाथ महतो उर्फ पानू है. वह मोदीडीह कोलियरी में फिटर के पद पर कार्यरत था. खबर पाकर रामकनाली ओपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और लोगों से पूछताछ कर शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना बुधवार अहले सुबह की है. मृतक की बड़ी बेटी सुबह चार बजे नींद से जगी तो फंदे से लटकता अपने पिता का शव देखा. आनन-फानन में उसने अपने पड़ोसियों को मामले की जानकारी दी. पड़ोसियों ने उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी. इसी बीच घटना की खबर पाकर रामकनाली ओपी पुलिस और स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि गणेश महतो घटनास्थल पर पहुंचे तथा छानबीन की. मृतक अपने पीछे दो बेटी, एक पुत्र और पत्नी को छोड़ गया है. खुदकुशी का वजह पत्नी से विवाद बताया जा रहा है. उसकी पत्नी कई दिनों से पति के साथ नहीं रह रही थी. घटना को लेकर ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि मृतक के बच्चों से जानकारी लेने पर पता चला कि पति-पत्नी के बीच कुछ दिनों से विवाद चल रहा था. मामले की तहकीकात की जा रही है. फिलहाल यूडी केस दर्ज कर लिया गया है.

पूर्व कर्मियों का बकाया वेतन भुगतान की मांग को ले धरना

संवाददाता । तेतुलमारी

बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र संख्या-5 अंतर्गत बांसजोड़ा में संचालित साकार मास आउटसोर्सिंग कंपनी के कर्मियों ने एक वर्ष का बकाया वेतन भुगतान और नियोजन की मांग को लेकर गुरुवार को सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के समीप विरोध प्रदर्शन करने के बाद एक दिवसीय धरना दिया. इस दौरान कर्मियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की. धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे गोवर्धन महतो ने कहा कि साकार मास आउटसोर्सिंग में तीन वर्ष पूर्व हमलोग काम किया करते थे, लेकिन प्रबंधन ने एक वर्ष का वेतन का भुगतान अब तक नहीं किया है. इसके अलावा हम लोगों को कार्य से भी हटा दिया है. काम मांगने जाने पर धमकी दी जाती है. कर्मियों ने शीघ्र समस्या का समाधान नहीं होने पर अनिश्चितकालीन धरना की चेतावनी दी है. धरना शुरू होने के करीब एक घंटा बाद क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक निलेश जोशी से मांगों को लेकर लिखित आश्वासन मिलने के बाद आंदोलन समाप्त हो गया. मौके पर गुड्डू पासवान, महादेव महतो, अमरजीत पासवान,शिविर सिंह, अमर कुमार साव, लालू अंसारी, जय सिंह, विनोद सिंह, दीपक रवानी समेत अन्य कर्मी शामिल थे.

पंसस की बैठक में अबुआ आवास नल - जल योजना के उठे मुद्दे

संवाददाता । तोपचांची

तोपचांची प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को पंचायत समिति सदस्यों (पंसस) की मासिक बैठक में अबुआ आवास व जल नल योजना के मुद्दे उठाए गए. इसके अलावा बैठक में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों की समस्यायों को भी उठाया गया. प्रखंड प्रमुख आंनद महतो ने कहा कि बैठक के दौरान अबुआ आवास व जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के लंबित मामले को उठाया गया. बैठक में प्रखंड अधिकारियों से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के लंबित आवेदन जल्द से जल्द निष्पादन करने को कहा गया. प्रखंड प्रमुख ने कहा कि जनता को जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र के नाम पर गुमराह करना बंद होना चाहिए. प्रखंड कार्यालय में बिचौलिया हावी है. बिचौलिया को प्रखंड कार्यालय परिसर में घुसने पर रोक लगना चाहिए. बैठक में अबुआ आवास योजना में हो रही गड़बड़ी को लेकर सदस्यों ने आवाज उठाई. इसके अलावा हर घर नल जल योजना को लेकर मिल रही शिकायतों पर भी आवाज उठाई गई. सदस्यों का कहना था कि शिकायत मिल रही है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है. प्रखंड प्रमुख आंनद महतो ने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान प्रखंड कार्यालय में जल्द से जल्द किया जाना चाहिए. मौके पर प्रखंड कार्यालय के अधिकारी व विभिन्न पंचायतों के पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे.

कार के धक्के से बाइक सवार महिला घायल

संवाददाता । तेतुलमारी

तेतुलमारी के शक्ति चौक के समीप बुधवार की देर रात कार के धक्के से बाइक सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी. आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने महिला को उठाकर इलाज के लिए कतरास स्थित एक नर्सिंग होम में भेजा. वहीं घटना के बाद कार चालक अपनी कार को लेकर भाग निकला. स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला शादी समारोह में भाग लेकर बाइक से अपने घर वापस लौट रही थी. शक्ति चौक के समीप विपरीत दिशा से आ रही कार ने ठोकर मार दी, जिससे वह बाइक से नीचे गिर पड़ी. घटना के बाद लोगों ने कार का पीछा किया, लेकिन पकड़ में नहीं आया. वहीं कुछ लोगों का कहना है कि कार की पहचान कर ली गई है.

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

संवाददाता । तोपचांची

शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में महुर्रम मनाने को लेकर तोपचांची थाना परिसर में गुरुवार को शांति समिति की बैठक हुई. तोपचांची इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में बीडीओ फणीश्वर रजवार, अंचल अधिकारी डॉ संजय सिंह, तोपचांची प्रमुख आनंद महतो, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी समेत विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोग उपस्थित थे.

समस्या अंचल कार्यालय धनबाद का हाल : सीओ से मिलने पहुंचे लोग लौटे बैरंग

6 महीने में नहीं बना जाति प्रमाण पत्र, बच्चे का नामांकन बाधित

फरियादी नंबर-1

संवाददाता । रनजीत सिंह

धनबाद नावाडीह की रहने वाली बुधनी हेंब्रम अपने बच्चे सूरज की जाति प्रमाण पत्र के लिए 6 महीने से लगातार धनबाद अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रही है. सूरज का जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने से आठवीं क्लास में नामांकन नहीं हो पा रहा है. स्कूल में नामांकन नहीं होने से सूरज का भविष्य अधर में लटक गया है, इससे सूरज की मां बुधनी हेम्ब्रम काफी चिंतित है.बुधनी हेम्ब्रम ने बताया कि सूरज के लिए जाति-आवासीय के लिए आवेदन 6 महीना पूर्व घर के समीप साइबर कैफे में जमा की थी. जिसमें आवासीय तो बन गया पर आज तक जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है. जाति के संबंध में जब ब्लॉक आती हूँ तो कोई जानकारी देने वाला नहीं मिलता है. 6 महीने से जाति को लेकर काफी परेशान हूं.लगातार अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रही हूं पर कोई हल नहीं निकल रहा है. अब तक क्यों नहीं बन पाया इसकी कोई जानकारी दे रहा है. जब तक जाति नहीं बनेगा बच्चे का नामांकन नहीं होगा.

महीने में दो दिन भी इमानदारी से बैठें अधिकारी

पांडरपाला निवासी महमद आलम जमीन को ऑन लाइन कराने के लिए दो साल से दौड़ रहे हैं. पूछने पर पीड़ा बताते हुए कहते हैं कि दो साल की दौड़ लगा चुके हैं, इसके बाद भी अभी तक इस बात का यकीन नहीं है कि और कितने दिनों तक यहां दौड़ना होगा. उन्होंने बताया कि पहले तो कार्यालय से उनकी जमीन को ऑन लाइन करने के लिए दी गई फाइल ही गायब हो गई. छह महीने बाद इस बात की खबर उन्हें हुई तो फिर से सारे पेपर दिए गए. अब इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि अधिकारी व कर्मचारी के बैठने का कोई टाइम टेबल नहीं है. अक्सर ये गायब हो जाते हैं. महीने में यदि दो दिन भी बैठ जाएं और लोगों को सटिक पता हो कि आज साहब आएंगे, तो वाकई बहुत सकून मिलेगा. क्योंकि यहां आने के बाद, इंतजार करने के बाद पता चलता है कि आज साहब नहीं आएंगे, आज कर्मचारी नहीं आएंगे तो बेहद तकलीफ होती है.

फरियादी नंबर-2

एक साल में नहीं हो पाया ऑन लाइन सुधार

मनईटांड की गीता देवी ने बताया कि जमीन के पेपर में ऑन लाइन गड़बड़ी हो गई थी. ये गलती भी कार्यालय द्वारा की गई थी. इसमें सुधार कराने के लिए पिछले एक साल से दौड़ लगा रहे हैं. जमीन के पेपर में जहां नंबर होता है वहां पर शून्य शून्य अंकित हो गया है. बस इतनी सी बात है लेकिन साल भर में भी यह सुधार नहीं हो पाया है. कभी कर्मचारी नहीं रहते हैं तो कभी और कोई काम रहता है. यहां आने पर हर दिन पचास से सौ रुपये का खर्च गिरता है, समय अलग से मरता है. लेकिन क्या करें, काम कराना है, यह करना ही होगा. उम्मीद यह रहती है आज काम हो जाएगा, लेकिन हर बार मायूस होकर घर लौटते हैं.

कोर्ट नोटिस

न्यायालय श्री विवेक राज न्यायिक दण्डाधिकारी सह सिविल जज (कनीय कोटि) धनबाद
स्वत्व वाद सं0- 66/2008
टाटा स्टील लिमिटेड ...वादी
बनाम्
मथुरा हाड़ी ... प्रतिवादी

श्री मथुरा हाड़ी, पिता- बाल्मिकी हाड़ी, निवासी- जामाडोबा, नियर 6 एवं 7 कोलियरी, पोस्ट-भागा, थाना-जोरापोखर, जिला- धनबाद (झारखंड) एतद द्वारा आपको को सूचित किया जाता है कि, वादी ने उपरोक्त वाद मेरे न्यायालय में आपके विरूद्ध दायर किये हैं. आपको कोर्ट के प्यादा (नजारत) एवं निबंधित डाक के द्वारा सम्मन भेजा जा चुका है, इसके बावजूद आप न्यायालय में नहीं हो रहे हैं।

अतः इस प्रकाशन के माध्यम से आपको को सूचित किया जाता है कि, वाद की अगली निर्धारित तिथि दिनांक 18.07.24 समय 10.30 अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने बचाव में पक्ष रखें अन्यथा आपके अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई प्रारम्भ कर दी जाएगी।

इसे अति आवश्यक समझे। आज दिनांक- 25.01.24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से अग्रसारित।

न्यायालय सिविल जज (कनीय कोटि), धनबाद

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in धनबाद, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 94 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

पीड़िता को मिला डालसा का सहारा

धनबाद। सड़क दुर्घटना में मारे गए युवक पति के मुआवजा के लिए दर-दर भटक रहे महिला को आज डालसा का सहारा मिला.दो छोटे-छोटे बच्चों की मां रूबी देवी के पति की मौत वर्ष 22 मे गोविंदपुर रोड में हो गई थी. मौत के बाद से ही उसकी पत्नी रूबी देवी छोटे बच्चों को लेकर सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाते थक गई थी,परंतु उसे मुआवजा नहीं मिला था. गुरुवार को पारा लीगल वालंटियर चंदन कुमार से रूबी ने अपनी मुसीबतें बताई. चंदन ने मामले को अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सामने रखा.

नीरज हत्याकांड : संजीव का आवेदन खारिज

धनबाद। अपने चचेरे भाई नीरज सिंह की हत्या के आरोप में बीते 8 वर्षों से जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह के आवेदन पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत ने आदेश पारित करते हुए आवेदन को खारिज कर दिया है.संजीव सिंह ने आवेदन देकर कांड के सूचक अभिषेक सिंह, एकलव्य सिंह,चश्मदीद निखिलेश सिंह ,अनिल सिंह का 21 मार्च 17 का मोबाइल टावर लोकेशन, सीडीआर ,कंज्यूमर एप्लीकेशन फॉर्म के साथ मोबाइल कंपनी के नोडल अधिकारी को गवाही के लिए बुलाने की गुहार लगाई थी. सुनवाई के दौरान आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया था.

अवैध महुआ शराब बेचते एक गिरफ्तार

झरिया। तीसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर गोल्डन पहाड़ी बजरंगबली मंदिर के समीप से गणेश मल्ला को अवैध शराब बेचते गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. उसके पास से 15 लीटर अवैध महुआ का शराब जप्त किया गया1 थाना प्रभारी को सूचना मिली थी कि गोल्डन पहाड़ी इलाके में शराब की बिक्री हो रही है. इसके बाद थाना प्रभारी ने एक टीम गठित कर छापामारी की. फिर उसे पकड़ लिया. आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है. थाना प्रभारी ने बताया कि किसी भी कीमत पर अवैध शराब की बिक्री क्षेत्र में नहीं होने देगे. इसके पूर्व अवैध लॉटरी एवं मोटरसाइकिल चोर को भी थाना प्रभारी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है.

टुंडी में शांति समिति की बैठक

टुंडी। टुंडी थाना में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक थानेदार असीम कमल टोपनो की अध्यक्षता में की गई. बैठक में डीएसपी संदीप गुप्ता और बीडीओ शैलेन्द्र चौरसिया मुख्य रूप से उपस्थित थे. शांति समिति की बैठक में छाया रहा दक्षिणी टुंडी के कदईया में मुहर्रम जुलूस के रूट का मुद्दा छाया रहा. एक पक्ष किसी भी कीमत में गांव के रास्ते जुलूस निकलने का विरोध कर रहा था,वहीं दूसरा पक्ष का कहना था कि वर्षो से उसी रूट पर ताजिया जुलूस निकाला जाता रहा है.

वारदात : जमीन विवाद में सांसद के खिलाफ गवाही देकर लौटने पर खेत में चला बुलडोजर

सांसद के खिलाफ गवाही देने पर जानलेवा हमला

- परिवार वालों को लाठी-डंडे से पीटकर किया जख्मी, अस्पताल में चल रहा इलाज
- चिटाही रामराज मंदिर में पुराना है जमीन विवाद, इससे जुड़े विवाद में थी गवाही

संवाददाता। बरोरा

बरोरा थाना क्षेत्र के चिटाही बस्ती में जमीन विवाद को लेकर डोमन महतो द्वारा कोर्ट में गवाही देने से नाराज धनबाद सांसद दुल्लू महतो के समर्थकों ने डोमन की पत्नी नीरा देवी सहित पुत्री को दौड़ा-दौड़ाकर लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया. किसी तरह लोगों के हस्तक्षेप के बाद दोनों की जान बच सकी.परिजनों के सहयोग से अचेत अवस्था में गंभीर रूप से घायल नीरा देनी व उनकी पुत्री बरोरा थाना लाया गया.घायल नीरा देवी के पुत्र ने बताया कि धनबाद सांसद दुल्लू महतो के समर्थक अजय महतो सहित आठ दस लोगों ने उन लोगों के साथ मारपीट की है और उनके खेत में बुलडोजर चलवा दिया है.

नीरा देवी ने बताया कि रामराज मन्दिर चिटाही धाम में उनकी रैयती जमीन को सांसद हड़पना चाह रहे हैं. उक्त जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है. सांसद किसी भी सूरत में उक्त जमीन को हड़पने का प्रयास में लगे हैं. जमीन को लेकर सांसद के इशारे पर हमलोगों को बहुत तरह से प्रताड़ित किया गया है. जमीन विवाद को लेकर 2019 में मुकदमा दर्ज किया गया था. उक्त मुकदमे में आज गवाही थी, करीब एक महीने से सांसद व उसके समर्थक गवाही नहीं देने का लगातार दबाव बना रहे थे. लेकिन मेरे पति व देवर गवाही देने के लिए कोर्ट गए थे.रे पति तथा देवर के को पहुंचाने की जानकारी सांसद को मिलते ही वह आग बबूला हो गए, सांसद ने अपने समर्थकों को भेज कर दोपहर में रामराज मन्दिर गेस्ट हाउस के पीछे उनकी सब्जी का खेत को डोजर से पूरी तरह तहस नहस कर दिया गया. इसका विरोध करने पर सांसद के समर्थकों ने उन्हें लाठी-डंडे से दौड़ा दौड़ा कर जान मारपीट की. किसी तरह लोगों के सहयोग से वे लोग जान बचाकर वहां से भाग निकले. पुत्री व गोतनी तथा देवर के साथ बरोरा थाना बरोरा थाना पहुंचे. इधर पुलिस ने नीरा को तत्काल ईलाज के लिए बाघमारा सीएचसी भेजा.

धनबाद एसएनएमएम अस्पताल रेफर कर दिया. इधर सामाचार लिखे जाने तक पुलिस को लिखित शिकायत नहीं मिली है. सांसद समर्थक अजय महतो ने कहा नीरा देवी ने जो आरोप लगा रही है, वो गलत है, बेवजह मारपीट का आरोप लगा रही है. जानबूझ को सांसद को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है.

घटना में चार महिलाएं घायल

मारपीट की इस वारदात में नीरा देवी, रजनी देवी, ऊषा कुमारी, कुंती देवी जख्मी हुई हैं. गंभीर रूप से जख्मी नीरा को बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया गया, जबकि रजनी, ऊषा तथा कुंती का इलाज सीएचसी बाघमारा में कराया गया.

कांग्रेस नेत्री अनुपमा व जिलाध्यक्ष संतोष सिंह पहुंचे अस्पताल

वारदात की खबर पाकर धनबाद जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह व कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह एसएनएमएमसीएच अस्पताल पहुंच कर घायलों का हाल-चाल जाना. जिलाध्यक्ष ने कहा धनबाद का पुलिस प्रशासन आखिर कर क्या रहा है. पीड़ितों की तरफ से उन्होंने जिला पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग रखी है. कहा है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए.

हाइवा लूट-जानलेवा हमला के मामले में हुई गवाही

- ढुल्लू महतो नहीं हुए हाजिर

धनबाद : किरण महतो के हाईवा व टीपर लूट और डोमन महतो पर जानलेवा हमला करने के मुकदमे की सुनवाई गुरुवार को अदालत में हुई .इस दौरान ढुल्लू हाजिर नहीं थे. धनबाद के एमपी-एमएलए के विशेष न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत ने गवाह डोमन महतो का बयान दर्ज हुआ .तकनीकी वजह से गुरुवार को उनकी गवाही पूरी नहीं हो सकी. हाईवा लूट के मामले में गवाह किरण देवी का बयान दर्ज हुआ. जिसने घटना के विषय में जानकारी होने से इनकार किया. अदालत ने दोनों मामलों में अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश दिया है.

ये है मामला किरण महतो की शिकायत पर 15 फरवरी 2020 को केदार यादव, रियाज अंसारी, सोनू शर्मा, राजू शर्मा ,बॉबी खान एवं अमजद खान के विरुद्ध लूट, मारपीट व आर्म्स एक्ट के धाराओं में केस दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 15 फरवरी 2020 को उसका 4 हाईवा व टीपर केशरगढ साइडिंग में चल रहा था. इसी बीच किरण को सूचना मिली कि ढुल्लू समर्थक उपरोक्त सभी लोग उनके हाईवा मशीन लूट कर ले जा रहे हैं. किरण ने आरोप लगाया है कि सुभाष महतो के साथ मारपीट कर उसके पॉकेट से 2500 ले लिया गया. सोनू शर्मा व बॉबी ने धमकी दी कि तुम्हारे मालिक किरण को घुसकर घर में मारे हैं. नेतागिरी करेगा तो गाड़ी में आग लगा देंगे. किरण की शिकायत पर कतरास थाने में 15 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई थी. वहीं डोमन महतो की शिकायत पर 29 अप्रैल 19 को प्राथमिकी विधायक ढुल्लू महतो, अजय गोराई, बूढ़ा राय, कृष्णा रविदास उर्फ विनय रविदास एवं बिट्टू सिंह के विरुद्ध गाली गलौज व जानलेवा हमला का आरोप लगाते हुए दर्ज की गई थी.

धनबाद में सीए की फाइनल परीक्षा में 76 हुए कामयाब

संवाददाता। धनबाद

इंडियन इंस्टीच्यूट आफ चार्टेड अकाउंटेंट की मई में हुई परीक्षा का परिणाम गुरुवार को घोषित हुआ है. धनबाद में इस बार सीए की परीक्षा में 76 छात्रों ने कामयाबी पाई है. रिकार्ड तोड़ कामयाबी से इन बच्चों के अलावा इनके माता-पिता के साथ-साथ सीए की तैयारियों में जुटे छात्रों में जोश की लहर दोड़ पड़ी है. इस बार की परीक्षा में 194 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे. इनमें 76 कामयाब हुए. धनबाद में सबसे अधिक अंक गौरव अग्रवाल ने प्राप्त किया है. दूसरे नंबर पर प्रथम कुमार गायेल, तीसरे नंबर पर समरजीत सिंह कालरा, चौथे में प्रियांशु अग्रवाल और पांचवां स्थान साक्षी कुमारी ने हासिल किया है. वहीं सीए इंटर की परीक्षा में धनबाद के 213 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे. इनमें 57 छात्र पास हुए हैं. आइसीएआई की धनबाद शाखा ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं.

गौरव अग्रवाल
रैंक - 1

प्रथम कुमार गायेल
रैंक - 2

समरजीत सिंह कालरा
रैंक - 3

प्रियांशु अग्रवाल
रैंक - 4

साक्षी कुमारी
रैंक - 5

वैभव के सीए बनने पर खुशी

गोविंदपुर। गोविंदपुर निवासी वैभव सरिया ने सीए फाइनल की परीक्षा में सफलता हासिल की है. वह लायंस क्लब के पूर्व जिलापाल आरपी सरिया व मंजू सरिया के पौत्र तथा लायन सतीश सरिया एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सचिव विजया सरिया के पुत्र हैं. वैभव की बहन विधि सरिया ने भी सिंबोसिस बेंगलुरु से एमबीए में सफलता पाई है. इस सफलता पर मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं लायंस क्लब के सदस्यों ने बधाई दी है.

हीरापुर में चला निगम का बुलडोजर

- हटाई गई एक दर्जन दुकानें

धनबाद। हीरापुर से चिरागोड़ा सड़क किनारे बने कच्चे अवैध निर्माण पर नगर निगम का बुलडोजर गुरुवार को भी चला. जिससे पूरी सड़क अतिक्रमण मुक्त हो गई और सड़क की चौड़ाई करीब छह फीट ज्यादा बढ़ गई है. मालूम हो कि नगर निगम द्वारा लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में मंगलवार को भी उक्त जगह से कई दुकानों को हटाया गया था. हीरापुर चिरागोड़ा सड़क पर जाम लगने की समस्या बराबर बनी रहती है. नगर आयुक्त रविराज शर्मा के निर्देश ओर सड़क किनारे बसे करीब एक दर्जन से ज्यादा कच्चे दुकानों को हटा दिया गया है. अतिक्रमण हटाने के दौरान निगम के इंफोर्समेंट टीम को हल्का विरोध भी झेलना पड़ा. फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि नगर आयुक्त के आदेश पर लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा. सड़क किनारे लगने वाले दुकानदारों को वेंडिंग जोन में बसने को कहा जा रहा है. जिससे सड़क अतिक्रमण मुक्त हो और यातायात सुगम हो सके.

गोड्डा : इंटर की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

खास बातें

- कोचिंग सेंटर से स्कूटी पर बिठाकर ले गए थे दो युवक
- नशीला पदार्थ सुंघाकर किया दुष्कर्म

संवाददाता। गोड्डा

हॉस्टल में रहकर बारहवीं की पढ़ाई कर रही छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना ने एक बार फिर से लड़कियों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा कर दिया है. घटना नगर थाना अंतर्गत सरकंडा स्थित मॉल के पीछे एक अर्धनिर्मित मकान में घटी है. ग्रामीण परिवेश से आने वाली छात्रा शहर के एक हॉस्टल में रहकर इंटर की पढ़ाई कर रही थी. पीड़ित छात्रा की माताजी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार बीती संध्या ट्यूशन पढ़ने के लिए उनकी बेटी कोचिंग सेंटर गई हुई थी. वहीं से दो लड़का उनकी बेटी को स्कूटी पर बिठाकर सरकंडा के उक्त मकान में ले आया. जहां पहले से एक और लड़का मौजूद था. छात्रा के आने के साथ ही उसे कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया गया, जिससे लड़की बेहोश हो गई और तीन युवकों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. इस बीच किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दिया, मौके पर पुलिस पहुंची तो लड़की को बेहोशी की हालत में बरामद कर लिया. इससे पूर्व तीनों आरोपी युवक फरार हो चुके थे. पुलिस ने घटनास्थल से पेंट, चप्पल, बोतल, खटिया सहित अन्य सामानों को जब्त किया है. पीड़िता की मां के बयान पर पुलिस ने तीनों दुष्कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए पीड़िता का मेडिकल जांच भी करवा दिया है. घटना के बाद से ही तीनों युवक फरार चल रहे हैं. सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार सभी संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है.

धनबाद के 2.31 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी 200 यूनिट मुफ्त बिजली

- उपभोक्ताओं को मिलेगी 20.22 करोड़ की सब्सिडी

संवाददाता। धनबाद

झारखंड के ज्यादातर बिजली उपभोक्ता अब बिजली सब्सिडी के तहत 200 यूनिट तक मिलने वाली मुफ्त बिजली के दायरे में आएंगे. इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को पहला बिल अगस्त माह में मिलेगा. जुलाई माह से इसे प्रभावी कर दिया गया है.

धनबाद जिले के दो लाख 31 हजार 377 उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा. जिसके लिए 20 करोड़ 22 लाख रुपये सब्सिडी की मंजूरी मिल गई है. मालूम हो कि धनबाद में कुल उपभोक्ता दो लाख 94 हजार 463 है. मार्च महीने के अनुसार दो लाख 31 हजार 727 उपभोक्ताओं की बिलिंग हुई. जिसमें एक लाख 83 हजार 313 उपभोक्ता मुफ्त बिजली योजना के दायरे में आए.मार्च महीने में हुए बिलिंग के अनुसार 16 करोड़ एक लाख रुपए की सब्सिडी का बोझ सरकार पर पड़ा है. ऊर्जा विभाग ने इस संबंध में संकल्प जारी कर दिया है. इसपर राज्य सरकार के खजाने पर हर माह 344.36 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा. पूर्व में मिलने वाली 125 यूनिट फ्री बिजली योजना को बढ़ाकर राज्य सरकार ने 200 यूनिट किया है. हाल ही में इसे मंत्रिपरिषद की स्वीकृति दी गई थी.

धनबाद रेल मंडल के रनिंग रूम हुए आधुनिक

धनबाद। धनबाद रेलवे के रनिंग रूम को भी आधुनिक रूम बनाया गया. गुरुवार को धनबाद रेल मंडल के वरीय अधिकारियों ने इस बाबत जानकारी दी. इस दौरान रेल मंडल के सीनियर डीओपी संजीव कुमार ने जानकारी देते हुआ कहा कि धनबाद रेल मंडल में कुल 24 रनिंग रूम बना हुआ है.उन्होंने कहा कि सभी रनिंग रूम में लोको पायलट और रेलवे स्टाफ के लिए एसी रेस्ट रूम,उत्तम खाने पीने का व्यवस्था के साथ बेहतर वाश रूम बना हुआ है.

तेज धारा में बहकर बच्ची की मौत

- मां के साथ ढिबरा चुनने गई थी बच्ची, मां के साथ नाले में बही, बच गई मां
- ढिबरा चुनकर लौटने के क्रम में तेज बारिश होने से नाला पार करने के दौरान हुई घटना

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

ढ़िबरा चुनकर आ रही नाबालिग बच्ची और एक महिला नाला पार करने के दौरान तेज पानी के धार में फंसकर बह गई. जिसमें महिला तो बच के निकल गई लेकिन मासूम बच्ची की मौत हो गई. मृत बच्ची डुमरझारा निवासी नागेश्वर भुला की 12 वर्षीय पुत्री नीतू कुमारी बताई जा रही है.

मामला गिरिडीह जिले के गांवा प्रखंड अंतर्गत डुमरझारा जंगल का है. मिली जानकारी के अनुसार उक्त बच्ची ढ़िबरा चुनने गई थी, तभी तेज बारिश होने लगी . इसी दौरान बच्ची और एक महिला वापस लौट रही थी. रास्ते में एक नाले को पार करने के दौरान बारिश का पानी तेजी से नाले में उतरने लगा. नाले में अचानक आए इस बाढ़ में उक्त महिला और नाबालिग दोनों बह गए. इस घटना में महिला ने तो जैसे-तैसे कर अपनी जान बचा ली, लेकिन नाबालिग बच्ची की मौत हो गई. हालांकि पानी से निकलने के कुछ देर बाद तक उसकी हल्की सांसे चलने की बात कही जा रही थी.

बताते चलें कि अब भी तिसरी-गांवा क्षेत्र में काफ़ी संख्या में नाबालिग बच्चे ढ़िबरा चुनने का कार्य करते हैं. इसपर अंकुश लगाने का दावा करने वाली तमाम संस्थाएं विफल साबित हो रही है. समाचार लिखे जाने तक इस घटना की जानकारी तिसरी थाना की पुलिस को नहीं है.

आक्रोश सिजुआ के मोदीडीह कोलियरी में संचालित हिलटाप आउटसोर्सिंग की वारदात

ब्लास्टिंग के लिए हो रही ड्रिल का विरोध, महिलाओं ने किया हंगामा

- एक महिला हुई बेहोश, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता। कतरास

सिजुआ क्षेत्र के मोदीडीह कोलियरी में संचालित हिलटाप आउटसोर्सिंग कंपनी के छह-दस पैच में ब्लास्टिंग का ड्रिल करने का विरोध करते हुए गुरुवार को स्थानीय महिलाओं ने पुनर्वास की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया. इस दौरान बिंदु देवी नामक महिला बेहोश हो गई.जिसके बाद महिलाएं उग्र हो गई .खबर पाकर जोगता पुलिस तथा सीआईएसएफ जवान मौके पर पहुंची और आक्रोशित महिलाओं को समझाने बुझाने का प्रयास किया.र वे लोग पुनर्वास की मांग पर डटी रही. बेहोश महिला को एंबुलेंस मंगाकर लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल भेजा जहां से उसे केंद्रीय अस्पताल धनबाद धनबाद भेज दिया गया. इधर महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया और ड्रिल मशीन को वापस ले जाने की मांग पर अड़ी रही.

प्रबंधन द्वारा ड्रिल मशीन हटवाने के बाद महिलाएं हटी. उनका कहना था कि बीसीसीएल प्रबंधन तथा आउटसोर्सिंग कंपनी के अधिकारी हमलोगों को जबरन हटाने को लेकर दबाव बना रही है. उनलोगों ने कहा कि हमलोगों शीघ्र तेतुलमारी में चिन्हित आवास में शिफ्ट कराया जाए. हम सभी वहां शिफ्ट कर जायेंगे. इधर प्रबंधन का कहना था कि कोल डंप स्थित आवास में शिफ्ट कराने का आश्वासन दिया गया है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि ब्लास्टिंग के लिए उक्त पैच में ड्रिल मशीन लगाया गया था. मोदीडीह छह दस मोहल्ले की महिलाएं विरोध पर उतर आई. उनका कहना था कि अगर मोहल्ले के बगल में ब्लास्टिंग होगा तो आवास में दरार पड़ जाती है. उनलोगों के अधिकतर आवास जर्जर हो चुके हैं, कभी अनहोनी हो सकती है. पहले हमलोगों को दूसरे जगह शिफ्ट कराया उसके बाद ही ब्लास्टिंग करने दी जाएगी.

इस बीच ड्रिल मशीन से निकलने वाले पत्थर के डस्ट के कारण वहां अफरातफरी मच गई. महिलाएं इधर उधर भागने लगी. जिससे बिंदु देवी नामक महिला बेहोश होकर मशीन के पास गिर गई. इधर उत्तेजित महिलाओं ने ड्रिलिंग स्थल की भराई शुरू कर दिया. प्रबंधक दशरथ सिंह, मिथलेश कुमार, पीएम मुकेश कुमार,सर्वे अधिकारी अभय सिंह, आदि मौजूद थे. महिलाओं में अनिता देवी, चंदा देवी, बसंती देवी, गुड़िया प्रवीण, पूजा कुमारी, रानी कुमारी, फूलमनिया देवी, गुड़िया कुमारी, कुंती देवी,लाली देवी, किरण कुमारी,उषा देवी दिबिया देवी आदि शामिल थी.

वेस्टीज कंपनी के सीईओ समेत 7 के खिलाफ वारंट

संवाददाता। धनबाद

वेस्टीज मार्केटिंग कंपनी के सीईओ गौतम बाली, कंपनी के निदेशक दीपक सूद, कनवर वीर सिंह , अनुकुल अग्रवाल, आलोक टंडन, आईटी ऑपरेशनल डायरेक्टर पवन मल्लिक व वेस्टीज कंपनी के विरुद्ध लंबित मुकदमे में सुनवाई करते हुए धनबाद के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने गिरफ्तारी का वारंट जारी किया है. सरिता के अधिवक्ता अमित सिन्हा, बादल पासवान , राहुल सिंह ने इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि डबल यूनिवर्सल क्राऊन डायरेक्टर के पद पर कार्यरत धैया निवासी सरीता राज गदमवार ने कंपनी के सीईओ गौतम बाली, कंपनी के निदेशक दीपक सूद, कनवर वीर सिंह , अनुकुल अग्रवाल, आलोक टंडन, आईटी ऑपरेशनल डायरेक्टर पवन मल्लिक व वेस्टीज कंपनी के विरुद्ध धोखाधड़ी कर ढाई करोड़ रुपए गबन करने का आरोप लगाते हुए धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजय कुमार सिंह की अदालत में मुकदमा शिकायत वाद संख्या 13127/22 दायर किया था. 23 मार्च 23 को अदालत ने सभी के विरुद्ध प्रथम दृष्टिया मामला सत्य पाते हुए संज्ञान लिया था और उन्हें हाजिर होने का आदेश दिया था.अधिवक्ता अमीत ने बताया कि आरोपियों ने उक्त आदेश को झारखंड उच्च न्यायालय में रीट आवेदन दायर कर चुनौती दी थी. झारखंड उच्च न्यायालय ने 2 मई 2024 को आरोपियों की रिट याचिका संख्या 301/23 खारिज कर दी थी.

छात्राओं ने लहराया परचम, चार्टर्ड अकाउंटेंट नगरी बनी रानीगंज

खास बातें

- इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने भी सफल उम्मीदवारों को दी बधाई

संवाददाता । रानीगंज

चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफल हुए रानीगंज के कई छात्र रानीगंज शहर में अभी तक 600 से ज्यादा की संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट बन चुके हैं एवं या शहर अब चार्टर्ड अकाउंटेंट की नगरी कहलाएगी. रानीगंज के विवेक मिश्रा अपनी मेहनत एवं लगन के बल पर चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफल हुए हैं उनका कहना है कि कड़ी मेहनत एवं माता-पिता के आशीर्वाद से ही उन्हें सफलता मिली है पढ़ाई के साथ-साथ व्यवसायी गोपी बरनवाल के यहां एकाउंट्स का काम भी करता था गोपी बरनवाल जी का सहयोग भी मेरे साथ पूरा रहा पढ़ाई के लिए कई दिनों तक मुझे लगातार छुट्टी देते रहें एवं मेरा सहयोग भी करते रहे. उनके पिता राजेश मिश्रा एवं माता ममता मिश्रा अपने पुत्र की उपलब्धि से काफी खुश है. एकाउंट्स का काम करने वाले मनीष अग्रवाल का पुत्र शिवम अग्रवाल चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफल हुआ है . शिवम ने बतलाया कि प्रतिदिन 10 घंटे की मेहनत करके सफलता हासिल हुई है उसकी मां अमृता अग्रवाल अपने पुत्र की उपलब्धि पर काफी खुश से एवं कहा कि बचपन से ही उसका पुत्र पढ़ाई में लगन रखता था. विवेक बगड़िया की पुत्री अभिलाषा बगड़िया ने भी चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता हासिल की है अभिलाषा ने बताया कि प्रतिदिन 8 से 10 घंटे पढ़ाई की है मेरी सफलता का श्रेय माता-पिता का आशीर्वाद है. कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से बड़े प्रतिष्ठान में काम करना चाहती है अभिलाषा ने बताया कि उसकी बहन भी डॉक्टर की पढ़ाई कर रही है. वही रानीगंज के शुभम तोदी एवं मोहित अग्रवाल भी चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता हासिल किए हैं दोनों सफल छात्र ने बताया कि कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से किसी बड़े प्रतिष्ठान में काम करेंगे. वहीं जमुरिया के समाजसेवी एवं उद्योगपति अजय खेतान का पुत्र शिवम खेतान भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनकर जमुरिया वासीयों का मान बढ़ाया है. शिवम ने बताया कि अपने पिता के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए व्यवसाय में कदम रखूंगा. वही जमुरिया के और एक छात्र आयुष खेतान भी चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफल हुए हैं. आयुष के पिता संजय खेतान एवं मां कविता खेतान ने कहा कि अपनी पुत्र की उपलब्धि पर नाज हैं. रानीगंज के संजय तोदी के पुत्र शुभम तोदी , रेखा देवी के पुत्र सागर कुमार बरनवाल, गुलाब जैन की पुत्री पूजा जैन, गजानन जोशी का पुत्र श्याम जोशी, अजीत साव की पुत्री दीपिका साव, सुरेश साव की पुत्री रिचा साव , गजानन जोशी का पुत्र श्याम जोशी, विवेक बगड़िया की पुत्री अभिलाषा बगड़िया मनोरमा साव के पुत्र सुरेश साव चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफल हुए हैं। वही हमेशा की तरह चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को सुरक्षा की तरफ से सम्मानित किया जाएगा सुरक्षा के अध्यक्ष दलजीत सिंह ने कहा कि इन विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता का हौसला अफजाई किया जाएगा इन्हें सम्मानित करके. वही रानीगंज से जुड़े हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के पूरे भारत के अध्यक्ष रंजीत अग्रवाल ने कहा कि रानीगंज जैसे इतने छोटे शहर में भारी संख्या में लड़के लड़कियां चार्टर्ड अकाउंटेंट बनकर पूरे भारत में अपना परचम लहरा रहे हैं. उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई संदेश दिया है.

ब्रीफ खबरें

44 नंबर वार्ड में जांच शिविर आयोजित

आसनसोल। आसनसोल नगर निगम के 44 नंबर वार्ड इलाके में गुरुवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें जरूरी दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई गईं. इस बारे में जानकारी देते हुए 44 नंबर वार्ड पार्षद और आसनसोल नगर निगम के चेयरमैन अमरनाथ चटर्जी ने बताया कि इस शिविर का आयोजन आसनसोल नगर निगम के आरसीएच विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था. अमरनाथ चटर्जी ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण करना था. इसके साथ ही उन्हें गर्भावस्था के दौरान आवश्यक दवाइयाँ भी प्रदान की गईं.

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

आसनसोल। आसनसोल के बड़े पोस्ट ऑफिस के महावीर स्थान मंदिर परिसर में, महावीर स्थान सेवा समिति द्वारा सावन महीने में 21 जुलाई से 15 अगस्त तक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया है. समिति के सचिव अरुण शर्मा ने इस बारे में जानकारी दी है. इस अवसर पर सुबह 8 बजे से रात्रि 9 बजे तक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन होगा. इसके अलावा, 17 अगस्त को शनिवार को सुबह 8 बजे से हवन और पूर्णाहुति का भी आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को धार्मिक और सामाजिक एकता को बढ़ाना और हनुमान जी की कृपा बरसाना है.

जर्जर पुल पर काम शुरू करने की घोषणा

आसनसोल। बीडीओ ने जर्जर पुल पर काम शुरू होने की बड़ी घोषणा की है. यह पुल छतना में महत्वपूर्ण स्थान रखता है और लोगों के लिए एक जोखिम भरा सफर का माध्यम भी है. बीडीओ ने बताया कि इस पुल के मरम्मत कार्य के लिए तैयारियाँ पूरी हो गई हैं और अगले हफ्ते से ही काम शुरू होगा. जर्जर पुल के काम का आयोजन उसकी स्थायी तैयारियों के आधार पर किया गया है. ताकि पुल के उपयोगकर्ताओं को आने वाले समय में किसी भी परेशानी से बचाया जा सके. इस घोषणा के बाद स्थानीय लोगों में आशा और उत्साह का माहौल बना हुआ है, जो इस काम के शीघ्र शुरू होने का समर्थन कर रहे हैं.

गर्ल्स स्कूल में जागरूकता शिविर

पुरुलिया । पुरुलिया के रघुनाथपुर शहर स्थित रघुनाथपुर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को दोपहर करीब दो बजे विज्ञान मंच के प्रबंधन में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुसंस्कारों को रोकने के लिए वैज्ञानिक चर्चा सहित विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक व्याख्याएं दी गईं. उस शिविर में स्कूली छात्रों को अंधविश्वास से बचने के लिए वैज्ञानिक चर्चाएं और स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए गए, साथ ही जागरूकता शिविर में सर्पदंश और उसके उपचार पर भी चर्चा की गई.मौके पर पुरुलिया जिला विज्ञान मंच के अध्यक्ष दीनबंधु गोस्वामी, सचिव डॉ. नयन मुखर्जी, रघुनाथपुर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल मौतुसी चंद्रा, रघुनाथपुर नगर पालिका हाई स्कूल के प्रिंसिपल आकाश मुखर्जी और अन्य लोग उपस्थित थे.

साइकिल स्टैंड बंद होने से लोग परेशान

बराकर। आसनसोल रेल मंडल के सीतारामपुर जंक्सन स्टेशन पर अचानक बिना सूचना के सीतारामपुर साईकिल स्टैंड को बंद कर दिया गया। इस संदर्भ में कुल्टी विधानसभा के मंडल उपाध्यक्ष सह समाज सेवी टिंकु वर्मा ने कहा सीतारामपुर मोटरसाइकिल साइकिल स्टैंड को लेकर रेलवे प्रसाशन के पास अंदुरुनी ख़बर थी साईकिल स्टैंड लेने वाले अंडाल निवाशी स्टैंड बंद करने पर विशेष ज़ोर दे रहा हैं, श्री वर्मा ने कहा स्टैंड लेते समय रेलवे प्रसाशन सिक्युरिटी मानी जमा लेता हैं ,रेलवे यात्रियों को बिना जानकारी में रेलवे स्टैंड को बंद करना मैं समझता हूँ स्टैंड लेने वाले जिन्होंने समय से पहले बंद किया हैं और आसनसोल रेल मंडल के डीआरएम पर यात्री असुविधा के मद्देनजर पूर्व रेलवे महाप्रबंधक को तत्काल कारवाई करना चाहिए.

बराकर बस स्टैंड में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

अवैध शराब बेचने वालों को दी चेतावनी

खास बातें

- सार्वजनिक स्थल पर अवैध तरीके से शराब बिक्री किया जाना बहुत ही शर्मनाक : ननि

संवाददाता । बराकर

आसनसोल नगर निगम की टीम गुरुवार को बराकर के बेगूनिया से लेकर बस स्टैंड तक अतिक्रमण कारियो को चेतावनी देने के लिए पहुंचे . इसी दौरान बस स्टैंड में अवैध तरीके से शराब बिक्री की सूचना पर सभी अधिकारी आग बबूला हो गए . मालूम हो कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद आसनसोल नगर निगम अतिक्रमण कारियो के विरुद्ध कड़ा रुख अपना रही है . इसी क्रम में निगम के अलग-अलग बाजारों में जाकर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है . इसी दौरान नगर निगम की टीम बराकर पहुंची और उन्होंने अतिक्रमण कारियो को चेतावनी देना आरंभ किया . इसी क्रम में गुरुवार को बराकर बैगुनिया मोड से बस स्टैंड तक अभियान निगम की ओर से चलाया गया. जहा बस स्टेंड में अवैध तरीके से शराब की बिक्री करने वालो को उन्होंने जमकर फटकार लगाया . जहा कई गुमटियां बंद देखी गई. इस अवसर पर आसनसोल नगर निगम के कानूनी सलाहकार रबी उल इस्लाम बोरो चेयर मैन चैतन्य माजी ने कहा कि बराकर बस स्टैंड आम जनमानस के लिए सार्वजनिक स्थल है . जहां काफी संख्या में लोगों का आवागमन होता है छात्र-छात्राओं का भी आना-जाना यहीं से होता है . इसी रास्ते से होकर महिलाएं आना-जाना करती है. लेकिन पहले तो यहां अतिक्रमण कर बड़ी-बड़ी दुकान बना ली गई है. जो नगर निगम द्वारा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा पूरा बस स्टेंड अतिक्रमण से भरा पड़ा है . उन्होंने बस स्टैंड में अवैध शराब बिक्री को लेकर कहा कि इस सार्वजनिक स्थल पर अवैध तरीके से शराब बिक्री किया जाना बहुत ही शर्मनाक बात है .जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा . इसके बाद उन्होंने अवैध तरीके से शराब बिक्री करने वाले होटल के बाहर बनी मिट्टी की भट्टी को निगम कर्मचारियों द्वारा ध्वस्त करवाया . मालूम हो कि बराकर क्षेत्र में कई जगहों पर अवैध तरीके से शराब की बिक्री की जाती है . अब देखना यह है की नगर निगम अवैध शराब कारोबारीयो के विरुद्ध कितना ठोस कदम उठाती है . इस अवसर पर नगर निगम के कानूनी सलाहकार रबी उल इस्लाम बोरो चेयरमैन चैतन्य माझी स्थानीय प्रशासन के आला अधिकारी निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे .

बालू ट्रक की चपेट में आने से एक की मौत, दो घायल

बंकोला बालूडांगा इलाके में तनाव

संवाददाता । अंडाल

खास बातें

- स्थानीय लोगो ने उखरा कुमारडीह सडक जाम कर मुआवजा मांगा
- पुलिस और छोरा ग्राम पंचायत प्रधान के आश्वासन के बाद लोगों ने प्रर्दशन खत्म किया

बालू ट्रक की चपेट में आने से एक बच्ची की मौत हो गयी. घटना में बाइक चालक समेत एक महिला घायल हो गयी. घटना गुरुवार सुबह करीब 11:30 बजे बंकोला बालूडांगा इलाके में हुई. बालू से भरे ट्रक की चपेट में आने से पुतुल भुइयां (13) नामक बच्ची की मौत हो गयी. घटना में बाइक सवार व एक महिला घायल हो गये. सभी उखरा कुमारडीही रोड से सटे बंकोला रोड के बालूडांगा इलाके के रहने वाले हैं. एक बाइक पर तीन लोग सवार होकर उखरा बाजार आ रहे थे. तभी पीछे से एक बालू ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. बाइक से तीन लोग दूर जा गिरे. गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को खांद्रा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पुतुल भुइयां को मृत घोषित कर दिया. घटना से इलाके में तनाव फैल गया. स्थानीय लोगो ने उखरा कुमारडीह सडक जाम कर मुआवजा की मांग को लेकर प्रदर्शन किया. पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस और छोरा ग्राम पंचायत प्रधान के आश्वासन के बाद लोगों ने प्रर्दशन खत्म किया. पुलिस ने बालू ट्रक जब्त कर फाडी ले गया. स्थानीय लोगों की शिकायत है कि इस सड़क से ईसीएल की विभिन्न कोलियरियों में ट्रकों से बालू पहुंचाया जाता है. पुराने मॉडल के ट्रकों और चालकों की लापरवाही के कारण इस सड़क पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं. स्थानीय लोगों ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने का मांग किया है.

न्यूज अपडेट

बस स्टैंड में दो रोड मीटिंग का आयोजन

दुर्गापुर। पश्चिम बंगाल विज्ञान केंद्र के डॉ. कादम्बिनी गांगुली विज्ञान केंद्र और आचार्य सत्येन्द्रनाथ बोस विज्ञान केंद्र की संयुक्त पहल पर बुधवार दोपहर और शाम को बेनाचिति के सिटी सेंटर बस स्टैंड और थानहिका बंधु महल में दो रोड मीटिंग आयोजित की गईं. हाथरस में धार्मिक सभाओं में अत्यधिक संगठनात्मक एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण इस सड़क सभा से ढाई लाख लोगों को पैरों तले कुचलवा दिया गया तथा अत्यधिक संगठनात्मक एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण 130 लोगों की अकाल मृत्यु हो गयी. इसके साथ ही सत्संग नाम के स्वयंभू गुरु भोले बाबा समेत आयोजकों ने अधिकतम सजा की मांग की. पश्चिम बंगाल विज्ञान मंच की ओर से महाराष्ट्र अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के नेता शाहिदोत्तर पद्मश्री डॉ. नरेंद्र दाभोलकर ने 2013 में महाराष्ट्र में अंधविश्वास विरोधी कानून लागू करने का प्रस्ताव रखा और मांग की कि इसे पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में लागू किया जाए. रोड मीटिंग में मुख्य वक्ता पश्चिम बंगाल साइंस फोरम की राज्य कमेटी के सदस्य राम प्रणय गांगुली थे. इसके अलावा इस बैठक में केएफ के सजल बोस ने लोगों को अंधविश्वास के खिलाफ जागरूक करने की बात कही. आर सिद्दीकी और पुलक तिवारी.

काजी नजरूल यूनिवर्सिटी के कुलपति ने दिया इस्तीफ

आसनसोल। काजी नजरूल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. देबाशीष बंद्योपाध्याय ने लगातार विरोध के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है. हालांकि, राज्यपाल ने डॉ. बंद्योपाध्याय से इस्तीफा स्वीकार किए बिना ही उन्हें अपने पद पर बने रहने का आग्रह किया है, जिसे कुलपति ने मान लिया है. इस बीच, तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) का विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में आठ जुलाई से शुरू हुआ धरना आज भी जारी है. टीएमसीपी का कहना है कि कुलपति को अपने पद से हट जाना चाहिए और मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा. गौरतलब है कि जून 2023 में राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने डॉ. बंद्योपाध्याय को काजी नजरूल यूनिवर्सिटी का चौथा कुलपति नियुक्त किया था. तृणमूल छात्र परिषद ने आरोप लगाया है कि उनकी नियुक्ति राज्य सरकार की सहमति के बिना की गई थी. इसके साथ ही टीएमसीपी विश्वविद्यालय के छात्रों की फीस में बढ़ोतरी और अदालती मामलों में लाखों रुपये खर्च करने का भी विरोध कर रही है. का दावा है कि विश्वविद्यालय के शिक्षण बुनियादी ढांचे में सुधार किए बिना मुकदमेबाजी पर बहुत पैसा खर्च किया जा रहा है।विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि यह खर्च पूर्व कुलपति द्वारा दायर मामलों के कारण हो रहा है.

पुरुलिया में बस हड़ताल, यात्री परेशान

पुरुलिया : बस मालिकों के एक वर्ग द्वारा आरोप प्रत्यारोप को लेकर पुरुलिया जिले में सरगारमी बढ़ी है. बड़ाबाजार बस मालिकों के एक वर्ग और बड़ाबाजार आईएनटीटीयूसी के बीच मौखिक विवाद इस स्तर तक पहुंच गया है कि बस मालिकों ने बुधवार सुबह से ही बस हड़ताल पर जाने का फैसला किया है. इससे बस यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी. मामले को लेकर जिला तृणमूल श्रमिक संगठन और पुरुलिया जिला बस एसोसिएशन के नेतृत्व ने बुधवार सुबह इस मुद्दे पर चर्चा की और आखिरकार संध्या बस की आवाजाही सामान्य हो गई. उल्लेखनीय है कि 7 बड़ाबाजार की बसें. बस मालिकों के एक वर्ग का कहना है कि बड़ाबाजार ब्लॉक आइएनटीटीयूसी अध्यक्ष चंदन सिंह मल्ल कुछ बस मालिकों से विश्वकर्मा पूजा के नाम पर 20 रुपये वसूल रहे हैं. हालांकि बड़ाबाजार ब्लॉक आईएनटीटीयूसी अध्यक्ष इस शिकायत को मानने से इनकार किया. कहा मुझे नहीं पता कि किसने या किससे चंदा लिया. बस मालिक किसी राजनीतिक दल के शह पर पार्टी को बदनाम करने के लिए इस तरह का काम कर रहे हैं. पूरे मामले पर कल बड़ाबाजार बस स्टैंड पर कुछ बस मालिकों और श्रमिक संघ नेताओं के साथ तीखी बहस हुई.

दुर्गापुर: डीएसटीपीएस में डीवीसी कप फुटबॉल चैम्पीयनशिप का आयोजन

दुर्गापुर : डीवीसी स्थापना दिवस के अवसर पर डीवीसी डीएसटीपीएस सीएसआर के सोजन्य से आज बेनाचीती डीवीसी कालोनी फुटबॉल ग्राउन्ड मे एक दिवसीय रात्री " डीवीसी कप फुटबॉल चैम्पीयनशिप " का आयोजन किया गया, जिसमे डीएसटीपीएस के विभिन्न विभाग के 3 टीम और ग्रामीणों एवं ड्राइवर की एक टीम के बीच नाक आउट मैच खेल गया, जिसका उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान श्री संचयन साहा, उप मुख्य महाप्रबंधक(मानव संसाधन) श्री अरिजित मजूमदार ने 4 दलों के खिलाड़ियों एवं दर्शकों के बीच खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया । इस एक दिवसीय रात्री फुटबॉल टूर्नामेंट मे 3 डीवीसी की टीम टीम ए , टीम बी , टीम सी एवं ग्रामीणों की टीम डी के बीच नाक आउट मुकाबले मे फाइनल खेल डिवीसी डीएसटीपीएस टीम ए एवं ग्रामीणों/ड्राइवर की टीम के बीच खेली गई , इसमे ग्रामीणों की टीम ने रोमांचक मुकाबले मे 2-1 से विजयी होकर खिताब अपने नाम किया .

पश्चिम बंगाल: बिहार के कुख्यात अपराधी सुबोध सिंह से जुड़े एक और गैंग का खुलासा

आसनसोल। पश्चिम बंगाल में अपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले बिहार के कुख्यात अपराधी सुबोध सिंह से संबंध रखने वाले एक और गैंग का खुलासा हुआ है. इस गैंग ने हावड़ा के डोमजुड़ में एक सोने की दुकान में डकैती की वारदात को अंजाम दिया था. पश्चिम बंगाल एसटीएफ का अनुमान है कि इस गैंग का सीधा संपर्क सुबोध सिंह से है, और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आसनसोल, रानीगंज, पुरुलिया और रानाघाट में डकैती की वारदातों में इस गैंग की कितनी सक्रियता रही है. हावड़ा सिटी पुलिस के अधिकारी सुदीप्त पानीग्रही के नेतृत्व में बिहार एसटीएफ के साथ मिलकर बेगूसराय, समस्तीपुर समेत अन्य इलाकों में छापेमारी की गई. इस छापेमारी में एक 45 वर्षीय महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार महिला, आशा देवी, को अपराध जगत में 'चाची' के नाम से जाना जाता है और वह सोने की दुकानों और शोरूमों में लूट की वारदात में अहम भूमिका निभाती थी. सूत्रों के अनुसार, आशा देवी देश के विभिन्न हिस्सों में डकैती की वारदातों के लिए रोड मैप तैयार करती थी और लूटे गए सोने को कहां रखा जाएगा, कहां गलाया जाएगा, और कहां बेचा जाएगा, इन सब फैसलों में सक्रिय भूमिका निभाती थी। हावड़ा पुलिस आशा देवी को ट्रांजिट रिमांड पर राज्य लेकर आएगी और अन्य तथ्यों का खुलासा करेगी. पश्चिम बंगाल एसटीएफ यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि रानीगंज, आसनसोल, पुरुलिया, रानाघाट समेत राज्य के अन्य क्षेत्रों में ज्वेलरी शोरूम और दुकानों में हुई डकैतीकांड में इनका कितना हाथ है. साथ ही, यह भी जानकारी जुटाई जाएगी कि पटना के बेउर जेल में बंद सुबोध सिंह के साथ इनका कितना संबंध है।उल्लेखनीय है कि 30 जून को पटना के बेउर जेल से ट्रांजिट रिमांड पर सुबोध सिंह को आसनसोल लाया गया था.

फुटपाथ पर निशान लगाने को लेकर विवाद

अंडाल में दुकानें बंद कर दुकानदारों ने जताया विरोध

संवाददाता । अंडाल

फुटपाथ की जमीन चिह्नित करने से दुकानदार नाखुश हैं. इसके विरोध में व्यापारियों ने व्यापारी सभा बुलाकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गये। सभी दुकानें बंद थीं. गुरुवार को उकरा बाजार की घटना ममता बनर्जी के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन ने हाल ही में राज्य भर में फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल की है. अंडाल प्रखंड के उखरा बाजार में भी यही समस्या है. बाजार के फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए पंचायत व प्रशासन ने पहल की है। उन्होंने स्थानीय निवासियों, फुटपाथ व्यापारियों, चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ कई बैठकें की हैं। निर्णय लिया गया है कि फिलहाल दुकानदार सड़क के दोनों ओर जहां ढकी हुई नालियां हैं, वहीं पर बैठेंगे। व्यापारियों से अनुरोध है कि वे बुधवार से इस निर्णय का अनुपालन करें। व्यापारी उस निर्णय पर सहमत हो गए और बुधवार से गंदे नाले के दोनों किनारों पर धरना देना शुरू कर दिया। चेंबर ऑफ कॉमर्स के निर्देशानुसार उन्होंने दुकान बंद कर दी है. चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मनोज सराफ ने कहा, हम बाजार के फुटपाथ को मुक्त करने के पंचायत के फैसले से सहमत हैं। लेकिन नाले के दोनों किनारों को चिह्नित करने के लिए दुकानों की ओर आने-जाने वाली सड़क के बीच में छोटे-छोटे खंभे लगा दिए गए हैं. हमने उनके खिलाफ बाजार बंद करने का फैसला किया है. क्योंकि यदि दुकानों के बीच सड़क पर पोल लगा दिया जाएगा तो ग्राहक कैसे आएंगे-जाएंगे.

परिवहन मंत्री ने की समीक्षा बैठक

पांच जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों से की चर्चा

खास बातें

- व्यवसायियों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल बनाने पर दिया जोर

संवाददाता । दुर्गापुर

दक्षिण बंगाल के पांच जिलों के परिवहन मुद्दों को लेकर राज्य के परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने बुधवार दोपहर पश्चिम बर्दवान जिले के दुर्गापुर के उप-विभागीय आयुक्त के कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक समीक्षा बैठक की. पांच जिले पश्चिम बर्दवान, पूर्वी बर्दवान, पुरुलिया बांकुरा और बीरभूम हैं. इस बैठक में राज्य के परिवहन सचिव, अतिरिक्त जिला आयुक्त या एडीएम, आरटीओ, एक आरटीओ के अलावा पांच जिलों के परिवहन प्रभारी परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद थे. पश्चिम बर्दवान के जिला मजिस्ट्रेट एस पोन्नाबलम के साथ एसबीएसटीसी या दक्षिण बंगाल राज्य परिवहन निगम के अध्यक्ष और अन्य अधिकारी भी थे. इस बैठक में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई उनमें वाहन पंजीकरण, परमिट, कर संग्रह से लेकर वैध दस्तावेजों का सत्यापन, ओवरलोडिंग रोकना और सड़क सुरक्षा आदि शामिल हैं. परिवहन मंत्री ने समीक्षा बैठक में विस्तार से चर्चा की कि दुर्घटनाओं को कैसे कम किया जा सकता है. साथ ही परिवहन व्यवसाय से जुड़े व्यवसायियों के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल बनाने पर भी जोर दिया गया. बैठक के अंत में परिवहन मंत्री ने कहा कि समीक्षा बैठक में पांच जिलों के परिवहन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी. टैक्स कलेक्शन कैसे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की. आम लोगों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि वे वैध दस्तावेजों के साथ वाहन चलाएं. ओवरलोड रोकने के लिए निगरानी भी बढ़ा दी गई है। सरकार की आय भी काफी बढ़ी है.

बाजार में जाम से निजात के लिए निगम की कवायद

फल और मछली विक्रेताओं को कालीपहाड़ी होलसेल मार्केट में भेजा जाएगा

खास बातें

- फल और मछली विक्रेताओं ने इस स्थानांतरण पर चिंता जताई

संवाददाता । आसनसोल

आसनसोल शहर को जाम मुक्त करने के लिए नगर निगम ने अपने स्तर से विशेष कदम उठाने की तैयारी पूरी कर ली है. आसनसोल नगर निगम सूत्रों के अनुसार, जल्द ही आसनसोल के फल और मछली विक्रेताओं को कालीपहाड़ी के पास बने होलसेल मार्केट में स्थानांतरित किया जाएगा. आसनसोल नगर निगम के मेयर बिधान उपाध्याय ने बताया कि कालीपहाड़ी में बने थोक बाजार में 56 दुकानें तैयार हो गई हैं और इन्हें आसनसोल के फल और मछली विक्रेताओं को उपलब्ध कराया जाएगा. यह कदम शहर में जाम की समस्या को हल करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है. हालांकि, फल और मछली विक्रेताओं ने इस स्थानांतरण पर चिंता जताई है. उनका कहना है कि कालीपहाड़ी में बनी दुकानों की संख्या कम है, जिससे सभी थोक दुकानदारों को वहां जगह नहीं मिल सकेगी. इसके अलावा, आसनसोल नगर निगम द्वारा दी गई दुकानदारों की सूची में विसंगतियां भी पाई गई हैं. कुछ विक्रेताओं ने दावा किया है कि नगर निगम द्वारा प्रदान की गई सूची में त्रुटियां हैं और उन्होंने अपनी ओर से एक और सूची प्रदान की है. विक्रेताओं का कहना है कि आसनसोल बाजार के थोक दुकानदारों की सूची में केवल उन्हें शामिल किया जाना चाहिए जिनके पास ट्रेड लाइसेंस है. कालीपहाड़ी में होलसेल मार्केट में दुकानों का वितरण करने से पहले इन सूचियों की अच्छी तरह से जांच की जानी चाहिए. इस बीच, नगर निगम प्रशासन की तैयारी है कि पहले से तैयार सूची के आधार पर ही दुकानों का आवंटन किया जाएगा. फल और मछली व्यवसाय को स्थानांतरित करने के बाद, नगर निगम कई और सकारात्मक पहल करने की दिशा में कदम उठाने जा रहा है. आसनसोल शहर को जाम मुक्त करने और व्यापारिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के लिए यह स्थानांतरण महत्वपूर्ण माना जा रहा है. नगर निगम का उद्देश्य है कि इस कदम से शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में ट्रैफिक की समस्या कम हो और व्यवसायिक गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके.

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने बरामद की युवक की लाश

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पासवान टोली में नगर थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तम गली निवासी श्रीनिवास चौरसिया उम्र 35 का गुरुवार की सुबह पुलिस ने शव बरामद किया. इसके पूर्व सूचना मिलते ही नगर थाना एसआई मदन कुमार दलबल के साथ वहां पहुंच मामले की पड़ताल करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया. नगर थाना एसआई मदन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया अत्यधिक शराब पीने और गिर कर रात भर पड़े रहने से मृत्यु हो जाने की संभावना है. हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा होगा.

दहेज के लिए प्रताड़ित करने वाला पति गया जेल

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ थाना की पुलिस ने दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित करने के आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गिरफ्तार संतोष ठाकुर जमुआ थाना क्षेत्र के चारघरा निवासी भिखारी ठाकुर का पुत्र है. उसके खिलाफ जमुआ थाना में मुकदमा दर्ज किया गया है. थाना प्रभारी मणिकांत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार संतोष ठाकुर को जेल भेज दिया गया है.

सड़क दुर्घटना में बाईक चालक घायल

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड में गुरुवार को पश्चिम बंगाल के फरक्का थाना क्षेत्र के बेगुआ गांव निवासी एक श्रद्धालु सत्यजीत मिश्रा शिवगादी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बाईक से लौटने के क्रम में शिवगादी मोड़ के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया. जिसमें सत्यजीत मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गये. जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरहेट में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया. घायल की हालत समान्य है.

लड़की को भगाने का आरोपी किशोर गिरफ्तार

गिरिडीह। देवरी थाना की पुलिस ने नाबालिग लड़की को भगाने के आरोप में एक किशोर को गिरफ्तार कर लिया. उसे गुरुवारको बाल सुधार गृह हजारीबाग भेज दिया गया. आरोप है कि देवरी थाना क्षेत्र के देवपहाडी गांव निवासी सूरज दास का 15 वर्षीय पुत्र एक लड़की को झांसा देकर घर से भगा ले गया था. घटना सात जून की है. लड़की के पिता की शिकायत पर किशोर के खिलाफ देवरी थाना में कांड संख्या 38/2024 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

डुमरी (गिरिडीह)। मुस्लिम धर्मावलंबियों का पर्व मुहर्रम शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने को लेकर गुरूवार को डुमरी अनुमंडल कार्यालय सभागार में अनुमण्डल स्तरीय शांति समिति की बैठक एसडीएम शहजाद परवेज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में एसडीपीओ डुमरी सुमित प्रसाद, एलआरडीसी जीतराय उरांव, बीडीओ डुमरी अन्वेषा ओना, प्रमुख उषा देवी, 20 सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, आजसू नेता छक्कन महतो, झामुमो नेता राजकुमार पांडेय, बरकत अली, जिप सदस्य बैजनाथ महतो, डुमरी थाना प्रभारी प्रिनन, निमियाघाट थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

मंत्री बेबी देवी ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

डुमरी (गिरिडीह)। सूबे की मंत्री सह स्थानीय विधायक बेबी देवी ने गुरूवार को डुमरी किसान भवन में साप्ताहिक जनता दरबार लगाकर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों आए लोगों की निजी एक सामूहिक समस्याओं को सुनकर उसके समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को दुरभाष पर आवश्यक दिशा निर्देश दी. साथ ही उपस्थित लोगों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की.

सीओ ने किया स्कूल का निरीक्षण

साहिबगंज। उधवा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बेगमगंज का अंचलाधिकारी विशाल कुमार पांडेय ने गुरुवार को निरीक्षण किया. उन्होंने क्लास रूम में जाकर बच्चों को नियमिति स्कूल आने की सीख दी. यह निरीक्षण स्कूलों में शिक्षा की स्थिति बेहतर बानाने के उद्देश्य से डीसी हेमंत सती की पहल पर शुरू की गई प्रोजेक्ट समीक्षा के तहत किया गया. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षक उपस्थित थे.

जारंगडीह रेलवे फाटक : 350 मीटर के सफर में 63 गड्ढे

बाइक चालकों के लिए इस छोटे से सफर में जान का जोखिम, सुधि लेने वाला कोई नहीं

खास बातें

- पैदल चलने वाले लोग भी परेशान
- बरसात में और भी बढ़ेंगी दिक्कतें

संवाददाता। कथारा

बेरमो प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जारंगडीह पुल की सड़क पर गड्ढों की भरमार है. छोटे-बड़े गड्ढों से वाहन चलाने वालों को जान का खतरा बना रहता है. दुर्घटनाओं की आशंका के बीच यहां से लोगों का आवागमन हो रहा है. सिर्फ वाहन ही नहीं पैदल चल रहे राहगीरों को भी गड्ढे परेशान कर रहे हैं.

जारंगडीह रेलवे फाटक से ढाबा तक की दूरी लगभग 300-350 मीटर है और इस सफर के दौरान छोटे-बड़े 63 गड्ढों से मुलाकात होती है. बाइक चालकों के लिए तो ये छोटा सा सफर बड़ा जोखिम भरा माना जाता है. यदि थोड़ी सी बारिश हो गई तो खतरा और भी बढ़ जाता है. इस मार्ग के राहगीरों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए शासन प्रशासन से उक्त मामले पर संज्ञान लेकर सकारात्मक समाधान की मांग की है.

पैदल चलने वालों के लिए आफत : भगवान सिंह

जारंगडीह उत्तरी पंचायत के निवासी भगवान सिंह ने कहा कि जारंगडीह पुल के सड़क पर बनी गड्ढे से वाहन चालकों को तो परेशानियां झेलनी पड़ रही है, पैदल चल रहे लोगों के लिए भी आफत बन चुका है. इस गम्भीर मामले पर बेरमो प्रखंड से लेकर बोकारो जिला प्रशासन के अधिकारियों को संज्ञान लेना चाहिए.

कभी भी हो सकती है अप्रिय घटना : गौतम राम

जारंगडीह उत्तरी पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य गौतम राम ने कहा कि सड़क की स्थिति चिंता जनक है. सड़क पर बने गड्ढे दुर्घटना को आमंत्रण दे रही हैं. जरूरत है कि कोई अप्रिय घटना से पूर्व सड़क की यथाशीघ्र मरम्मत कराई जाए. नहीं तो बरसात में यहां घटनाएं होंगी.

बाइक सवारों के लिए काफी खतरनाक : ललित रजक

जारंगडीह उत्तरी पंचायत के पूर्व वार्ड सदस्य ललित रजक ने कहा कि जारंगडीह पुल के सड़क पर बने गड्ढे हैं, वह अब धीरे धीरे बड़ा आकार ले रही हैं. बाइक सवारों के लिए काफी खतरनाक हो चुका है. अधिकारियों को संज्ञान लेकर इस समस्या के समाधान की दिशा में पहल करने की जरूरत है.

पीरटांड़ में 8वीं के 200 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण

संवाददाता। पीरटांड (गिरिडीह)

पीरटांड़ प्रखंड के मध्य विद्यालय कर्णपुरा में कल्याण विभाग की ओर से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले 200 छात्र-छात्राओं (सत्र 2023-24) के बीच गुरुवार को साइकिल का वितरण किया गया. स्कूल में आयोजित समारोह में बीडीओ मनोज कुमार मरांडी, प्रखंड प्रमुख सविता टुडू, बीईओ व बीपीओ भोला कुमार राय ने विद्यार्थियों को साइकिल बांटी. बीडीओ ने कहा कि साइकिल मिलने से छात्र-छात्राएं नियमित रूप से विद्यालय आ सकेंगे सकेंगे. साथ ही सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी. उनका समय भी बचेगा. सरकार की ओर से बच्चों को साइकिल उपलब्ध कराई जाने पर शिक्षकों ने आभार जताया है. साइकिल पाकर छात्र-छात्राएं काफी खुश नजर आ रहे थे.

6 साइबर अपराधी गिरफ्तार

प्रतिबिम्ब पोर्टल से एसपी को मिली थी साइबर ठगी की जानकारी

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह में 6 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया है. उसके पास से मोबाइल सहित कई सामान बरामद हुए हैं.

जानकारी के अनुसार एसपी दीपक कुमार शर्मा को प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से जानकारी मिली थी कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में साइबर ठगी का काम किया जा रहा है. इसी के आलोक में साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. टीम द्वारा 6 साइबर अपराधियों को पकड़ा गया. गिरफ्तार साइबर अपराधियों में सरिया थाना क्षेत्र के नगर केशवारी गांव निवासी बिहारी मंडल का 29 वर्षीय पुत्र मितलाल मंडल, बगोदर थाना क्षेत्र के अटका निवासी नेमचंद प्रसाद का 24 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार, जमुआ थाना क्षेत्र के चुंगलो निवासी नारायण मंडल का 26 वर्षीय पुत्र वीरेंद्र कुमार मंडल, बेंगाबाद थाना क्षेत्र के महदैया निवासी दुदेश्वर मंडल का 28 वर्षीय पुत्र पवन कुमार मंडल, गांडेय थाना क्षेत्र के बरमसिया निवासी महरूम हामिद मियां का 30 वर्षीय पुत्र अब्दुल क्यूम और इसी गांव का महरूम कलीम अंसारी का 19 वर्षीय पुत्र कमरुद्दीन अंसारी शामिल है.

गर्भवती महिलाओं को मातृत्व लाभ दिलाने के नाम पर करते थे ठगी

गिरफ्तार पवन कुमार मंडल साइबर थाना कांड संख्या-37/2023 में जेल जा चुका है.

एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में कहा है कि वे न्यूड वीडियो कॉलिंग करवाने और लड़की उपलब्ध कराने का झांसा देकर लिंक भेजते और ठगी करते हैं. इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को मोबाइल पर फोन कर मातृत्व राशि का दिलाने के नाम पर ठगी करते हैं. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से 12 मोबाइल, 11 सीम कार्ड, एक एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड और एक पैन कार्ड बरामद किया गया है. छापेमारी दल में डीएसपी आबिद खान के अलावा थाना प्रभारी अजय कुमार, गूंजन कुमार, पुनीत कुमार गौतम, गजेंद्र कुमार, जितेन्द्रनाथ महतो शामिल थे.

एनएसपीएम गिरोह का एक अपराधी गिरफ्तार

सरिया (गिरिडीह)। सरिया थाना क्षेत्र के अमनारी गांव से गुप्त सूचना के आधार पर सरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय राम के नेतृत्व में टीम गठित कर एक युवक को गिरफ्तार किया गया. युवक थाना क्षेत्र के अमनारी गांव का निवासी सचिन मंडल बताया जा रहा है. जिस पर अपराध तथा कई असामाजिक घटनाओं, लोगों में भय का माहौल बनाना, धमकी जैसे कई मामले पूर्व में दर्ज है. उक्त युवक सचिन मंडल द्वारा आपराधिक घटनाओं के साथ एनएसपीएम गिरोह का अपराधी बताया जा रहा है. जानकारी के अनुसार बगोदर-सरिया एसडीपीओ, थाना प्रभारी अरविंद सिंह, पुअनि सुखसागर सिंह चौधरी, देवेंद्र सिंह, थाना रिजर्व गार्ड द्वारा वरीय अधिकारियों के निर्देशानुसार करते हुए अभियुक्त के घर को चारों तरफ से घेर कर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

जल सहिया डोर टू डोर चलाएं अभियान : बीडीओ

कथारा। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से गोमिया प्रखंड मुख्यालय के सभागार में गुरुवार को समीक्षात्मक बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो की अध्यक्षता में किया गया. बैठक में जेई रोहित मंडल सहित प्रखंड के कई मुखिया व जल सहिया मौजूद थे. बैठक के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कई दिशा निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने कहा कि हर घर नल योजना का लाभ लाभुकों को प्राप्त हो रही है. जिससे जल की किल्लत की समस्या से निजात मिल रही है. जरूरत है जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से आच्छादित करने के लिए जल सहिया अपने-अपने क्षेत्रों में डोर टू डोर जाएं और नल जल की वर्तमान स्थिति से अवगत हो. लाभुकों को सुचारू रूप से पेयजलापूर्ति होती है या नहीं, समय-समय पर इसका पता लगाएं और छूटे हुए लोगों को भी इसका शत प्रतिशत लाभ दिया जाए, इस दिशा में कार्य करें. साथ ही लाभुकों से जल कर की भी वसूली निर्धारित समय अवधि पर किया जाए. इस दौरान जल सहिया ने अपने-अपने क्षेत्रों में व्याप्त पेयजल की समस्या से भी अवगत कराया. सभी जलसहिया ने विभाग की ओर से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि की मांग की. कहा कि उन्हें पिछले कई सालों से प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है.

जनता से किए हर वादे को पूरा करने का है प्रयास : सुनीता

डुमरी (गिरिडीह)। 15वें वित्त जिला परिषद मद की करीब तीन लाख की लागत से बनने वाली खैराटुंडा रांगामाटी की श्मशान घाट एवं शव की दाह संस्कार करने हेतु पक्का शेड निर्माण कार्य का शिलान्यास गुरूवार को जिला परिषद सदस्य सुनीता कुमारी के नारियल फोड़कर किया. मौके पर जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने कहा कि हमारी सोच है कि जो बड़े-बड़े शहरों में इस तरह की अंतिम संस्कार हेतु शेड बनाया जाता है, वैसा शेड डुमरी प्रखंड में हर जगह बने. जिसकी शुरुआत मैं यहां से कर दी हूं. आगामी राशि से और जगह इस तरह की शेड का निर्माण कराऊंगी. इस दौरान भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार, मुखिया रांगामाटी जागेश्वर यादव, खैराटुंडा मुखिया भुनेश्वर साव, दीपक कुमार, मनोज साव, युगल यादव, उमेश यादव, महेन्द्र पंडित, देबू साव, पप्पू कुमार, राजेश कुमार, निरंजन शर्मा सहित दर्जनों लोग शामिल थे.

आंचल कुमारी को बीटेक सीएसई में मिला 4347वां रैंक

तलगडिया। धनबाद-बोकारो क्षेत्रीय समाज बोकारो जोन पांच के आदर्श गांव गोडाबाली के जोनल अध्यक्ष रामचरण सिंह की पोती अंचल कुमारी ने बीटेक सीएसई नामांकन प्रतियोगिता में ऑल इंडिया लेवल पर 4347 रैंक हासिल करने पर राजपुत समाज ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है. आंचल कुमारी के पिता बिनोद सिंह, माता रानी सिंह व दादाजी रामचरण सिंह हैं. बीटेक सीएसई में एडमिशन के लिए प्रतियोगिता ऑल इंडिया स्तर पर 4347वां रैंक प्राप्त किया. इस रैंक के माध्यम से ओडिशा के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलेगी. जो सरकारी माध्यम से बिना किसी अतिरिक्त खर्च या बिना डोनेशन पर नामांकन होगा. आंचल कुमारी को केन्द्रीय अध्यक्ष जन्मेजय सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष मुरलीधर सिंह, महामंत्री जीत लाल सिंह, केन्द्रीय प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, रमेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष रामचरित सिंह, बिधान चन्द्र राय, जोनल कमिटी, ग्राम कमिटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बधाई दी है.

सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाति प्रमाण पत्र को लेकर बैठक

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड स्थित मंझने पंचायत के तिलैया गांव में ग्रामसभा का आयोजन किया गया. उस क्षेत्र के लोगों का खतियान नहीं होने के कारण जाति आवासीय प्रमाण पत्र निर्गत नहीं हो रहा था. जिससे आदिवासी छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था. वहीं वे जनरल कैटेगरी में नामांकन करवा कर शिक्षा ग्रहण कर रहे थे. क्षेत्र के लोग लंबे समय से इसके लिए आंदोलन भी कर रहे थे. दो माह पूर्व दर्जनों गांवों के लोगों ने प्रखंड कार्यालय के समक्ष उग्र आंदोलन करते हुए धरना भी दिया था. सभा में काफी संख्या में सुदूरवर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों ने भाग लिया. उस क्षेत्र में रह रहे आदिवासियों समेत अन्य लोगों का जाति आवासीय प्रमाण पत्र खतियान के अभाव में नहीं बन पा रहा था. ग्रामसभा का आयोजन कर संबंधित लोगों से जाति, आवासीय का आवेदन लिया गया. वहीं वहां के ख़तियानी लोगों से इसकी पुष्टि करवाई गई. यह परिवार काफी लंबे समय से क्षेत्र में निवास कर रहा है. मौके पर राजस्व कर्मचारी गोपाल रजक, सुरेश हेम्ब्रम, बाबुलाल हेंब्रम, गणेश हेम्ब्रम, निरंजन सिंह, ब्रह्मदेव टुडू, होपन हेम्ब्रम, विवेक सिंह समेत दर्जनों ग्रामीण शामिल थे.

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

कथारा। केबी कॉलेज में गुरुवार को एक ही दिन दो अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां एक ओर ओरिएंटेशन सह इंडक्शन कार्यक्रम एवं दूसरा कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम विषय पर जागरुकता कार्यशाला आयोजित किया गया. पहले कार्यक्रम में, चार वर्षीय पाठ्यक्रम सत्र 24 से 28 के नए विद्यार्थियों का दो दिवसीय ओरिएंटेशन सह इंडक्शन कार्यक्रम की शुरुआत की गई. राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम विषय पर जागरुकता कार्यशाला प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में जंतु शास्त्र सभागार में विधिवत् दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया. दोनों सत्र के कार्यक्रमों का मंच संचालन डॉ. अरुण कुमार रय महतो एवं धन्यवाद ज्ञापन रविंद्र कुमार दास ने किया.

साहिबगंज-मनिहारी घाट के बीच गंगा में जहाज सेवा बंद

साहिबगंज। गंगा नदी में बिहार के मनिहारी अंतरराज्यीय फेरी घाट की बंदोबस्ती नहीं होने के चलते गुरुवार से साहिबगंज-मनिहारी अंतरराज्यीय फेरी सेवा बंद हो गई. साहिबगंज और बिहार के मनिहारी घाट के बीच गंगा नदी में चलने वाले यात्री व मालवाहक जहाजों का परिचालन बंद हो गया. इसके चलते साहिबगंज से बिहार आना-जाना करने वाले हजारों यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है. क्योंकि सड़क मार्ग से इन दोनों स्थानों की दूरी काफी ज्यादा है. दरअसल, वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए साहिबगंज-मनिहारी अंतरराज्यीय फेरी सेवा के संचालन के लिए रोटेशन सिस्टम के तहत इस बार झारखंड के साहिबगंज जिला प्रशासन की ओर से बंदोबस्ती की प्रक्रिया मार्च में ही पूर्ण की जानी थी. इसके लिए 22 मार्च को टेंडर की तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन लोकसभा चुनाव आचार संहिता का हवाला देकर टेंडर की प्रक्रिया ऐन मौके पर स्थगित कर दी गई थी. चुनाव खत्म होने के बाद टेंडर की तिथि 20 जून निर्धारित की गई थी. सिंगल बिड होने के चलते इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया था. वहीं दोबारा 8 जुलाई को टेंडर की तिथि निर्धारित की गई, लेकिन तय तिथि को भी सिर्फ एक ही टेंडर भरा गया. सिंगल बिड होने के चलते प्रक्रिया को एक बार फिर स्थगित करना पड़ा. तीसरी बार 29 जुलाई को टेंडर की तिथि निर्धारित की गई है. ज्ञात हो कि वर्ष 2021 में बिहार के कटिहार जिला प्रशासन की ओर से किए गए खुला टेंडर में तकरीबन 8.52 करोड़ रुपए सालाना में साहिबगंज-मनिहारी अंतरराज्यीय फेरी के संचालन की जिम्मेदारी साहिबगंज की नाव यातायात सहयोग समिति को मिली थी.

विश्व जनसंख्या दिवस पर निकाली गई जागरुकता रैली

गावां (गिरिडीह)। गावां मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जागरुकता रैली निकाल कर कार्यशाला का आयोजन किया गया. जहां चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महेश्वरम, डॉ. काजिम खान, बीपीएम प्रमोद बरनवाल ने हरी झंडी दिखाकर जागरुकता रैली को रवाना किया. चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महेश्वरम ने बताया कि जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने एवं उसके बढ़ते दुष्पारिणामों से आमजनों को अवगत कराने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के रूप मे मनाया जाता है. जनसमुदाय में परिवार नियोजन सेवाओं के संबंध में जागरुकता बढ़ाने व हितग्राहियों तक परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता कराने के लिए सहिया, एएनएम सहित कर्मचारियों ने रैली निकाली. इसके बाद सीएचसी गावां में कार्यशाला का आयोजन किया गया.

आदित्या होलिस्टिक सुपर मल्टीप्लेक्स केयर अस्पताल आरंभ

आंखों का होगा बेहतर ईलाज : एमके गुप्ता

संवाददाता। बोकारो

मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके और अच्छी सुविधा मिल सके, इसके लिए बोकारो में पहली बार सुपर मल्टिप्लेक्स हास्पिटल आदित्या होलिस्टिक केयर का उद्घाटन किया गया. यहां जेनरल वार्ड में मरीजों की सुविधा का ख्याल रखा गया है, जिसमें फुल एसी रूम और 24 घंटे डॉक्टर और ख्याल रखने के लिए सिस्टर उपलब्ध है. उक्त बातें चास-रामगढ हाइवे फोरलेन पर अस्पातल के उद्घाटन करते हुए अस्पातल के निर्देशक मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा.

श्री गुप्ता ने कहा कि आँख के उपचार के लिये स्पेशलिस्ट डॉक्टर पारक्षित नंदी (बर्धमान) बंगाल से हैं और यहां पर आंखों में ग्लूकोमा, मोतियाबिंद, मधुमेह संबंधी, रेटिनोपैथी, दृष्टिवैषम्य, मंददृष्टि, कॉर्निया का घर्षण, सूखी आंखें, रेटिना अलग होने का इलाज किया जाएगा. अस्पताल में जेनरल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर बिकाश कुमार भी मौजूद रहेंगे. इस मौके पर कई डॉक्टर, समाजसेवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल में सौ प्रतिशत प्लेसमेंट

- सभी छात्रों को मिला एक-एक सोलर किट

संवाददाता। बोकारो

वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल से सोलर पीवी इंस्टॉलर ट्रेड प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 35 छात्रों के बैच को सम्मानित करने के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया. ये सभी छात्र चंदनकियारी और चास ब्लॉक में पड़ने वाले ईएसएल स्टील लिमिटेड सीएसआर के संचालन गांवों से संबंधित हैं. इस अवसर पर सभी को फिलमून बिलुंग डीडीएम, नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) और राकेश कुमार मिश्रा, उप प्रमुख, सीएसआर - ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा सम्मानित किया गया.

इन 35 छात्रों ने न केवल सफलतापूर्वक अपना कोर्स पूरा किया, बल्कि उन सभी ने हैदराबाद स्थित प्रीमियर एनर्जी के साथ प्लेसमेंट भी हासिल किया है, जो अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी है, जिसका औसत सीटीसी 2,00,000 रुपये प्रति वर्ष है.

नाबार्ड की ओर से सराहना के तौर पर सफलतापूर्वक अपना कोर्स पूरा करने वाले सभी छात्रों को एक सोलर किट भेंट की गई. जिसमें विभिन्न उपकरण, औजार और गैजेट शामिल थे, जो उनके पेशे में उनकी मदद करेंगे.

इस अवसर पर सीएसआर ईएसएल स्टील लिमिटेड के उप प्रमुख राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि यह सभी वेदांता संगठनों की एक प्रमुख धारणा है कि हमारे परिचालन गांवों से युवा प्रतिभाओं के कौशल विकास में निवेश करना सिर्फ एक प्रतिबद्धता नहीं है यह एक रणनीतिक अनिवार्यता है. वेदांता ईएसएल कौशल विकास परियोजना के माध्यम से हम न केवल उज्जवल भविष्य को आकार दे रहे हैं, बल्कि निरंतर विकास और प्रगति के लिए एक मजबूत, अधिक सशक्त समुदाय का निर्माण भी कर रहे हैं.

35 उम्मीदवारों के इस बैच को नाबार्ड द्वारा प्रायोजित किया गया था और उन्हें वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल में सोलर पीवी इंस्टॉलर ट्रेड में 6 सप्ताह का गहन प्रशिक्षण दिया गया था. सीएसआर के सामाजिक सुधार हस्तक्षेप कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में स्किल स्कूल हमारी सहयोगी एजेंसी सीड्स के साथ साझेदारी में चलाया जाता है.

जायजा झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की बैठक

अल्पसंख्यकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं : शमशेर

संवाददाता। बोकारो

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री) शमशेर आलम की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय पदाधिकारियों की समाहरणालय सभागार में बैठक हुई. मौके पर आयोग के सदस्य वारीश कुरैशी, उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, डीपीएलआर मेनका, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष समेत सभी संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

आयोग के उपाध्यक्ष ने क्रमवार सभी विभागों में केंद्र एवं राज्य प्रायोजित योजनाओं की प्रगति एवं उसमें विशेष कर अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी की जानकारी प्राप्त की.

टीम ने कल्याण विभाग द्वारा कब्रिस्तान चाहरदिवारी, छात्रावास, छात्रवृति, साईकिल वितरण, वनाधिकार पट्टा, अल्पसंख्यक छात्रावास, चिकित्सीय अनुदान, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि में अल्पसंख्यक समुदाय को दिये गये लाभ की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिया. आयोग ने वित्तीय वर्ष 23-24 एवं 24-25 में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना (अल्पसंख्यक) के तहत कितने आवेदन भेजें गये और कितने का स्वीकृत हुआ प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया.

वहीं, आपूर्ति विभाग अंतर्गत राशन कार्डधारियों की संख्या व उसके अंतर्गत अल्पसंख्यकों को वितरण किये गये राशन कार्ड, सोना-सोबरन धोती साड़ी योजना में दिये गये लाभ की जानकारी ली.

समाज कल्याण विभाग अंतर्गत जिला समाज कल्याण पदाधिकारी से जिले में कुल आंगनबाड़ी केंद्र व अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्र में अवस्थित आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी दी गई. बताया कि बच्चों को समय पर सूखा राशन और पका हुआ भोजन दिया जा रहा है. सामाजिक सुरक्षा कोषांग की ओर से सहायक निदेशक द्वारा सभी तरह के पेंशनधारकों की संख्या का विवरण आयोग को उपलब्ध कराया गया.

बैठक में खनन विभाग, उर्जा, कारा विभाग, उद्योग विभाग, पर्यटन एवं खेल विभाग आदि विभागों की विस्तृत समीक्षा की गई और जरूरी निर्देश दिया. सदस्य ने कहा कि सभी विभागों में बहुत अच्छा काम हुआ है, कुछ विभागों में और बेहतर काम करने की आवश्यकता है.

उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के लिए जो स्कीम राज्य सरकार चला रही है, उसका पूरा लाभ मिलना चाहिए. हम सबका उद्देश्य है कि केंद्र-राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक समुदाय को पहुंचे, कोई भी अल्पसंख्यक समुदाय का व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहें.

बैठक में सिविल सर्जन डॉक्टर दिनेश कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. शफीक आलम, सामान्य शाखा प्रभारी कुमार कनिष्क, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे.

झारखंड में सूखे की दस्तक

अत्यधिक वृष्टि, अल्पवृष्टि और अनावृष्टि का कुचक्र जलवायु में आ रहे बदलाव का नतीजा है. अब तक प्रकृति के इस प्रकोप के प्रति सजगता की साफ कमी दिखती है. यही कारण है कि देश के कुछ हिस्सों में सूखा और अकाल का अंदेशा गहराता रहता है. पिछले तीन सालों से झारखंड इस कुचक्र का शिकार है. बावजूद इसके ठोस कदम उठाने की पहल कम ही दिखती है. इस मौसम में वर्षा के रुख को देखते हुए किसान सहम गए हैं. फौरी तौर पर इस हालात से निपटने की तात्कालिक और दीर्घकालिक रणनीति बनाने की जरूरत है. झारखंड में इस बार मानसून के रूठने का खेल जारी है. 10 जुलाई तक मात्र 135.6 मिमी ही बारिश हुई है. कम बारिश को देखते हुए राज्य सरकार अलर्ट मोड की बात कर रही है. बीते साल के आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2023 में राज्य सरकार ने 17 जिलों के 158 ब्लॉकों को सूखा ग्रस्त घोषित किया था. सरकार का लक्ष्य 16.13 लाख हेक्टेयर में धान लगाने का था, लेकिन मात्र 2.82 लाख हेक्टेयर में धान की बुआई हो पाई थी. राज्य के सिर्फ 4 जिलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई थी, जबकि 19 जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई थी. पूरे राज्य में लगभग 15 लाख किसान इससे प्रभावित हुए थे. यही नहीं, साल 2022 में भी राज्य के 22 जिलों के 260 ब्लॉकों में से 226 को सूखा प्रभावित घोषित किया गया था. इस साल अब तक 53 मिमी कम बारिश होने के कारण परेशानी बढ़ गयी है. अब तक 265.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी. सूचना के अनुसार अब तक राज्य में 18 लाख हेक्टेयर की तुलना में मात्र 58 हजार हेक्टेयर में ही धान के बीज लगाने गए है. इसमें करीब 55 हजार हेक्टेयर में छींटा विधि यानी सूखे खेत की जुताई करके धान का छिड़काव किया गया है. कम बारिश की स्थिति में भी इसमें कम से कम कुछ तो पैदावार होती है. राज्य के अधिसंख्य जिलों में 20 जुलाई के बाद रोपा शुरू हो जाता है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस साल यानी लगातार तीसरे साल राज्य सूखे की चपेट में रहेगा? कम बारिश का असर धान के अलावा अन्य फसलों पर भी पडेगा. अल्पवृष्टि का यह दुष्चक्र क्या प्रकृति प्रदत्त है या मानव सृजित. इस सवाल का उत्तर वैज्ञानिक तरीके से तलाश करने की जरूरत है. झारखंड के इस हालात के निर्माण की पृष्ठभूमि एक दिन में तैयार नहीं हुई है. झारखंड में वर्षा जल के संग्रहण और संकट के समय उसके उपयोग की स्थायी इंतजाम नहीं के बराबर है. कुछ साल पहले राज्य में डोभा बनाने की एक महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के माध्यम से चलायी गयी थी, लेकिन उसका अंजाम क्या हुआ, इसकी ठोस तरीके से जांच करने की जरूरत है. पर्यावरणवादी मानते हैं कि झारखंड में इस संकट का कारण मानवीय गलतियां है. जंगलों के साथ जिस तरह के खिलवाड़ हुए हैं, उससे सबक नहीं सीखा गया है. पर्यारवरण विशेषज्ञ चेतावनी देते आए हैं कि समय रहते जलवायु संकट से निपटने की रणनीति सरकारों को बना लेनी चाहिए. दुनिया के अनेक हिस्सों में इस परिवर्तन की तबाही का मंजर दिखने लगा है.

> सूचना के अनुसार अब तक राज्य में 18 लाख हेक्टेयर की तुलना में मात्र 58 हजार हेक्टेयर में ही धान के बीज लगाने गए है. इसमें करीब 55 हजार हेक्टेयर में छींटा विधि यानी सूखे खेत की जुताई करके धान का छिड़काव किया गया है.

सुभाषित

अहो दुर्जनसंसर्गात् मानहानिः पदे पदे।
पावको लौहसंगेन मुद्गरैरभिताड्यते॥

दुष्ट के संग रहने पर कदम कदम पर अपमान होता है। पावक (अग्नि) जब लोहे के साथ होता है तो उसे घन से पीटा जाता है. इसलिए दुष्टों यानी बुरे लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए, ताकि अपमान और मानहानि का सामना नहीं करना पड़े.

भारत और भारतीयता की पहचान

भारतीय आत्मा और इसकी पहचान के चिंतन, शिल्प, परंपरा और वाड्मय को शब्दों में परिभाषित करने में भले ही कठिनाई महसूस हो, लेकिन इसे साहित्य के द्वारा सहज ही समझा जा सकता है. वह साहित्य जो वैदिक ऋषियों विश्वामित्र, भारद्वाज, भृगुओं एवं वशिष्ठ के माध्यम से होता हुआ वाल्मीकि, व्यास, याज्ञवल्क्य, धौम्य, सूत तक अविच्छिन्न प्रवाहित होता रहा. वहीं सतत प्रवाहित परंपरा का दर्शन कालीदास, शंकराचार्य, रामानुज, चैतन्य, तुलसी, सूर आदि कवियों एवं दार्शनिकों के जीवन और काव्य में प्रवाहित हुआ.

• देश-काल

डॉ. मयंक मुरारी

भारतीय जनमानस में भारत की पहचान की अवधारणा इसके भौगोलिक सत्ता, इसके राजनीतिक शक्ति, अधिकार के विस्तार और विशेष ऐतिहासिक परंपरा में न खोजता है और न ही इसे स्वीकार करता है. भारत भूगोल से ज्यादा एक सतत प्रवाहमान परंपरा है, जो जीवन दर्शन और मूल्यों से खुद को प्रकट करता है. भारतीय सभ्यता हजारों साल के संघर्ष और प्रहारों के बीच भी अक्षुण्ण रहा तो सिर्फ इसलिए कि हमारी जीवन के बीज, आत्मा रूपी परमतत्व समय के विभिन्न अंतरालों पर खुद को प्रकट, परिभाषित और पुनर्स्थापित करते रहे हैं. भारत की पूरी विचार परंपरा को गोस्वामी तुलसीदास ने अपने रामचरित मानस ग्रंथ में नाना पुराण निगमागम सम्मतम् कह कर पुकारा है. निगम, आगम और पुराण वे ग्रंथ और पोथियां हैं, जिनमें भारतीय परंपरा का बीज और विस्तार की संभावना का विशद उल्लेख मिलता है. यह परंपरा सनातन है, शाश्वत है और सशक्त है.

निगम, आगम और कथाओं में भारत की पूरी विचार परंपरा का मर्म छिपा है. इन ग्रंथों में भारतीय जीवन के मर्म का वर्णन है. निगम के अंतर्गत चारों वेद, समस्त ब्राह्मण, अरण्यक और उपनिषद साहित्य आते हैं. आगम में हमारी परंपरा के वे तंत्र ग्रंथ आते हैं, जो वैदिक साहित्य और परंपरा से अलग होते हैं. इनमें समस्त जैन और बौद्ध ग्रंथ आते हैं. निगम कर्म, ज्ञान और उपासना के स्वरूप को उजागर करता है तो आगम में इनकी साधना का वर्णन मिलता है. इस प्रकार विभिन्न मतों में पूजा और उपासना के तरीके तंत्रशास्त्र के साथ आगम में माने जाते हैं. इनके अलावा भारत में एक समृद्ध कथा परंपरा रही है, जिसमें रामायण, महाभारत, पुराण, जातक कथाएं आती हैं. इन कथाओं में भारतीय दर्शन का बीज और विस्तार का वर्णन है. इन निगम, आगम और कथाओं में भारत की विचारधारा, जीवन-दर्शन, व्यक्तित्व का इतिहास लिखा है. निगम को वैदिक और आगम को वैदिकेतर परंपरा कहा गया. इसे ब्राह्मण और श्रमण परंपरा के नाम से भी कहा जाता है. भारत का संपूर्ण दर्शन इन्हीं तीन परंपराओं से निखरकर विकसित हुआ है और इनसे ही संपूर्ण धर्म, दर्शन और मत तथा संप्रदाय परंपरा इन्हीं से जीवन की शक्ति को प्राप्त करती है. इन आगम निगम पुराणों रूपी पोथियों में ही संरक्षित नहीं रहे, बल्कि यह आत्मजागरण के माध्यम से समूचे भारतीय जनमानस में प्रवहमान रहा.

जिस भारतवर्ष रूपी भौगोलिक सत्ता में हम वास करते हैं, वह राष्ट्र है, उसे महापृथ्वी कहा गया है. वह मातृभूमि भी है. भारत का विचार हमारे चिंतन में पृथ्वी शब्द के साथ ही आया, जब हमने कहा कि माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः अर्थात् भूमि माता है और हम उसके पुत्र हैं. जिस समय यह माता और पुत्र का भाव जगा, हमने प्रणाम भाव से मातृभूमि को अपनी वंदना निवेदित की- नमो मात्रो पृथ्व्यै. नमो मात्रो पृथिव्यै. अर्थात् माता पृथ्वी को प्रणाम है, माता पृथ्वी को प्रणाम है. यह प्रणाम भाव ही भूमि और जन के बीच दृढ संबंध का परिचायक है. निगम ग्रंथों में वर्णित इसी बात को आगम ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में महापृथ्वी के रूप में आया है. इसमें महात्मा बुद्ध ज्ञान प्राप्त करने के पूर्व उन्हें स्वप्न में इसका पूर्वाभास हो गया था. सपने में बुद्ध भारत देश पर लेटे हुए हैं, मानो वह कोई बड़ा बिस्तर हो. उनका सर हिमालय पर टिका है. बायां हाथ पूर्वी समुद्र महोदधि में तथा दाहिना हाथ पश्चिमी समुद्र रत्नाकर में तथा दोनों पैर हिंदमहासागर में दिखाया गया है. यह भारत के भूगोल का चित्रण है.

भारतीय आत्मा और इसकी पहचान के चिंतन, शिल्प, परंपरा और वाड्मय को शब्दों में परिभाषित करने में भले ही कठिनाई महसूस हो, लेकिन इसे साहित्य के द्वारा सहज ही समझा जा सकता है. वह साहित्य जो वैदिक ऋषियों विश्वामित्र, भारद्वाज, भृगुओं एवं वशिष्ठ के माध्यम से होता हुआ वाल्मीकि, व्यास, याज्ञवल्क्य, धौम्य, सूत तक अविच्छिन्न प्रवाहित होता रहा. वहीं सतत प्रवाहित परंपरा का दर्शन कालीदास, शंकराचार्य, रामानुज, चैतन्य, तुलसी, सूर आदि कवियों एवं दार्शनिकों के जीवन और काव्य में प्रवाहित हुआ. पुनः 19 वीं सदी के पुनर्जागरण काल में विवेकानंद, दयानंद, गांधी, अरविंद, तिलक के माध्यम से भारतीय आत्मा का पुनःप्रकटीकरण हुआ. भारत का संपूर्ण धर्म का बीज और आत्मा इन्हीं तीन परंपराओं के माध्यम से खुद को प्रकट किया. इस्लामिक आक्रमण के दौरान हमारे ये निगमागम और कथाएं अक्षुण्ण रहीं, लेकिन अंग्रेजों ने प्राणघट को पहचान कर इसपर प्रहार किया. इस कारण हम इन परंपराओं से दूर होते चले गये और आज अपनी ही कथाओं एवं विचारों पर सवाल उठाते हैं. वाल्मीकि, व्यास, सूत, शौनक और उसके बाद की परंपराओं ने भारतीय आत्मा को इन पौराणिक कथाओं के माध्यम से बचाने का प्रयास किया.

जब हम भारत की पहचान की खोज करते है, तो जंबूद्वीप में भारत को भुवनकोश में विश्वात्मा कहा गया है तो श्रीमदभागवद (5/16) में सप्तद्वीप नौ खंड के समवाय को भगवतो गुणमये स्थूल रूपः अर्थात् भगवान का स्थूल लीला-विग्रह कहा गया है. आगम और निगम से अलग कथाओं में इसका काफी रोचक वर्णन है. रामकृष्णदेव कहते है कि परमतत्व तो एक ही है. उसकी लंबी चौड़ी मूर्ति चाहिए तो पंडाल में स्थापित कर दो. जहां दुर्गा के दस भुजा बनाओ. छोटा चाहिए तो त्रिभंगी मुरलीधर बना दो. इससे भी छोटे की इच्छा है तो बालगोपाल का रूप दे दो. और सूक्ष्मतर चाहिए तो शालीग्राम का विग्रह ले लो. चाहे जो विग्रह लो, जिसका भी अर्चन करो, पुष्प चढ़ाओ. अंत में भावांजलि उसी परम को पहुंचेगा. इसी प्रकार भारतवर्ष की पहचान के लिए आगम, निगम और कथाओं को पढ़ें, हमें भारत का परिचय मिल जायेगा. निगम में बुद्धिजीवी की भूख मिलेगी, तो आगम में ज्ञान की खोज पूरी होगी. जन सामान्य के लिए कथाएं हैं-रामायण की, महाभारत और पुराणों की. जातक एवं लोक की समृद्ध कथा संसार में भारत का जीवंत परिचय मिलेगा. निगम साहित्य संस्कृत में तो आगम साहित्यों की समय सापेक्ष भाषाएं रहीं, जबकि लोक साहित्य लोकभाषा में होने के कारण ज्यादा स्वीकार किया गया.

(ये लेखक के अपने विचार हैं.)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अहिंसा और पर्यावरण

पर्यावरण आज विश्व की गम्भीर समस्या हो गई है. प्रकृति को बचाना अब हमारी ज्वलंत प्राथमिकता है. लेकिन प्राकृतिक सन्तुलन को विकृत करने में स्वयं मानव का ही हाथ है. पर्यावरण और प्रदूषण मानव की पैदा की हुई समस्या है. प्रारम्भ में पृथ्वी घने वनों से भरी थी, लेकिन जनसंख्या वृद्धि और मनुष्य के सुविधाभोगी मानस ने, बसाहट, खेती-बाडी आदि के लिए वनों की कटाई शुरू की. औद्योगिकीकरण के दौर में मानव नें पर्यावरण को पूरी तरह अनदेखा कर दिया. जीवों के आश्रय स्थल उजाड़ दिए गये. न केवल वन सम्पदा और जैव सम्पदा का विनाश किया, बल्कि मानव ने जल और वायु को भी प्रदूषित कर दिया. कभी ईंधन के नाम पर तो कभी इमारतों के नाम पर. कभी खेती के नाम पर, मानव प्राकृतिक संसाधनों का विनाशक दोहन करता रहा. वन सम्पदा में पशु-पक्षी आदि, प्राकृतिक सन्तुलन के अभिन्न अंग होते है. प्रकृति की एक समग्र जैव व्यवस्था होती है. उसमें मानव का स्वार्थपूर्ण दखल पूरी व्यवस्था को विचलित कर देता है. मनुष्य को कोई अधिकार नहीं प्रकृति की उस व्यवस्था को अपने स्वाद, सुविधा और सुन्दरता के लिए खण्डित कर दे. जीव-जन्तु हमारी ही भांति इस प्रकृति के आयोजन-नियोजन का अटूट हिस्सा होते हैं. वे पूरे सिस्टम को आधार प्रदान करते है. प्रकृति पर केवल मानव का मालिकाना हक़ नहीं है. मानव को समस्त प्रकृति के संरक्षण की शर्तों के साथ ही अतिरिक्त उपयोग बुद्धि मिली है. शर्तें और विधान, यह सुनिश्चित करते हैं कि सुख सभी को समान रूप से उपलब्ध रहे. इसीलिए विश्व के सभी धर्मों के प्रणेता व महापुरुष, हिंसा, क्रूरता, जीवों को अकारण कष्ट व पीड़ा देने को गुनाह कहते हैं. वे प्रकृति के संसाधनों के मर्यादित उपभोग की सलाह देते हैं. अपरिग्रह का उपदेश देते हैं. मन वचन काया से संयमित, अनुशासित रहने की प्रेरणा देते हैं. इसी भावना से वे प्राणी मात्र में अपनी आत्मा सम झलक देखते/दिखलाते हैं. जब वे कण-कण में भगवान होने की बात करते हैं तो अहिंसा का ही आशय होता है. सभी को सुख प्रदान करने के उद्देश्य से ही वे यह सूत्र देते हैं कि 'आत्मा सो परमात्मा' या हर जीव में परमात्मा का अंश होता है. यह भी कहा जाता है कि सभी को ईश्वर ने पैदा किया अतः सभी जीव ईश्वर की सन्तान हैं. इसीलिए जीव-जन्तु, पशु-पक्षियों के साथ दया, करुणा का व्यवहार करनें की शिक्षा दी जाती है. सारी बुराइयां किसी न किसी के लिए पीड़ादायक हिंसा बनती हैं. अतः सभी सद्गुणों को अहिंसा में समाहित किया जा सकता है. यही धर्म है. यही प्रकृति का धर्म है. यही सुनियोजित जीवन का विधान है. अर्थात्, अहिंसा पर्यावरण का संरक्षण विधान है.

राजनीति को चाहिए शालीन भाषा और आचरण

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है. हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है. जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में, लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे. अब इन्हीं चुनाव की बात करें- मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट कर दिया है. एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये. इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं? राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है. दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी. दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात् रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे. असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है, जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं. कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है. सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है? सवाल यह भी उठता है कि आखिर सांसदों या विधायकों का सदन में और सदन के बाहर भी, व्यवहार कैसा होना चाहिए? इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं. हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है. कंजरवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है. भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर्स ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं, उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक-दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए. अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे. उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सबकी सफलता होगी. वे जन-हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं.' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया. उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं. वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे. इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता. हम उसकी प्रशंसा करते हैं. हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते-समझते हैं.' राजनीतिक विरोधियों को इस बात को हमेशा ध्यान में रखना होगा कि एक-दूसरे का सम्मान करके ही वे व्यवहार की शालीनता को बनाये रख सकते हैं. बशीर बद्र का एक शे'र है 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों.' मुझे लगता है हमारे राजनेताओं को यह बात याद रखने की आवश्यकता है. एक बात और, जो जितना बड़ा नेता है, उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही बड़ी होती हैं. हमारे नेताओं को इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही होगा. सवाल उनकी कथित शान का नहीं, उन मतदाताओं की इज्जत का है जिन्होंने उन नेताओं को अपना प्रतिनिधि चुना है. बहस के दौरान अपने-अपने मत को मजबूती से रखने का मतलब एक-दूसरे को भला-बुरा कहना नहीं होता. और अपनी बात को रखने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे की बात सामने आ ही न सके. वाल्तेयर ने कहा था, 'हो सकता है मैं आपकी बात से सहमत न होऊं, पर अपनी बात रखने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपनी अंतिम सांस तक करूंगा.'

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है, जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं. कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है.

तर्कशील समाज के निर्माण की पहल की जरूरत

• चिंतन

क्षमा शर्मा

इन दिनों एक बाबा बहुत चर्चा में हैं. उसके द्वारा आयोजित सत्संग में एक सौ इक्कीस लोगों की जान जा चुकी है. न जाने कितने घायल हुए हैं. मरने वालों में स्त्रियां और बच्चे भी हैं. हमें बुरा तो लगता है, जब पश्चिम के लोग भारत को चमत्कार और अंधविश्वासों का देश कहते हैं, मगर किसी हद तक सच भी है. हालांकि, पश्चिम के लोग भी कोई कम नहीं, जहां बहुत से धूर्त चमत्कारी पानी पिलाकर लोगों को ठीक करने का दावा करते हैं. अपने यहां भी ऐसा होता है. भारत में ऐसे असंख्य बाबा हैं, जिनके असंख्य भक्त भी हैं. बड़े-बड़े आश्रम हैं. सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं. इनमें से बहुत से गम्भीर अपराधों में पकड़े भी गए हैं, मगर एक पकड़ा जाता है तो दस प्रकट हो जाते हैं.लोग कह रहे हैं कि आखिर ऐसे बाबाओं के फेर में जनता आती ही क्यों है. इसका एक बड़ा कारण तो ऐसे बाबाओं का प्रभामंडल इस तरह से गढ़ा जाता है कि लोग इनके जाल में फंस जाते हैं. ये लोगों को परेशानियों से मुक्ति का भ्रम देते हैं. आखिर बीमारी की अवस्था में परेशान लोग डाक्टरों के पास क्यों नहीं जाते. इसका बड़ा कारण है. अपने देश में चिकित्सा सुविधाओं का घोर अभाव. दूर-दराज के गांवों को तो छोड़िए, छोटे शहरों तक में ऐसे अस्पताल नहीं हैं, जो ठीक-ठाक इलाज कर सकें. जो हैं उनमें से बहुत से ऐसे हैं, जो मरीज और उसके परिजनों को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझते हैं. यही कारण है कि बड़े शहरों में जो प्रसिद्ध अस्पताल हैं, वहां भीड़ बढ़ती जाती है और डाक्टर ओवर वर्क्ड होते हैं. इसके अलावा लोगों की आस्था भी होती है कि वे किसी बाबा की शरण में जाएंगे तो उसके हाथ लगाते ही बीमार व्यक्ति ठीक हो जाएगा. वैसे अपने देश में देवताओं की भी कोई कमी नहीं है. तैंतीस कोटि देवता बताए जाते हैं. बहुत से लोकल गॉड्स भी हैं. वे भी लोगों द्वारा पूजे जाते हैं. तब हर रोज बनते इन बाबाओं का क्या काम. लेकिन अक्सर ये बाबा भी अपने को किसी भगवान का अवतार घोषित कर देते हैं. इस संदर्भ में बचपन की एक घटना याद आती है. बड़े भाई को बचपन से ही पोलियो था. मां कहती थी कि उनके दोनों पैरों में पोलियो हुआ था. एक वैद्य ने उनका एक पांव का पोलियो ठीक कर दिया था, लेकिन दूसरे पैर का इलाज करते वक्त, उसे दादा जी का नाम पता चला. दादा जी ने गणित के इम्तिहान में उसके आग्रह के बावजूद उसके बेटे को पास नहीं किया था. वैद्य ने दुश्मनी निभाई और भाई का इलाज नहीं किया. खैर, मां और पिता जी के प्रयत्न से बड़े भाई बहुत उच्च शिक्षित हुए और कालेज में पढ़ाने लगे. एक बार आगरा में खबर फैली कि पास के गांव में एक बाबा आने वाले हैं. उनके हाथ लगाते ही बड़े से बड़ा रोग ठीक हो जाता है. मां उन दिनों वहीं थीं. वह भाई के पीछे पड़ गई. भाई ने बहुत विरोध किया. कहा कि उन्हें इन चीजों में कतई विश्वास नहीं है. मगर मां नहीं मानी. उसने खाना-पीना छोड़ दिया. अंत में भाई को उनकी जिद के आगे झुकना पड़ा. मां के साथ भाई और तीन-चार साल की यह लेखिका भी वहां पहुंची, जहां बाबा को आना था. वहां बेहद भीड़ थी. बाबा के लिए चार बांसों पर खटोला लगाकर एक मंच बनाया गया था. भीड़ शाम तक इंतजार करती रही मगर बाबा नहीं आया. सब निराश होकर लौट गए. कुछ दिन बाद खबर आई कि वह बाबा स्मगलिंग के केस में पकड़ा गया था. यह भी कितने अफसोस की बात है कि बहुत से ऐसे बाबाओं को मीडिया का एक बड़ा हिस्सा खूब दिखाता है. उसका मानना है कि चूंकि बड़ी संख्या में लोग इनके अनुयायी होते हैं, इसलिए उनके चैनल की लोकप्रियता बढ़ती है. यही हाल राजनेताओं का भी है. वे अक्सर इन बाबाओं के खिलाफ इसी डर से नहीं बोलते कि इनके अनुयायी उन्हें वोट नहीं देंगे. हाथरस वाले बाबा के प्रसंग में भी यही सब हो रहा है. सिवाय दलितनेत्री मायावती के शायद ही कोई बोला है. यहां यह भी बताना समीचीन है कि यह घटना हाथरस के पास के शहर सिकंदरा राऊ के पास हुई है. लेकिन चैनल्स और अखबार इसे हाथरस बता रहे हैं. कुछ साल पहले जिस बच्ची के संदर्भ में हाथरस का जिक्र आया था, वह जगह भी हाथरस से लगभग बारह किलोमीटर दूर चंदपा थी. लेकिन दोनों प्रसंगों में नाम हाथरस का बदनाम हो रहा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वैसे अपने देश में देवताओं की भी कोई कमी नहीं है. तैंतीस कोटि देवता बताए जाते हैं. बहुत से लोकल गॉड्स भी हैं. वे भी लोगों द्वारा पूजे जाते हैं. तब हर रोज बनते इन बाबाओं का क्या काम. लेकिन अक्सर ये बाबा भी अपने को किसी भगवान का अवतार घोषित कर देते हैं. इस संदर्भ में बचपन की एक घटना याद आती है. बड़े भाई को बचपन से ही पोलियो था.

मीडिया में अन्यत्र

कर्नाटक गिग श्रमिकों के लिए विधेयक

भारत के गिग श्रमिकों, जो तादाद में लगातार बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन अनियमित श्रम भंडार में जिनकी हैसियत अनिश्चित बनी हुई है, को कर्नाटक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिक (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2024 एक स्वागतयोग्य राहत प्रदान करता है, लेकिन इन श्रमिकों को कर्मचारी होने की सुरक्षा प्रदान करने के लिहाज से यह विधेयक अभी भी कमतर ही है. जब एक दशक पहले राइड-शेयरिंग और फूड डिलीवरी ऐप के सौजन्य से ऐप-आधारित गिग कार्य की शुरुआत हुई थी, तो 'कर्मचारी' शब्द की अनुपस्थिति को वास्तव में एक सकारात्मक पहलू के रूप में देखा गया था. इस क्षेत्र ने कथित तौर पर 'साझेदारों' को अपनी स्वायत्तता बनाए रखने और काम के घंटों से संबंधित किसी सख्त अनुबंध में बंधे बिना अच्छा पैसा कमाने का मौका दिया. पर वह भ्रम जल्द ही दूर हो गया, क्योंकि आमदनी कम हो गई एवं काम के घंटे बढ़ गए और 'कर्मचारी' की औपचारिक हैसियत की गैरमौजूदगी ने श्रमिकों को सुरक्षा जाल या सरकारी विनियमन के अभाव में एग्रीगेटर और सर्व-शक्तिशाली एल्गोरिदम के रहमोकरम पर छोड़ दिया. इसके बावजूद, गिग अर्थव्यवस्था बढ़ रही है. नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दशक की शुरुआत में भारत में कुल 77 लाख गिग श्रमिक थे और 2029-30 तक इन श्रमिकों द्वारा देश की आय में 4.1 फीसदी का योगदान किये जाने और उनकी तादाद गैर-कृषि श्रमशक्ति का 6.7 फीसदी होने का अनुमान है.

एक अधिकार-आधारित कानून वाले इस मसौदा विधेयक का मकसद मनमाने ढंग से बर्खास्तगी को रोकना, मानव शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करना तथा स्वचालित निगरानी व एल्गोरिदम-आधारित भुगतान की अपारदर्शी उलझन में और ज्यादा पारदर्शिता लाना है. यह केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 से एक दर्जा ऊपर है. कर्नाटक का कानून एक कल्याण बोर्ड एवं कोष के जरिए सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान करता है. इस कोष में सरकार और एग्रीगेटर की ओर से या तो ऐप पर प्रत्येक लेनदेन में हिस्से के जरिए या राज्य में प्लेटफॉर्म के कारोबार के प्रतिशत के रूप में योगदान होगा. इन प्लेटफॉर्मों की मालिक बनने वाली कई कंपनियों द्वारा न्यूनतम मुनाफा की जानकारी दिए जाने के मद्देनजर, श्रमिक संघों ने सही ही मांग की है कि प्रत्येक लेनदेन पर कल्याण शुल्क को एक उपकर के रूप में लिया जाए. संशयवादी असंगठित क्षेत्र से संबंधित अन्य कल्याण बोर्डों की मृतप्राय स्वरूप की ओर ध्यान दिलाते हैं, लेकिन इस किस्म के बोर्ड के साथ अनिवार्य पंजीकरण का एक फायदा यह होगा कि इससे गिग श्रमिक कानून की नजरों में दिखने लगेंगे. कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का लक्ष्य विधानसभा के मानसून सत्र में इस विधेयक को पारित करना है और उसे जल्दी से नियम बनाने होंगे एवं कल्याण बोर्ड की स्थापना करनी होगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कानून साल खत्म होने से पहले लागू हो जाए.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आपत्ति/विपत्ति

आप जो कर रहे हैं, उसपर मेरी आपत्ति है, क्योंकि मुझे पता है कि इससे आप बहुत बड़ी विपत्ति में फंसनेवाले हैं. आपत्ति के समय किससे सहयोग की अपेक्षा करेंगे? इन वाक्यों को देखने से ऐसा लगता है कि आपत्ति और विपत्ति दोनों कुछ अर्थों में समानार्थी या पर्याय हैं. दोनों के बीच समानता यह है कि ये दोनों संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. हिंदी शब्दकोशों के अनुसार आपत्ति का मतलब है एतराज, उज्र, प्रतिवाद, विरोध, संकट. इसी प्रकार विपत्ति का अर्थ है संकट, आपत्ति, मुसीबत, कठिनाई, झंझट का काम. दोनों शब्दों के अंतर तब स्पष्ट होते हैं, जब ये व्यवहार में आते हैं. आपत्ति और विपत्ति में मुख्य अंतर यह है कि आपत्ति एक छोटी सी परेशानी है, जबकि विपत्ति एक बड़ी और गंभीर समस्या है. आपत्ति को अक्सर एक अस्थायी समस्या के रूप में देखा जाता है, जबकि विपत्ति को अक्सर एक लंबे समय तक चलने वाली या स्थायी समस्या के रूप में देखा जाता है. बगैर किसी पूर्वानुमान के अचानक किसी मुसीबत का आ जाना आपत्ति कहलाता है, जबकि वही आपत्ति अगर बहुत दिनों तक ठहर जाए तो विपत्ति कहलाती है. बुखार आना आपत्ति है, किंतु उसी बुखार का मलेरिया, डेंगू आदि के रूप में बदल जाना विपत्ति है. तेज मूसलाधार बारिश का आना आपत्ति है तथा उसी मूसलाधार का रुककर लगातार होते ही जाकर बाढ़ में परिवर्तित हो जाना विपत्ति है. आपत्ति सायास होती है, जबकि विपत्ति अनायास. आपत्ति दूसरों के द्वारा होती है, लेकिन विपत्ति प्राकृतिक. आपत्ति का निराकरण संभव है, लेकिन विपत्ति को दूर करना बहुत ही मुश्किल. मृत्यु से उत्पन्न विपत्ति का तो निराकरण असंभव ही होता है. खोयी हुई चीज या खोया हुआ प्राणी यदि न मिले तो यह संकट सदैव बना रहता है. आपत्ति कालांतर में विधिक रूप भी ले सकती है लेकिन विपत्ति नहीं. आपत्ति किसी कार्य योजना को बाधित करती है, लेकिन विपत्ति हर हाल में नुकसान पहुंचाती है.

बाबा आयोग के गठन की जरूरत

• तीर-तुक्का

डॉ. रामवृक्ष सिंह

अपने देश में बाबाओं की बढ़ती संख्या, समाज में उनके महत्त्व, देश की अर्थव्यवस्था, राजनीति आदि में उनके अमूल्य और अपरिहार्य योगदान को देखते हुए यह समीचीन रहेगा कि सरकार अलग से बाबा आयोग का गठन करे. इससे कई फायदे होंगे. अभी प्रामाणिक तौर पर कोई यह नहीं बता सकता कि देश में कितने बाबा हैं. लेकिन उनकी संख्या कई लाख होगी, और उसी अनुपात में बाबा लोगों के कई प्रकार भी होंगे. बूढ़े-जवान, अधेड़, महिला-पुरुष, गृहस्थ, गृह-त्यागी, घोषित पत्नी-धारी, अघोषित पत्नी-धारी, पत्नी-भोगी, पत्नी-त्यागी, गरीब और फक्कड़, घुमक्कड़, मठाधीश, मंदिर-स्वामी, आश्रम-स्वामी, नदी तीर-वासी, अरण्य वासी, नगर-वासी, ग्राम-वासी, मज़ार वाले बाबा, पीर बाबा, पैदाइशी बाबा, व्यवसाय अंतरण के पश्चात् बने बाबा, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले बाबा, पेरोल से भागे बाबा, बलात्कारी बाबा, डकैत बाबा, कट्टाधारी बाबा, त्रिशूलधारी बाबा, चिमटे वाले बाबा, नागा बाबा, वस्त्रधारी बाबा, नित स्नान करनेवाले बाबा, महीनों न नहानेवाले बाबा, शराबी बाबा, कबाबी बाबा, चिलम सुलगाकर सुल्फा-गाँजा चढ़ानेवाले बाबा, बम-बम बाबा, हरि-हरि बाबा, पुलिस के संरक्षण वाले बाबा, नेता और मंत्रीजी के गुरु बाबा, केवल युवा महिलाओं को शिष्या बनानेवाले बाबा, शर्तिया बेटा देने वाले बाबा, पदोन्नति देने वाले, प्रेमिका पटाने का मंत्र और भभूत देनेवाले बाबा, मद्रासी बाबा, नेपाली बाबा, बंगाली बाबा, वशीकरण मंत्र फूँकने वाले बाबा, गंडे वाले बाबा, ताबीज वाले बाबा, कैमरे वाले बाबा, मोबाइल वाले बाबा, दंडी बाबा, लात मारने वाले बाबा, सहलाने वाले बाबा, गले लगानेवाले बाबा, जटाधारी बाबा, गंजे बाबा, पाजामा-कुर्ता वाले बाबा, लंगोट धारी बाबा, लुंगी वाले बाबा, गेरुए वाले बाबा, हरे कपड़ों वाले बाबा, दाढ़ी-मूँछ वाले बाबा, सफाचट बाबा, बदबू छोड़नेवाले बाबा, सेंट लगानेवाले बाबा, औघड़ बाबा, कमंडल बाबा, ..अरे राम-राम, बाबा लोगों की इतनी प्रजातियाँ और प्रकार हैं कि उनकी गणना और वर्गीकरण करना तो किसी आयोग या मंत्रालय के ही वश की बात है. पाठक पूछेंगे कि बाबा मंत्रालय बनने से शासन और समाज को क्या लाभ होगा? तो हमारा मंतव्य है कि बाबाओं के पंजीकरण और विनियमन से शासन को कम से कम यह तो पता रहेगा कि अमुक-अमुक इलाके में और अमुक-अमुक कोटि-कैटेगरी के इतने बाबा यहां-यहां हैं. मंत्रालय की वेबसाइट पर बाबा लोगों के ब्यौरे होंगे. तब देश के जिस नागरिक को जो सुविधा या सेवा चाहिए होगी, या जिस समस्या से निजात पानी होगी वह उसके अनुरूप बाबा की जानकारी वेबसाइट से ही पा लेगा. अभी तो बाबा लोगों का सारा कारोबार बसों या सार्वजनिक मूत्रालयों में चस्पा पैंफलेटों के ज़रिए, देश के नामचीन भाषायी अखबारों में छपे विज्ञापनों और चेलों-चपाटों की जबानी किए गए प्रचार के भरोसे चलता है. बाबाओं के पंजीकरण-शुल्क से देश के राजकोष में भी वृद्धि होगी.

धर्म अध्यात्म

गांवों में आज भी दिखता मौरसेरी परब का उत्साह

गुलांचो कुमारी

रथयात्रा को गांव में कोई नहीं जानता, वे जानते हैं 'मौरसेरी' परब को. गांव में मौरसेरी आता है तो अपने साथ ढेरों खुशियां लेकर आता है. हमारे बाल मन में इस दिन के लिए कितने अनगिनत अरमान जगते थे. महीना प्रारंभ होते ही दिन गिनना शुरू कर देते. टुंगरी को दुल्हन की तरह सजाया जाता जैसे उसकी भी बारात आने वाली हो.

नवविवाहितों का उत्साह

गांव में हर साल शादियां होती हैं. साल भर में जितनी दुल्हन गांव में आती, वे सभी के सभी इस त्योहार में शामिल होती. दूल्हा-दुल्हन दोनों ही सजते. बच्चों के बारे में तो पुछिए मत, दुल्हन से ज्यादा सजते संवरते. यदि दुल्हन अपने परिवार की रहे तब तो क्या ही कहने ! घर शादी घर में तब्दील हो जाता. सुबह से ही घर की साफ -सफाई, साथ में मक्का, धान, बाजरा, चना आदि का लावा फूटना शुरू हो जाता. जो 'दौरा' भर फूट लेने के बाद ही रूकता था. लावा भूंजने का काम दुल्हन की दादी, नानी, फुआ या ननदों के जिम्मे रहता था. बच्चे तो केवल मस्ती करते.

नइया/गोड़ाइत की हांक और लोकगीत

दोपहर दो बजे के बाद पूरे गांव में नइया/गोड़ाइत हांक लगा कर आगाह कर देता कि अब निकलने वाले हैं. गांव की सभी दुल्हन एक साथ डहरती मौरसेरी टुंगरी की ओर. किसके परिधान-गहने अधिक महंगे हैं की पड़ताल करते हुए. कुछ महिलाओं के मनभावन लोकगीत से डहर गूंज उठता. ढोल नगाड़े संग पुरे गांव के बच्चे, महिलाएं, दूल्हे सब बारात की तरह जाते. जाते ही बुजुर्ग महिलाएं एक तरफ अखड़ा सजा कर नाचने लगती.

हास-परिहास के बीच रस्म

वहीं दूसरी तरफ दुल्हनों को गोड़इतिन, बांस पेड़ तले अपने पुरखा नेगानुसार पूरी श्रद्धा व आस्था से मौरों को विसर्जित करवाती. दुल्हने एक एक कर बांस पेड़ पर मौर टांगती और उज्जवल भविष्य 'दूधो नहाय-पूतो फल ' का आशीर्वाद लेती. उसके बाद ही लावा और मिठाइयां बांटी जाती. फिर नई-नवेली दुल्हनों को नचाया जाता. मजाक के लहजे में (जो रिश्ते में दादी लगती) किसकी बहू कैसी है जांचा जाता. फब्तियां कसी जाती. वहीं कहीं दूर से ही दुल्हनों को निहार रहे दूल्हे इन पलों का आनंद उठाते दिखते. उनके बीच का प्रेम भाव थोड़ा और गाढ़ा हो उठता. प्रेम को पल्लवित-पुष्पित करने वाले इन रस्मों के बीच मौरसेरी का त्योहार गांव में मनाया जाता.

मौरसेरी भूल गया शहर !

किंतु वर्तमान में जैसा कि रथयात्रा के दिन रांची शहर में शहरी लोगों का बेढंगापन देख आयी हूं, लगा नहीं कि वे मौरसेरी का मतलब भी जानते हैं. सड़क किनारे एक बांस की नन्हीं सी डाली रख दो और फेक दो सारे मौर को जो विधि -विधान कर लेने के बाद पहने गये थे. इससे तो लाख गुना अच्छा है हमारा गांव !

इसलिए अधूरी रह गई जगन्नाथ प्रभु की मूर्ति

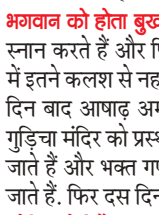

पुष्पा पाण्डेय

शास्त्रों में पुरुषोत्तम क्षेत्र को दूसरा बैकुंठ कहा गया है. नीलांचल पर्वत पर एक गुप्त गुफा में नीलमाधव भगवान जगन्नाथ निवास करते थे, जो देवताओं के लिए भी गुप्त था. उज्जैन के राजा इन्द्रद्युम्न बहुत बड़े वैष्णव भक्त थे. एक दिन नदी किनारे वे यज्ञ कर रहा थे तो तीर्थ यात्रियों के झुंड से एक यात्री उन्हें पुरुषोत्तम क्षेत्र और नीलमाधव के बारे में बताया. वो कोई और नहीं विष्णु भगवान ही थे. राजा को उस नीलमाधव प्रभु का दर्शन करने की प्रबल इच्छा हुई और वे अपने मंत्रियों से पता लगवाकर उस नीलंचल पर्वत पर अपनी प्रजा सहित आकर बस गये. नादर जी उनके पथ-प्रदर्शक बने थे. घोर तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने अपना दर्शन दिया और कहा कि एक विशेष प्रयोजन तुम्हारे ही हाथों होना तय है. ऐसा कह भगवान अन्तर्ध्यान हो गये. राजा इन्द्रद्युम्न बहुत दुखी हुए तो आकाशवाणी हुई कि मैं पर्वत के एक वृक्ष में अवस्थित हूं. जिस वृक्ष में चार भुजाएं होगी उसी लकड़ी की मूर्ति बनवाकर मंदिर में स्थापित करना. किसी दूसरे पुराण में वर्णित है कि समुद्र में चार लकड़ी का गट्ठा तैरकर किनारे लगा था और राजा को स्वप्न हुआ कि तुम इस लकड़ी से मेरी मूर्ति बनाओ. बलराम, जगन्नाथ, सुभद्रा और एक लकड़ी का चक्र. मैं इस लकड़ी में विराजमान हूं. खैर. हरि अनंत हरि कथा अन्नता....

बढ़ई बन कर आए भगवान विश्वकर्मा : राजा के दरबार में एक वृद्ध बढ़ई आया जो इस मूर्ति को बनाने का काम लिया. वास्तव में वह बढ़ई विश्वकर्मा भगवान थे. शर्त ये थी कि जब- तक मूर्ति तैयार नहीं हो जाती तब- तक कोई उस कमरे का दरवाजा नहीं खोलेगा, जिस कमरे में निर्माण कार्य हो रहा है.

कपाट खोलते ही होता मूर्तिकार गायब : पन्द्रह दिन बीतने के बाद राजा को चिन्ता हुई कि कहीं मूर्तिकार को कुछ हो तो नहीं गया, क्योंकि कोई आवाज नहीं आ रही थी. अतः उन्होंने कपाट खोल दिया. खोलते ही मूर्तिकार गायब हो गया और मूर्ति अभी अधूरी ही थी. भगवान के हाथ- पैर का निर्माण होना अभी बाकी था. नारद जी की सलाह से इसी मूर्ति को मंदिर में स्थापित करना तय हुआ. समुद्र के किनारे विशाल मंदिर का निर्माण हुआ और ब्रह्मा जी के द्वारा इसे स्थापित किया गया. अपनी पूजा के सारे विधान भगवान ने राजा को स्वयं बताए. नीलांचल पर्वत पर एक गुड़िचा तख्त था, वह भगवान को बहुत प्रिय था वही आषाढ शुक्ल द्वितीया को रथ के द्वारा ले जाने की बात कही. तब से आजतक प्रत्येक साल भगवान का रथ गुड़िचा मंदिर जाता है. कालान्तर में यह कैसे मौसी बाड़ी हुआ, मालूम नहीं.

भगवान को होता बुखार : जेठ पूर्णिमा को भगवान एक सौ आठ कलश से स्नान करते हैं और फिर भगवान गुप्त गृह में चले जाते हैं. भक्तों की भाषा में इतने कलश से नहाने के कारण भगवान को बुखार हो गया है. ठीक पन्द्रह दिन बाद आषाढ़ अमावस्या को भगवान बाहर आते हैं. तैयार होकर उसी गुड़िचा मंदिर को प्रस्थान करते हैं. तीनों भाई- बहनों के लिए तीन रथ सजाए जाते हैं और भक्त गण स्वयं अपने हाथों से रथ को खींचकर मंदिर तक ले जाते हैं. फिर दस दिन बाद भगवान उसी रथ से वापस आते हैं.

क्रोधित होती हैं मां लक्ष्मी : मुख्य मंदिर में आने के बाद दो दिनों तक भगवान रथ पर ही रहते हैं, क्योंकि लक्ष्मी जी मंदिर का कपाट अंदर से बंद कर देती हैं. तीनों भाई- बहनों को लक्ष्मी के क्रोध का सामना करना पड़ता है. भगवान ने श्री को अपने साथ जो नहीं लिया. काफी मान- मनौवल के बाद दरवाजा खुलता है और सभी अपना- अपना स्थान ग्रहण करते हैं.

कहानी वर्तमान जगन्नाथ मंदिर के निर्माण की

मुक्ति शाहदेव

आज बड़कागढ़ स्थित जगन्नाथपुर पहाड़ी पर 101 फीट ऊंचा जो मंदिर जगमगाता हुआ सबको आकर्षित करता है, उसके निर्माण के संघर्ष की कहानी उतनी ही मार्मिक है, जितनी आज उसकी भव्यता. इन दिनों भगवान अपने भाई और बहन के साथ मौसी के घर पहुंचे हैं और 17 जुलाई को वापसी होगी. जगन्नाथपुर मेला गुलजार है. आइए, इस मौके पर वर्तमान जगन्नाथ मंदिर की निर्माण कथा से वाकिफ हों.

ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने 1691 ई. में जिस मंदिर का निर्माण कराया था, दुर्भाग्य वश राखी पूर्णिमा, 1991 में उस मंदिर का एक बड़ा हिस्सा स्वतः ध्वस्त हो गया परंतु मंदिर के पुजारी एवं तत्कालीन जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्यों ने मूर्तियों की सुरक्षा एवं निर्बाध पूजा अर्चना की व्यवस्था तत्काल की. मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग लगातार स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा की जाती रही. इस शुभ कार्य को प्रारंभ करने में एक लंबा समय बीत गया क्योंकि मुख्य बाधा अर्थ के रूप में थी. विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के तत्कालीन कर्मठ सदस्यों ने हिम्मत नहीं हारी और मंदिर के निर्माण के लिए समाजसेवियों, गणमान्य व्यक्तियों को साथ लेकर जगन्नाथपुर मंदिर पुनर्निर्माण समिति नामक एक उप समिति का गठन किया. पुरी के परंपरागत वास्तुविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, मेकॉन एवं एच ई सी के अभियंताओं व वास्तुकारों की सहायता से वर्तमान भव्य मंदिर की रूपरेखा तैयार की गई थी.

अंग्रेजों से बची जमीन को एचईसी ने किया अधिकृत

सौभाग्य से उस समय मंदिर न्यास समिति में अधिकांश वही सदस्य एवं पदाधिकारी कार्यरत थे, जिन्होंने अथक परिश्रम से इस सार्वजनिक जगन्नाथपुर मंदिर को एक व्यक्ति के जबरन कब्जा से मुक्त करवाकर पुनः सार्वजनिक मंदिर " जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति" का गठन बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के तहत1964 में करवाया था.

ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने इस मंदिर का निर्माण 1691 ईस्वी में करवाया था. अपने राज्य काल में ही उन्होंने मंदिर की संचालन व्यवस्था को एक योजना बद्ध रूप प्रदान किया था. अपने राज्य के 194 मौजों में से मंदिर की व्यवस्था के लिए उन्होंने तीन गांव जगन्नाथपुर, आनी और भुसूर को मंदिर के नाम दे कर सार्वजनिक संपत्ति घोषित कर अपनी उदारता एवं धर्म परायण का परिचय दिया था. इन तीन मौजों के लगान एवं उपज से ही मंदिर का खर्च चलता था. मंदिर की देखरेख में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं था. सारी व्यवस्था पुजारी टहलू एवं अन्य कर्मचारियों के हाथों में थी. तमाम उतार चढ़ावों के दौर से गुजरते हुए भी मंदिर की व्यवस्था बनी रही. 1857 में तत्कालीन राजा ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को अंग्रेजों ने न सिर्फ फांसी पर चढ़ा दिया बल्कि उनकी सारी संपत्ति जप्त कर ली थी. इसके बावजूद मंदिर के नाम पर दान के तीन गांवों को छोड़ दिया था. परंतु 1958 में जब एशिया के गौरवशाली प्रतिष्ठान एच ई सी की स्थापना हुई तो यहां के निवासियों की यह विडंबना ही कही जाएगी कि मंदिर की इस देवोत्तर जमीन का अधिकांश हिस्सों का अधिग्रहण प्रारंभ हुआ और मंदिर की सारी जमीन अर्जित कर ली गई. परिणाम स्वरुप मंदिर की माली हालत खराब होती चली गई.

एच ई सी से अवकाश प्राप्त अधिकांश लोग जगन्नाथपुर गांव व आसपास अवैध रुप से बसते रहे, स्वयं फलते फूलते रहे और परम्परागत रथयात्रा मेला स्थल सिकुड़ता रहा. इस जमीन पर अवैध कब्जे का सिलसिला आज भी कायम है.

ऐसे जुटी पाई-पाई

तत्कालीन मंदिर पुनर्निर्माण समिति के कर्मठ, जुझारु व धार्मिक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने छोटी बड़ी संस्थाओं, श्रद्धालुओं, व्यवसाइयों, उद्योगपतियों, से एक एक रुपया मांग कर, पाई पाई जोड़कर इस भव्य मंदिर के निर्माण का न केवल सपना देखा वरन तमाम विरोधों, अड़चनों और बाधाओं को पार कर इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया.

मंदिर परिसर में लगे दाताओं के नामों से अंकित शिलापट्ट को ध्यान से देखने से सच्चाई पता चलती है कि इनमें एकमुश्त कम से कम पांच हजार रुपए दान देने वाले भक्तों का नाम अंकित किया गया है. उस समय (सन 1991 में) जब मंदिर निर्माण की अनुमानित लागत आठ करोड़ रुपए थी, तत्कालीन समिति के सदस्यों के समक्ष इस राशि को इकट्ठा करना कितनी बड़ी चुनौती रही होगी, सहज अनुमान लगाया जा सकता है.

श्री जगन्नाथ स्वामी की कृपा के बिना यह कार्य कहां संभव था ! मंदिर निर्माण के लिए पहला बड़ा दान गीता आश्रम दिल्ली कैंट के संस्थापक गुरुदेव 108 स्वामी हरिहर जी महाराज ने एक लाख रुपए प्रदान किया था, जबकी दूसरे दाता रांची के तत्कालीन सांसद सुबोधकांत सहाय जी ने सांसद कोष से एक लाख रुपये मुहैया करवाया था.

कर्मयोगी योद्धाओं को सलाम

मंदिर के तत्कालीन सदस्यों और तमाम शुभचिन्तकों के अतिरिक्त इस मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए अपने घर परिवार को भूलकर रात दिन एक कर देने वाले जिन सहृदय कर्मयोगी योद्धाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता

उनमें प्रमुख नाम हैं

स्वतंत्रता सेनानी राम रतन राम तथा श्याम किशोर साहु, ठाकुर राधेश्याम नाथ शाहदेव , व्यवसायी ज्ञान प्रकाश बुधिया, तत्कालीन प्रधान पुजारी सोमनाथ तिवारी, ब्रजभूषण नाथ मिश्र,सी सी एल के अभियंता ज्ञानी साहु, मेकॉन के अभियंता रघुराज सिंह,मनोज तिवारी, चितरंजन नाथ शाहदेवण.

तीन गांव किए मंदिर के नाम

ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने इस मंदिर का निर्माण 1691 ईस्वी में करवाया था. अपने राज्य के 194 मौजों में से मंदिर की व्यवस्था के लिए उन्होंने तीन गांव जगन्नाथपुर, आनी और भुसूर को मंदिर के नाम कर दिया था .इन तीन मौजों के लगान एवं उपज से ही मंदिर का खर्च चलता था. मंदिर की देखरेख में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं था. सारी व्यवस्था पुजारी टहलू एवं अन्य कर्मचारियों के हाथों में थी. तमाम उतार चढ़ावों के दौर से गुजरते हुए भी मंदिर की व्यवस्था बनी रही.

स्वामी विवेकानंद

छुटपन से ही दिखी सत्य बोलने की ताकत

बात उन दिनों की है जब स्वामीजी स्कूल में पढ़ते थे. मेधावी तो वे बचपन से थे. वे जब कुछ कहते, साथी मंत्रमुग्ध होकर सुनते. एक दिन कक्षा में वो कुछ मित्रों को कहानी सुना रहे थे, सभी साथी इससे सुनने में मग्न हो गए. स्थिति ऐसी थी कि उन्हें पता ही नहीं चला कि शिक्षक कक्षा में आ गए और पढ़ाना शुरू कर दिया. इसी बीच कक्षा में फुसफुसाहट ने शिक्षक का ध्यान खींचा. उन्होंने कड़क आवाज में पूछा कि कौन बात कर रहा है? छात्रों ने स्वामीजी और उनके साथ बैठे छात्रों की तरफ इशारा कर दिया.

इससे नाराज शिक्षक ने उन छात्रों को बुलाया और पाठ से संबंधित प्रश्न पूछने लगे. स्वामी विवेकानंद के अलावा कहानी सुन रहा कोई बच्चा प्रश्न का जवाब नहीं दे पाया. इस पर शिक्षक को यकीन हो गया कि स्वामीजी पाठ पर ध्यान दे रहे थे और बाकी छात्र बातचीत में लगे थे. इस पर उन्होंने स्वामीजी को छोड़ सभी को बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी. सभी छात्र एक-एक कर बेंच पर खड़े हुए तो उनके साथ स्वामीजी भी खड़े हो गए. इस पर शिक्षक बोले– नरेंद्र तुम बैठ जाओ ! यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने विनम्रता से खुद के लिए भी सजा के लिए आग्रह किया. उन्होंने कहा कि सर, मैं ही इन छात्रों से बात कर रहा था. उनके सच बोलने की हिम्मत से प्रभावित हुए बिना कोई नहीं रह सका.

आचार्य अजय मिश्रा

आज से बन रही गुरु–मंगल की युति, इन राशियों की बल्ले–बल्ले

आज यानी 12 जुलाई को मंगल वृषभ राशि में गोचर करेंगे. यहां पर पूर्व से गुरु संचरण कर रहे हैं. यानी आज से एक ही राशि (वृषभ) में दो ग्रह की मौजूदगी होगी. ऐसी स्थिति को ज्योतिष विज्ञान में युति बनना कहते हैं. स्पष्ट है कि आज का बदलाव यह है कि गुरु-मंगल की युति बनेगी. यह युति करीब 12 साल बाद बनने जा रही है, जिसके पहले साल 2013 में बनी थी. यह स्थिति या युति कुछ राशियों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध होगी. आइए जाने कि यह युति किन राशियों की चांदी कर देंगे–

मेष राशि – यदि आपकी राशि मेष है तो अपनी सफलता बटोरने के लिए तैयार हो जाइए. आपके लिए गुरु-मंगल की युति भाग्य का पिटारा लेकर आई है. अगर नौकरी में हैं तो प्रमोशन, वेतन-वृद्धि के मौके मिलेंगे. सफलता व विकास के द्वार खुलेंगे. प्रतियोगिता परीक्षाओं में शामिल हुए विद्यार्थी सफलता के संवाद पा सकते हैं. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा.

कन्या राशि – कन्या राशि वालों के लिए गुरु-मंगल की जोड़ी समृद्धि का योग लेकर आई है. आय के नए मार्ग खुलेंगे. भाग्यवश कुछ काम बनेंगे. व्यापारियों को लाभ के नए मौके मिलेंगे. इस अवधि में आप प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कर सकते हैं. नौकरीपेशा को प्रमोशन मिल सकता है. परिजनों के साथ बेहतर संबंध रहेंगे और घर में उत्सव का माहौल रहेगा.

वृश्चिक राशि – गुरु-मंगल की युति से वृश्चिक राशि वालों के लिए लाभ का पिटारा ले कर आई है. आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होगा. समाज में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. अगर स्वास्थ्य संबंधी समस्या से पिछले कुछ समय से परेशान हैं तो राहत भरा समय शुरू होगा. कोर्ट-कचहरी के कामों में सफलता मिलेगी. पुरानी चल रही समस्याओं से राहत मिलेगी.

धनु राशि – गुरु-मंगल की युति धनु राशि वालों के बेहतर समय शुरू हो गया है. हर तरफ से सफलता-खुशियों की सूचना मिलेगी. अगर लंबे समय से नौकरी के लिए प्रयासरत हैं तो रोजगार की प्राप्ति होगी. करियर में विकास होगा. प्रमोशन-वेतन वृद्धि के मौके मिलेंगे. व्यापारियों को मुनाफा होगा. सामाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

मीन राशि – मीन राशि वाले पिछले कुछ समय से गर परेशान है तो समय आ गया है जब आपको इन परेशानियों से मुक्ति मिल जाएगी. गुरु-मंगल की युति जीवन इनके जीवन में वरदान की तरह आया है. मानसिक शांति की प्राप्ति होगी. अगर नौकरी में बदलाव चाहते हैं तो समय उपयुक्त है. बेहतर मौके मिलेंगे और आय में भी वृद्धि होगी.

इस बार कुछ पहले आएंगी त्यौहारों की खुशियां

आचार्य प्रणव मिश्रा

चातुर्मास 17 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है. यह इस बार 118 दिन का होगा. इस बार सारे पर्व-त्यौहार पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 11 दिन पहले आएंगे.

शुभ और सौम्य योग के साथ 17 जुलाई देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ होगा और इसका समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा. इस तरह इस वर्ष चातुर्मास 118 दिन का होगा. पिछले वर्ष यह 148 दिन यानी 5 मास का था. दरअसल गत वर्ष अधिमास होने के कारण दो श्रावण मास थे. इस कारण चातुर्मास चार की बजाए पांच माह तक चला था. चातुर्मास शुरू होने के बाद जितने भी पर्व-त्योहार होंगे वे पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 11 दिन पहले आएंगे. आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है, जो भगवान विष्णु को समर्पित है. इसके बाद ही श्री हरि चार महीने के लिए क्षीरसागर में शयन के लिए चले जाते हैं. फिर कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है. इसके बाद देवउठनी एकादशी के बाद शुभ और वैवाहिक कार्य संपन्न होते हैं.

चंद्रमास और सौर मास का असर

वैदिक पंचाग की गणना चंद्रमास और सौर मास के आधार पर की जाती है, जिसमें एक चंद्रमास 354 दिन का होता है और एक सौर मास 365 दिन का होता है. इसमें 11 दिनों का अंतर आता है. जिससे हर तीसरे वर्ष 33 दिनों का एक अतिरिक्त माह बन जाता है, जिसे अधिकमास कहते हैं, जो कि पिछले वर्ष था. दो श्रावण माह के रूप में इसलिए इस बार पर्व और त्योहारों में 10, 11 दिनों का अंतर देखने को मिलेगा. वह भी देवशयनी एकादशी के बाद से. इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त को मनाई जाएगी. पिछले साल यह 7 सितंबर को थी. यानी इस बार यह 11 दिन पहले रहेगी. महिलाओं का हरतालिका तीज व्रत इस साल 6 सितंबर को है. गत वर्ष यह 18 सितंबर को है, यानी 12 दिन पहले इस बार यह तीज मनेगी. इसी तरह डोल ग्यारस इस साल 14 सितंबर को है. पिछले साल यह 25 सितंबर को थी. अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को है, गत वर्ष यह 28 सितंबर को थी. पितृ पक्ष इस बार 18 सितंबर से शुरू होंगे. पिछले साल यह 30 सितंबर को शुरू हुए थे. नवरात्र इस बार 3 अक्टूबर से है, दशहरा 12 अक्टूबर को होगा, दीपावली 31 अक्टूबर को रहेगी. गत वर्ष 15 अक्टूबर को नवरात्र शुरू हुए थे, दशहरा 24 अक्टूबर को था और दीपावली 12 नवंबर को मनाई गई थी.

साधु-संत प्रभु की साधना में रहते हैं लीन

चातुर्मास के चार मासों में साधु-संत एक ही स्थान पर निवास करके प्रभु की साधना में लीन रहते हैं. उनका भ्रमण भी बंद हो जाता है. इस एकादशी को भगवान श्रीहरि की विधिवत पूजन से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है. मन का शुद्धिकरण होता है तथा मन निर्मल होकर सभी विकार से दूर हो जाता है. इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मृत्यु पश्चात मोक्ष को प्राप्त करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मो. सिराज को सरकारी नौकरी मिली, युजवेंद्र चहल को टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर मिला खास उपहार

टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर क्रिकेट खिलाड़ियों पर तोहफों की बरसात

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया और उसके खिलाड़ियों का चारों ओर डंका बज रहा है. बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को 125 करोड़ का इनाम तो दिया. साथ ही राज्य सरकारें भी टीम इंडिया के खिलाड़ियों को इनाम दे रही हैं. रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को महाराष्ट्र के सीएम ने कुल 11 करोड़ का इनाम दिया. टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य रहे युजवेंद्र चहल ने भी हरियाणा के सीएम नायब सिंह से मुलाकात की. वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी का जबरदस्त स्वागत किया गया और इस दौरान सीएम नायब ने उन्हें एक खास तोहफे से सम्मानित किया. दूसरी तरफ, भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को क्रिकेटर को इनाम के तौर पर एक आवासीय भूखंड और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की. भारत की टी-20 विश्व कप जीत के बाद पिछले सप्ताह अपने गृह नगर हैदराबाद लौटे सिराज ने तेलंगाना मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने सिराज को सम्मानित किया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा की.

तेलंगाना के सीएम के साथ मो. सिराज.

हरियाणा के सीएम के साथ यजुवेंद्र चहल.

चहल को मैच खेलने का मौका नहीं मिला

युजवेंद्र चहल वर्ल्ड चैंपियन तो बने लेकिन उन्हें इस टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. चहल टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं लेकिन वो टीम संयोजन में फिट नहीं बैठ सके. हालांकि इसके बावजूद उन्होंने टीम को टी20 वर्ल्ड कप में पूरा सहयोग दिया. युजवेंद्र चहल टी20 वर्ल्ड कप विनिंग स्क्वाड में थे तो उन्हें भी बीसीसीआई से 5 करोड़ का इनाम मिला है. सीएम नायब सिंह ने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट कर चहल से मुलाकात का जिक्र किया. उन्होंने लिखा, 'टी-20 वर्ल्ड कप की विश्वविजेता भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे और हरियाणा की मिट्टी के लाल युजवेंद्र चहल से मिलना हुआ. नायब सिंह ने चहल की तारीफ करते हुए लिखा कि इस खिलाड़ी की वजह से हरियाणा के युवाओं को खेल में अपना करियर बनाने की प्रेरणा मिली है.

राज्यों में भी जबरदस्त स्वागत हो रहा

टीम इंडिया के हर खिलाड़ी का उनके राज्यों में भी जबरदस्त स्वागत हो रहा है. कुछ ऐसा ही स्वागत युजवेंद्र चहल का किया गया है. हरियाणा के सीएम नायब सिंह ने इस खिलाड़ी को सम्मानित किया. युजवेंद्र अपनी मां के साथ सीएम नायब सिंह से मिलने पहुंचे. सीएम नायब ने इस खिलाड़ी को वर्ल्ड चैंपियन बनने पर बधाई दी और साथ ही उन्हें श्रीराम और हनुमान की एक खूबसूरत सी प्रतिमा भी भेंट में दी.

ब्रीफ खबरें

मुंबई सिटी एफसी का कैरेलिस से अनुबंध

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए गुरुवार को यूनान के स्ट्राइकर निकोलाओस केरेलिस से अनुबंध की घोषणा की. निकोस केरेलिस के नाम से भी पहचाना जाने वाला यह फुटबॉलर पहली बार भारत में खेलेगा. केरेलिस ने अपने युवा करियर की शुरुआत एर्गोटेलिस की ओर से की और फिर 2007 में सीनियर स्तर पर पेशेवर पदार्पण किया.

पेरिस में अदिति से पदक जीतने की उम्मीद

नयी दिल्ली। महान क्रिकेटर और पीजीटीआई के नये अध्यक्ष कपिल देव का मानना है कि भारत की शीर्ष गोल्फर अदिति अशोक की फॉर्म अगर दबाव भरे हालात में भी बरकरार रहे तो वह पेरिस ओलंपिक में पदक जीत सकती हैं. अदिति ने टोक्यो ओलंपिक में अंत तक पदक की दौड़ में बनी रही थी, लेकिन फिर पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहीं. तब वह कांस्य पदक विजेता लिडिया को से एक स्ट्रोक और नेली कोर्डा से दो स्ट्रोक पीछे रहीं.

जूनियर फ्रेंच ओपन में सीधे प्रवेश का मौका

नयी दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के पास अन्य एशियाई खिलाड़ियों के साथ अगले साल होने वाले जूनियर फ्रेंच ओपन में सीधे प्रवेश का मौका होगा जब पहला रोलां गैरो जूनियर सीरिज क्वालीफाइंग टूर्नामेंट 16 से 25 अक्टूबर तक टोक्यो में खेला जायेगा. टोक्यो में होने वाले टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई वही खिलाड़ी कर सकेंगे, जो कजाखस्तान (पांच से नौ अगस्त) और चीन (11 से 17 अगस्त) में क्षेत्रीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंट खेलेंगे.

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बने रहेंगे मसूद

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और कोच जेसन गिलेस्पी ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले राष्ट्रीय टीम के टेस्ट कप्तान के रूप में शान मसूद पर भरोसा जताया है, लेकिन सीमित ओवरों के क्रिकेट में बाबर आजम की कप्तानी पर फैसला बाद में किया जाएगा. पाकिस्तान को इस साल अक्टूबर में तीन मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की मेजबानी करनी है जबकि बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज का भी सामना करना है. पीसीबी ने बुधवार को बैठक की जिसमें फैसला हुआ.

दुबई या श्रीलंका में हो सकते हैं भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच

मैच खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया

एजेंसियां। मुंबई

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है. टीम इंडिया के इस टूर्नामेंट के लिए पाक जाने की संभावना नहीं है. एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसको लेकर आईसीसी से बात करेगा. इस बार चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाईब्रीड मॉडल के तहत हो सकता है. टीम इंडिया के मैच दुबई या श्रीलंका में आयोजित हो सकते हैं. इससे पहले एशिया कप में भी ऐसा ही हुआ था.

एएनआई की एक खबर के मुताबिक टीम इंडिया के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है. बीसीसीआई आईसीसी से दुबई या श्रीलंका में मैचों की मेजबानी करने के लिए बात करेगी. यह भी हो सकता है कि टीम इंडिया अपने मैच दुबई या श्रीलंका में खेले और बाकी मुकाबले में पाकिस्तान में आयोजित हों. इससे पहले एशिया कप में ऐसा ही हुआ था. भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. बता दें कि टीम इंडिया और पाकिस्तान ग्रुप ए में है. इसके साथ-साथ न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी इसी ग्रुप में है. ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान को रखा गया है.

पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है खिलाड़ी

सूत्र ने बताया कि टीम इंडिया का कोई भी खिलाड़ी पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है. हालांकि इसको अभी और भी बातचीत चल रही थी. भारत तो पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है. लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट टीम पिछले साल वनडे विश्व कप के लिए यहां आई थी. इसी वजह से अभी और भी बातचीत हो सकती है.

लाहौर में खेला जाना है भारत और पाकिस्तान के सभी मैच

पाकिस्तान ने हाल ही में आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट सौंपा था. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूरा शेड्यूल भी तैयार कर लिया था. उसने भारत और पाकिस्तान के मैच को लाहौर में आयोजित करने का प्लान बनाया है. यह मुकाबला 1 मार्च को खेला जाना है. लेकिन टीम इंडिया के पाकिस्तान न जाने से उसके प्लान पर पानी फिर जाएगा. उसने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया के सभी मैच लाहौर में ही रखे है. पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है. उसने करोड़ों रुपए खर्च करके मैदानों को ठीक करवाने का प्लान बनाया है. पीसीबी ने इसके लिए काम भी शुरू कर दिया है.

बीसीसीआई ने अभी नहीं की है मैच खेलने को लेकर पुष्टि

यहां तक कि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, उसमें भी इस बात की पुष्टि नहीं की थी कि भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी हालांकि, जय शाह ने इस बात की पुष्टि जरूर कर दी है कि भारतीय टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलेगी. जय शाह ने ही एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और बीसीसीआई के सचिव के तौर पर इस बात की पुष्टि की थी कि एशिया कप 2023 के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी. ऐसे में पीसीबी ने हाइब्रीड मॉडल का सुझाव दिया था, जिसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने स्वीकार किया. फाइनल समेत इंडिया और अन्य टीमों के ज्यादातर मैच श्रीलंका में आयोजित हुए थे.

यूरो 2024 : स्टॉपेज टाइम में गोल करके जीत हासिल की

नीदरलैंड को हराकर फाइनल में इंग्लैंड

एजेंसी। डॉर्टमंड

एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्टॉपेज टाइम में ओली वाटकिंस के गोल के दम पर इंग्लैंड ने नीदरलैंड को 2-1 से हराकर यूरो फुटबॉल चैंपियनशिप 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उसका सामना स्पेन से होगा. इंग्लैंड के कोच जेरेथ साउथगेट ने कप्तान हैरी केन की जगह वाटकिंस को मैदान पर बुलाने का साहसिक फैसला लिया और स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में उसने गोल करके इसे सही साबित कर दिया. यूरो 2024 के नॉकआउट चरण में इंग्लैंड के लिए जूड बेलिंगघम ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल किया था. इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को अंतिम 16 के मुकाबले में हराया और स्विटजरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी. इंग्लैंड ने आखिरी बार 1966 विश्व कप में खिताबी जीत दर्ज की थी, जिसके बाद से टीम कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सकी है. वाटकिंस इससे पहले इस बार यूरो चैंपियनशिप में डेनमार्क के खिलाफ ग्रुप मैच में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे थे. साउथगेट ने 80वें मिनट में जब उन्हें उतारने का फैसला किया, तो सभी को हैरानी हुई. लेकिन यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ. इंग्लैंड पहली बार विदेश में फाइनल खेलेगा.

कोपा कप 2024: मुकाबला मेस्सी की अर्जेंटीना से

उरूग्वे को 1-0 से हराकर कोलंबिया की टीम फाइनल में

एजेंसी। चार्लोट

कोलंबिया ने उरूग्वे पर 1-0 से तनावपूर्ण जीत के बाद 23 साल में पहली बार कोपा अमेरिका फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया. हालांकि आखिरी सीटी बजने के बाद खिलाड़ियों और दर्शकों के बीच में झड़प हो गयी. कोलंबिया के लिए 39वें मिनट में जैफरसन लेरमा ने गोल किया. अब कोलंबिया का सामना रविवार को गत चैंपियन लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना से होगा. वहीं उरूग्वे की टीम तीसरे स्थान के मुकाबले में कनाडा से खेलेगी. कोलंबिया इससे पहले 2001 में अपनी मेजबानी में कोपा अमेरिका खिताब जीता था. इस मैच में एक लाल कार्ड के अलावा सात पीले कार्ड दिखाए गए. दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच काफी धक्का-मुक्की देखी गयी. मैच के बाद दर्शकों के बीच हुए झगड़े में डारविन नुनेज और उरूग्वे के दर्जनों खिलाड़ी कूद पड़े. एक वीडियो में दिखाया गया कि नुनेज ने कोलंबिया की जर्सी पहने एक प्रशंसक को पीटा.

कोलंबिया-उरूग्वे मैच के बाद भिड़े दर्शक, उरूग्वे के खिलाड़ी भी पहुंचे

चार्लोट। कोपा अमेरिका सेमीफाइनल में कोलंबिया के हाथों उरूग्वे की एक गोल से हार के बाद दोनों टीमों के समर्थकों से हाथापाई हो गयी जिसमें डारविन नुनेज समेत उरूग्वे के भी कई खिलाड़ी शामिल हो गए. तनावपूर्ण मुकाबले के बाद उरूग्वे टीम की बेंच के पीछे प्रशंसक आपस में भिड़ गए. मैदान पर जमा 70644 दर्शकों में से 90 प्रतिशत कोलंबिया के समर्थक थे लेकिन उरूग्वे के प्रशंसक भी थोड़ी तादाद में पहुंचे थे. हाथापाई में दोनों गुटों ने एक दूसरे पर पेय पदार्थ फेंके. इसके बाद नुनेज और उनके साथ भी सीढ़ियों के रास्ते दीर्घा में पहुंच गए.

विंबलडन 2024

मुसेत्ती पहली बार सेमीफाइनल में, सामना नोवाक जोकोविच से

एजेंसी। लंदन

इटली के लोरेंजो मुसेत्ती ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को हराकर विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और करियर में पहली बार वह किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम चार में पहुंचे हैं. उन्होंने साढे तीन घंटे तक चला यह मुकाबला 3-6, 7-6, 6-2, 3-6, 6-1 से जीता. वह पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे पहुंचे हैं, लेकिन अब उनके सामने नोवाक जोकोविच के रूप में करियर की सबसे बड़ी चुनौती है. सात बार के चैंपियन जोकोविच 13वीं बार विंबलडन और 49वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं और उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है. महिला वर्ग में 2022 की चैंपियन एलेना रिबाकिना ने एलिना स्वितोलिना को 6-3, 6-2 से हराया. वहीं 31वीं रैंकिंग वाली बारबरा क्रेइसिकोवा ने 13वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6-4, 7-6 से मात दी.

चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे हॉकी स्टार मनप्रीत, कहा-

उतार-चढ़ावों ने मजबूत बनाया

भाषा। बेंगलुरु

अभावों में बीता बचपन, मां के बेहिसाब संघर्ष, करियर में झूठे आरोप सभी कुछ झेला है मनप्रीत सिंह ने, लेकिन कठिनाइयों की आग में तपकर कुंदन बना मीठापुर का यह हॉकी स्टार अब पेरिस में करियर का चौथा ओलंपिक खेलेगा. टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे मनप्रीत ने ओलंपिक के लिए रवानगी से पहले यहां भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा, बहुत अच्छा लग रहा है. मैंने कभी सोचा नहीं था कि चार ओलंपिक खेल पाऊंगा. हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना. मैं खुद को काफी खुशकिस्मत मानता हूं कि ये मेरा चौथा ओलंपिक है. मात्र 19 वर्ष की उम्र में 2011 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है. ओलंपिक पदक जीतने के बाद हालांकि उन्होंने अपने करियर का सबसे बुरा दौर देखा, जब पूर्व कोच शोर्ड मारिन ने अपनी किताब में उन पर आरोप लगाया कि 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान उन्होंने एक युवा खिलाड़ी को जान बूझकर खराब खेलने के लिए कहा, ताकि उनके दोस्त को टीम में जगह मिल सके.

मनप्रीत ने पहली बार उन आरोपों के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि वह पूरी तरह टूट गए थे और उनका भरोसा हर किसी पर से उठ गया था. हालांकि टीम ने उनका पूरा साथ दिया, जिसकी वजह से वह इससे उबर सके. उन्होंने कहा, मेरे लिये वह सबसे कठिन दौर था. मैं इस तरह की चीजों के बारे में कभी सोच भी नहीं सकता था. उस समय टीम ने मेरा साथ दिया और कहा कि हम तुम्हें जानते हैं और तुम्हारे साथ हैं.

सौरव गांगुली ने कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम खरीदी

भाषा। नयी दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इस साल अगस्त और सितंबर के बीच होने वाले 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल' 2024 में कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम खरीदी. कोलकाता की रेसिंग टीम इस प्रतियोगिता में पदार्पण करेगी जिसमें हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, कोच्चि और अहमदाबाद की सात टीमें भी इसमें हिस्सा लेंगी. 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल' में दो मुख्य चैम्पियनशिप होंगी जो इंडियन रेसिंग लीग और फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप हैं. इस जुड़ाव पर उत्साह से भरे भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व प्रमुख गांगुली ने कहा, मैं इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता की टीम के साथ इस यात्रा को शुरू कर काफी उत्साहित हूं.

मोटरस्पोर्ट हमेशा ही मेरा जुनून रहा है और कोलकाता रॉयल टाइगर्स के साथ हमारा उद्देश्य इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में एक मजबूत विरासत बनाने के साथ नयी पीढ़ी को प्रेरित करना है. रेसिंग प्रोमोशंस प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अखिलेश रेड्डी ने गांगुली का स्वागत किया.

दिल की बात — लड़कियां फिट बने और खेलो में आगे आएं : नेहवाल

टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी: साइना

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लगता है कि अगर उन्होंने बैडमिंटन खेलने के बजाय टेनिस का रैकेट पकड़ा होता तो वह बतौर खिलाड़ी और बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती थीं. बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर भी साइना ने काफी प्रभावित किया है जिसमें वह दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं और वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं. राष्ट्रपति भवन में हर स्टोरी-माई स्टोरी बातचीत के दौरान साइना ने कहा, कभी कभार मुझे लगता है कि अगर मेरे माता-पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता. इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी. मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी. साइना ने कइयों को बैडमिंटन में आने के लिए प्रेरित किया है लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था.

बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर भी साइना ने काफी प्रभावित किया है

साइना ने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था. यह कहने के लिए कोई नहीं था, मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं. मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था. लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते व राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते. मैं हमेशा बच्चों को खेलों पर ध्यान लगाने के लिए कहती हूं. चीन 60-70 पदक जीतता है और हमें सिर्फ तीन चार पदक मिलते हैं. इतने सारे डॉक्टर और इंजीनियर होते हैं और उनके नाम अखबारों में नहीं आते. साइना ने कहा, मैं विशेषकर लड़कियों से आगे आने के लिए कहूंगी कि वे फिट होना शुरू करें और खेलों में आयें. अब हम बच्चों के लिए मौजूद हैं, उनके लिए प्रेरणा के लिए दुनिया की नंबर एक, ओलंपिक चैम्पियन और इतनी सारी पदक विजेता हैं. उन्होंने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने प्रतिभा की कमी की भरपाई की. मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है, मैं इतनी प्रतिभाशाली खिलाड़ी नहीं थी. मुझे काफी मेहनत करनी पड़ती थी. अगर कोई प्रतिभाशाली खिलाड़ी कोई चीज 100 बार करता था तो मुझे इसे 1000 दफा करना पड़ता था, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है. मेरे कोचों को मेरा कभी हार नहीं मानने वाला जज्बा पसंद है.

ओलंपिक से पूर्व मुंबई में सिंधू के स्मैश की रफ्तार जेना के थ्रो का मना जश्न

मुंबई। शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, भाला फेंक एथलीट किशोर जेना और हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी उपलब्धियों का 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले शहर में जश्न मनाया गया. ओलंपिक के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की आधिकारिक फुटवेयर खेल का सामान बनाने वाली कंपनी प्यूमा ने चैम्पियंस ऑफ द गेम का जश्न मनाने के लिए गुरुवार को यहां एक आउटडोर अभियान लांच किया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर खिलाड़ियों की छवियां दिखेंगी. ओलंपिक दल के कुल 45 भारतीय एथलीट जर्मनी की कंपनी का प्रतिनिधित्व करेंगे.

अनंत-राधिका अंबानी की स्पेशल पूजा सेरेमनी में माही-साक्षी का जलवा

महेंद्र सिंह धोनी और साक्षी ने अनंत-राधिका अंबानी की स्पेशल पूजा सेरेमनी में कहर ढाया. कपल का देसी लुक देख फैन फिदा हो गए. महेंद्र सिंह धौनी और उनकी पत्नी साक्षी दोनों हमेशा ही लाइमलाइट लूटते हुए नजर आते हैं. सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं होने के बावजूद धोनी सुर्खियां बटोरते रहते हैं. उनकी पत्नी साक्षी अक्सर कई तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शत्रु मानसिक रूप से परेशान करेंगे. समय स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है. रोग और शत्रु से परेशानी हो सकती है. कुसंगति से बचें. चोट व रोग से बचें. विवाद न करें, पर आय के लिए दिन अच्छा है. धन का आगमन होगा.

वृषभ शिक्षा में लाभ होगा. आपको ही इसकी भरपाई करनी होगी. शिक्षा में सुधार होगा. बकाया वसूली होगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद न करें. नेत्र पीड़ा की संभावना. कार्य सम्पन्न होगा, जिसका कुछ लाभ भी होगा.

मिथुन समय सामान्य है. भाई बहन से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. जलज रोग से घर में परेशानी होगी. माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे. विरोधी सक्रिय होंगे. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कर्क कार्य करने के लिए अच्छा मौका है. पूरी ताक़त से कार्य करें. कोई नया कार्य होगा. लाभ का वातावरण बनेगा. पराक्रम बढ़ेगा. विजय मिलेगी, गर्व न करें. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा.

सिंह समय अनुकूल है. आपके द्वारा किये गए कार्य में सुधार दिख रहा है. समय अनुकूल है. बस मेहनत और लगन चाहिए. थोड़ा खर्च बढ़ेगा. पर धनागम के अवसर बनेंगे. अकारण भय बना रहेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या समय सामान्य है. परिवार में किसी से विवाद हो, इससे पहले अपना मुंह बन्द करना ही उचित है. यदि यात्रा बहुत जरूरी नही है तो टालना ही उचित है. हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा. कुछ लाभ के आसार दिखेंगे. अन्न दान करें.

तुला मंजिल सामने है, पर आलस और काम टालने के चलते नुकसान होगा. संपत्ति के कार्य लाभ देंगे. थकान महसूस होगी. प्रसन्नता रहेगी. कष्टों में वृद्धि के योग हैं. पर कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी. इत्र दान करें.

वृश्चिक आय के लिए प्रयास सफल होगा. माता की सलाह नहीं भूले. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा. रोग घेरेंगे. चिंताएं बढ़ेंगी. कार्य और प्रभाव से शत्रु शांत होंगे.

धनु दौड़-धूप अधिक होगी. विवाद न करें. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. धनलाभ के अवसर होंगे. अकारण भय व्याप्त होगा. शत्रु शांत होंगे. आप अपना कार्य से मतलब रखें. जब कार्य पूर्ण हो, तभी उसका बखान करना चाहिए. अन्न दान करें.

मकर किसी अपरिचित से कोई विवाद हो सकता है. मातृपक्ष से परेशानी होगी. दुर्घटना की संभावना. धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी. अंतर-प्रेरणा से कार्य करें. धनागम के अवसर बढ़ेंगे. प्रमाद का त्याग करना होगा.

कुंभ जीवनसाथी से किसी बात को लेकर बहस हो सकती है. लाभ-हानि बराबर रहेंगे. प्रमाद बढ़ेगा. भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से शत्रु शांत होंगे. काली वस्तु दान करें.

मीन ऋण लेने से बचें. शत्रु हानि कर सकता है. इससे पहले ही सतर्क रहें. नम्रता बनाए रखें. यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे. अप्रत्याशित लाभ होगा. प्रसन्नता रहेगी. प्रमाद न करें. शुभ समाचार मिलेगा. अन्न दान करें.

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन मेले का आयोजन

सिमडेगा । विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन मेला सह पखवाड़ा का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा में किया गया. जिसमें कोलेबिरा प्रखंड प्रमुख श्रीमती दुतामी हेमरम, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, मुखिया अंजना लकड़ा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केके शर्मा एवं हंस फाउंडेशन के प्रतिनिधि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया. उक्त मेला में परिवार नियोजन हेतु अस्थायी विधि अपनाने वाले योग दंपतियों के बीच सामग्रियों का वितरण, एवं स्थायी विधि अपनाने वाले योग दंपतियों के लिए दिनांक 18/07/2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा में महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी कैंप का आयोजन किया गया है. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड के प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक सभी कर्मी सभी सहिया, सहिया साथी एवं बीटीटी उपस्थित हुए.

खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा दिलाने के लिए झापा लगातार प्रयासरत

सिमडेगा । पूर्व मंत्री एनोस एक्का ने कहा कि सिमडेगा जिला की पहचान खेल नगरी के रूप में है. जिले में खेल के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा दिलाने के लिए झापा प्रतिबद्ध है. एनोस एक्का गुरुवार को पाकरटांड़ प्रखंड के ठेठईटांगर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की छुपी प्रतिभा को सामने आने का मौका मिलता है. उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अच्छे खेल के लिए शुभकामना दी. प्रतियोगिता का फाइनल मैच तिर्की ब्रदर्स हेलेनपुर बनाम एफसी खिजरी के बीच खेला गया. जहां एफसी खिजरी की टीम 1-0 से विजयी रही. मौके पर युवा जिलाध्यक्ष संदेश एक्का, आईरीन एक्का ने कहा कि जिले के युवाओं में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है. मौके पर जिलाध्यक्ष मतियस बागे, अमजद खान, महादेव सिंह, रजत लकड़ा, अरविंद एक्का, रतन लकड़ा, पहियास कुजूर, आकर्षण लकड़ा, गिदयोन एक्का, नोवेल लकड़ा, विवेक लकड़ा, शीतल लकड़ा, अंतुल एक्का आदि उपस्थित थे.

बाल अधिकार सुरक्षा मंच के कार्यक्रम में एस्पायर ने मंत्री और सांसद को दिया आंकड़ा

पश्चिम सिंहभूम जिले में 52 हजार से अधिक बच्चे शिक्षा से वंचित

शैलेश सिंह । किरीबुरु

बाल अधिकार सुरक्षा मंच, पश्चिमी सिंहभूम के तत्वावधान में चाईबासा के पिल्लई हाल में जिला स्तरीय बाल अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय सम्मेलन का बुधवार को आयोजन किया गया था. इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि मंत्री दीपक बिरुवा और विशिष्ट अतिथि सिंहभूम की सांसद जोबा माझी, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन थे. सम्मेलन में बाल अधिकार के साथ-साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को मजबूती के साथ कक्षा एक से पांच व कक्षा एक से आठ तक संचालित सरकारी विद्यालयों में सख्ती से लागू करवाने की मांग की गयी. सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे बाल अधिकार सुरक्षा

कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री दीपक बिरुवा.

मंच के जिला अध्यक्ष हरिन तामसोप ने पश्चिमी सिंहभूम में सरकारी विद्यालयों में शिक्षा संसाधन, बच्चों के नामांकन, ठहराव, शिक्षकों की कमी आदि बिंदुओं पर पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से मंत्री, सांसद, जिला परिषद अध्यक्ष, बाल संरक्षण आयोग के सदस्य के समक्ष रखा. इसमें बताया गया कि एस्पायर के इस वर्ष के सर्वेक्षण के अनुसार पश्चिम सिंहभूम जिला के 16 प्रखंड में 6-14 वर्ष के 32,932 बच्चे और 15-17 वर्ष के 18,596 बच्चे विद्यालय से बाहर पाये गये हैं.

प्राथमिक विद्यालय एक, मध्य विद्यालय 3 व उच्च विद्यालय 5 किमी पर हैं : बताया गया कि जिले के 1030 ऐसे टोले हैं, जिसमें प्राथमिक विद्यालय एक किलोमीटर से अधिक तथा 1017 टोले ऐसे हैं, जिसमें मध्य विद्यालय 3 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है. साथ ही 2106 ऐसे टोले हैं, जिसमें उच्च विद्यालय 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है. जिले में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के विद्यालयी शिक्षा से दूर होने के कारण विद्यालय से टोले की अधिक दूरी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र का नहीं होना, पारिवारिक, समाजिक, आर्थिक स्थिति कमजोर, जागरुकता की कमी, विद्यालय में शिक्षक की कमी के साथ साथ संसाधनों का आभाव आदि दर्जनों कारण बताये गये.

बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना होगा : बिरुआ

परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि बाल अधिकार सुरक्षा मंच का इतने सारे बच्चों को अधिकार दिलाने उठाया गया बीड़ा सराहनीय है. हम सभी मिल कर इसे मुकाम तक ले जायेंगे. आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जन्म प्रमाण पत्र के कारण यदि बच्चे विद्यालय से दूर हैं तो यह चिंता का विषय है. इन बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना होगा. क्षेत्र में मुंडा मानकी व पंचायती राज व्यवस्था है. सभी मिल कर शिक्षा से वंचित बच्चों को विद्यालय से जोड़ें. जनजातियों का स्थिति हर क्षेत्र में दयनीय है. विद्यालय जाने से वंचित बच्चों का नामांकन समय रहते हो. इसके लिए वे जिला प्रशासन से बात करेंगे.

पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण बच्चे होते हैं ड्रॉप आउट : सांसद

सांसद जोबा माझी ने कहा कि बाल अधिकार मंच द्वारा विद्यालय से दूर रहने वाले बच्चों का आंकड़ा चिंता का विषय है. जिले की भौगोलिक स्थित अलग है. पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह भी कई बच्चे ड्रॉप आउट हो जाते हैं. शिक्षक-बच्चे व संसाधन के बीच की खाई को दूर करना है. बच्चों के अनुपात में शिक्षकों की और जरुरत है. शिक्षक-सेविका, विद्यालय प्रबंधन समिति व सभी लोग अपनी जिम्मेदारी बेहतर ढंग से निभाएं. समुदाय व जनप्रतिनिधि को भी बच्चों शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए आगे आना होगा. शिक्षक की कमी दूर करने के लिए सरकार दृढ़संकल्प है. जिस विधालय में शिक्षक की कमी है दूर होगी. सम्मेलन को एस्पायर के सचिव दयाराम ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर बाल संरक्षण आयोग के सदस्य आबा विरेंद्र, मिन्हाजुल हक, विकास दोजराजका, सचिव तरुण सवैंया, बाबुराम लागुरी, रमेश जेराई, जी नरेश, वी रमन, विधायक प्रतिनिधि, मुंडा-मानकी, विभिन्न प्रखंड से आये बाल अधिकार आदि मौजूद थे.

झामुमो का भाजपा पर सरकार को अस्थिर करने का आरोप, कहा

छठ तक चुनाव संभव नहीं

विशेष संवाददाता । रांची

झामुमो ने केंद्र सरकार और भाजपा पर ईडी और सीबीआई के बाद अब इलेक्शन कमीशन के जरिए राज्य सरकार को फिर से अस्थिर करने का आरोप लगाया है. कहा कि जिस प्रकार से इलेक्शन कमीशन की टीम झारखंड आई और जिस प्रकार से बैठकें कर रही हैं, इससे पदाधिकारियों में भ्रम और भय पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है. झारखंड में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से छठ तक चुनाव संभव नहीं है. आखिर भाजपा को किस बात का डर है. पूरे देश में हर स्टेट का समय पूर्व चुनाव करा कर क्या हासिल हो जाएगा, इसका जवाब भाजपा को देना चाहिए. भाजपा यह नहीं चाहती है कि राज्य की सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचे. अगर झारखंड में जबरन समय पूर्व चुनाव थोपने का प्रयास हुआ, तो झामुमो उसका मुंह तोड़ जवाब देगा. उक्त बातें पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

सावन से लेकर कार्तिक तक पर्व त्योहार और खेती का समय : भट्टाचार्य ने कहा कि जुलाई से अगस्त के बीच श्रावण मास रहेगा. भादो में भी देश के लाखों लोग देवघर आते हैं. इसके अतिरिक्त भादो में जन्माष्टमी, करमा सहित कई तरह के पर्व-

त्योहार होते हैं. आश्विन में दो अक्टूबर को महालया है. तीन अक्टूबर को नवरात्र शुरू होगा. 12 अक्टूबर को विजयदशमी होगी. 17 अक्टूबर को लक्खी पूजा है जो पूरे संथाल और कोल्हान क्षेत्र में उत्सव के तौर पर मनाई जाती है. 21 अक्टूबर को अमावस्या और काली पूजा. इसके बाद 7 नंवबर को दीपावली और फिर छह दिन बाद छठ है. इतना ही नहीं छठ में यहां पर निवास करने वाले लाखों यूपी, बिहार के लोग अपने पैतृक स्थान वापस जाते हैं. जो कार्तिक मास के बाद लौटते हैं. पूरा कार्तिक पर्व-त्योहार ही होता है. अगर बारिश की बात की जाए, तो झारखंड में मॉनसून लेट है. इसलिए जुलाई से सितंबर तक खेती-बाड़ी का समय रहेगा. अब ऐसी स्थिति में चुनाव करना पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक होगा.

10 नवंबर से 20 दिसंबर तक कभी भी करा लें चुनाव : उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के एक निर्णय के अनुसार इलेक्शन कमीशन को यह निर्देश मिला है कि 30 सितंबर तक जम्मू और कश्मीर में चुनाव संपन्न करा लें. सरकार ने इसी की आड़ में हरियाणा, महाराष्ट और झारखंड में चुनाव कराने की मंशा पाल रखी है. मगर यह गलत होगा. जहां-जहां पर भाजपा की सरकार है, वहां पर वह समय पूर्व चुनाव क्यों नहीं कराती है. आखिर झारखंड में तीन महीने और चुनाव नहीं होगा तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ेगा. सुप्रियो ने कहा, दरअसल यह पूरी साजिश झारखंड सरकार के घोषित योजनाएं और सरकारी नौकरी देने के शिड्यूल को देखते हुए रची जा रही है, ताकि इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाये. इलेक्शन कमीशन झारखंड में 10 नवंबर से 20 दिसंबर तक कभी भी चुनाव करा ले, स्वागत है. क्योंकि झारखंड में वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल का अवधि समाप्ति 4 जनवरी 2025 है. इसलिए भाजपा इलेक्शन कमीशन की आड़ में झारखंड के लोगों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ न करे, नहीं तो इसका विरोध होगा.

चुनाव की घोषणा से पहले ही डर गया झामुमो : रामाकांत महतो

रांची । प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रमाकांत महतो ने झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी. कहा कि झामुमो आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भयभीत है. यही कारण है कि सत्ता मद में चूर झामुमो देश के संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को फरमान सुना रहा हैं. साथ ही फरमान का पालन नहीं होने पर आंदोलन के जरिये परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है. झामुमो के डीएनए में देश के संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना व उसे आदेशात्मक तरीके से धमकी देना प्रवृत्ति रहा है. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य की स्मरण शक्ति शायद कमजोर हो चुकी है. उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जमानत पर जेल से बाहर आते ही दंभ भर रहे थे कि राज्य में जब चुनाव हो जाए हम डरने वाले नही हैं. फिर आज झामुमो को चुनाव की घोषणा के पूर्व ही डर सताने लगा.

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान 14 और हिमंता 16 जुलाई को आएंगे झारखंड

संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा सक्रिय हो गई है. इसके मद्देनजर केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश के चुनाव

प्रभारी शिवराज सिंह चौहान 14 जुलाई और असम के मुख्यमंत्री एवं चुनाव सह-प्रभारी हिंमता विश्व सरमा 16 जुलाई को रांची पहुंचेंगे. अमित शाह की बैठक को लेकर दोनों नेता तैयारियों की समीक्षा करेंगे. शिवराज 14 जुलाई को रांची में पार्टी की ओर से खिजरी विधानसभा में आयोजित कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह और विजय संकल्प सभा में हिस्सा लेंगे. प्रदेश भाजपा की ओर से छह जुलाई से विधानसभावार कार्यकर्ता अभिनंदन व विजय संकल्प सभा का आयोजन किया जा रहा है. यह कार्यक्रम 15 जुलाई तक चलेगा. हिमंता विश्व सरमा 16 जुलाई को रांची में विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. 20 जुलाई को गृहमंत्री अमित शाह विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं. इस बैठक में मंडल स्तर के कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे. अमित शाह की बैठक को लेकर दोनों ही प्रभारी तैयारी की समीक्षा करेंगे. विस्तारित कार्यसमिति के एजेंडे पर चर्चा होगी.

85 लाख कीमत के अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता । बालूमाथ (लातेहार)

लातेहार पुलिस को नशा के सौदागरों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने 85 लाख रुपये कीमत के 17 किलो अफीम के साथ तस्कर धर्मेंद्र प्रसाद साव को भी गिरफ्तार किया है. गुरुवार को बारियातू थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बालूमाथ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम ने इस बात की जानकारी दी. बताया कि मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि बारियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत राजगुरु निवासी धर्मेंद्र कुमार साव द्वारा अवैध रूप से अफीम की खरीद-बिक्री का धंधा किया जाता है. त्वरित कार्रवाई करने पर उसके घर से भारी मात्रा में अवैध अफीम की बरामदगी हो सकती है. इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस

पदाधिकारी, बालूमाथ के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया. इसमें थाना प्रभारी बारियातू राजा दिलावर, बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय व छापामारी दल ने राजगुरू निवासी धर्मेंद्र प्रसाद साव पिता धनेश्वर साव के घर की तलाशी करने पर धर्मेंद्र प्रसाद साव के घर से 16.920 किग्रा अफीम बरामद की. इसका बाजार मूल्य लगभग 84 लाख 60 हजार रुपये है. अभियुक्त धर्मेंद्र प्रसाद साव के द्वारा अफिम के इस अवैध व्यापार में अन्य लोगों की संलिप्तता के संबंध में भी बताया गया है. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है.

मुहर्रम पर्व पर शांति व्यवस्था बनाने का निर्देश

- मुर्हरम को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता । लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह के निर्देश पर अपर समाहर्ता रामा रविदास की अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व में सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था संधारण को ले कर समाहरणालय में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में मुहर्रम पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गयी.

मुहर्रम पर्व पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पूर्व में ही सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर लेने का निर्देश दिया. सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने की बात कही गयी. श्री रविदास ने कहा कि त्योहार के दौरान यदि किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से

अफवाह फैलाने की कोशिश की गयी, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी. बैठक में प्रखंड स्तर पर किए जाने वाले शांति समिति की जानकारी ली गई. वैसे संवेदनशील स्थानों में जहां सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका है, उन स्थानों पर विशेष नजर बनाए रखने व शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध धारा 107 के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया.

जुलूस निकाले जाने के दौरान बिजली से किसी प्रकार की दुर्घटना न हो इसके लिए कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल को उस दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखने का निर्देश दिया गया. बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े पुलिस अधीक्षक श्री अंजनी अंजन के द्वारा पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि मुहर्रम के अवसर पर जुलुस निकालने वाले सभी अखाड़ों की सूची तैयार कर लें तथा उन्हें पूर्व में ही सभी आवश्यक दिशानिर्देश दे दें. आगे उन्होंने कहा कि जिस मार्ग से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा उसका पूर्व में निर्धारण एवं सत्यापन कर लें.

सोशल मीडिया पर यदि किसी तरह की झूठी खबर या अफवाह पोस्ट किया जाता है तो अविलंब इसकी सूचना नजदीकी थाना या प्रशासनिक पदाधिकारी को दें. उन्होने संवेदनशील स्थानों पर वीडियो कैमरा एवं ड्रोन से वीडियोग्राफी करने की व्यवस्था रखने का निर्देश दिया.

डॉ. मेहता बोले

स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में बनेगा गेट, लगेंगी प्रतिमाएं

संवाददाता । पलामू

पांकी विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने कहा कि यह हम सबों के लिए गौरव की बात है कि आज अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी बिफई भगत जी के सम्मान में तोरण द्वार का शिलान्यास कर रहे हैं. बारी-बारी से प्रखंड के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से द्वारा बनाएंगे व सभी स्वतंत्रता सेनानियों का एक स्थान पर प्रतिमा भी स्थापित करेंगे. डॉ मेहता गुरुवार को हाई स्कूल रोड स्थित पानी टंकी के पास स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय बिफई राम भगत के नाम एक तोरण द्वारा के शिलान्यास कार्यक्रम में कहीं. इसके पूर्व विधायक, चेंबर अध्यक्ष व बिफई भगत के वंशजों ने पूजा अर्चना कर व नारियल तोड़कर द्वार का शिलान्यास किया. मौके पर विधायक ने कहा कि पूर्व के जनप्रतिनिधि के द्वारा इनके नाम पर यहां एक द्वारा बनाया गया. परंतु बाद में गेट पर अपना नाम लिखवा कर स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया. उनके द्वारा किए गए अपमान को सम्मान दिलाने के लिए उसी जगह पर अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी बिफई राम भगत जी के नाम एक तोरण द्वार का शिलान्यास कर रहे हैं.

रांची के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के चार तीरंदाजों को मिले तीर

संवाददाता । रांची

रांची के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के एकलव्य तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र होटवार के चार तीरंदाज को तीर दिये गये हैं. सावित्री कुमारी, अंजनी कुमारी, प्रधान सिक्नू और दीपक कुमार को 12-12 तीर मिले हैं. जानकारी के अनुसार. झारखंड खेल निदेशक संदीप कुमार ने बीते दिनों होटवार के तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र में खिलाड़ियों से मुलाकात की. उन्होंने भुवनेश्वर में 12 जुलाई से आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ट्रायल में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को बोकारो के केंद्र से तीर मंगवाकर दिया. इस दौरान निदेशक ने अगस्त तक सभी खिलाड़ियों को इक्विपमेंट देने को भरोसा दिलाया.

आधुनिक ट्रेनिंग में खिलाड़ियों को हो रही परेशानी : बता दें कि तीन जुलाई को रांची एकलव्य तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ी इक्विपमेंट सहित अन्य समस्याओं को लेकर खेल निदेशालय गये थे. वहां उन्होंने साझा के संयुक्त निदेशक राज किशोर खाखा से मुलाकात की थी. रांची एकलव्य तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र में 45 खिलाड़ी हैं, जो राज्य के विभिन्न जिलों से आये हैं. वर्तमान में आधुनिक ट्रेनिंग में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

सरकारी स्कूलों के 978 शिक्षकों का हुआ अंतर जिला तबादला

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने जारी किया आदेश

प्रमुख संवाददाता । रांची

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सरकारी स्कूलों के 978 शिक्षकों का अंतर जिला तबादला कर दिया है. इसका आदेश गुरुवार को जारी कर दिया गया. बताते चलें कि जिला शिक्षा स्थापना समिति द्वारा इंटर प्रशिक्षित कक्षा एक से पांच और स्नातक प्रशिक्षित कक्षा छह से आठ शिक्षकों की विशेष परिस्थिति में स्थानांतरण के संबंध में ऑनलाइन शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल पर प्राप्त अंतर जिला स्थानांतरण से संबंधित आवेदन मांगा गया था. आवेदनों पर प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय स्थापना समिति की बैठक 2 जुलाई को हुई. इसमें लिये गये निर्णय के आलोक में अंतर जिला स्थानांतरण शर्तों के अधीन किया गया है.

ये हैं शर्तें

- नये जिले में स्थानांतरित शिक्षक शिक्षिकाओं का वेतनमान वही होगा, जिस वेतनमान में वे इस अंतर जिला स्थानांतरण के पूर्व कार्यरत थे.
- स्थानांतरित शिक्षकों की वरीयता नव पदस्थापित जिला में पूर्व से उस वेतनमान व ग्रेड में कार्यरत शिक्षकों से नीचे होगा.
- नव पदस्थापित जिला में समान वेतनमान व ग्रेड वाले शिक्षकों की वरीयता योगदान की तिथि से निर्धारित होगी.
- स्थानांतरित शिक्षकों की उक्त सूची में यदि कोई ऐसे शिक्षक भी पाये जाते हैं, जिनकी सेवा नियमित नहीं है अथवा जो विधिवत नियुक्त नहीं है, उन शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश का अनुपालन नहीं किया जाए.
- स्थानांतरित शिक्षक की उक्त सूची में यदि ऐसे शिक्षक हों, जिनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही लंबित हो, तो उन शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण विभागीय कार्यवाही के निष्पादन के पश्चात ही प्रभावी माना जाएगा.
- विभागीय आदेश निर्गत होने की तिथि से 10 दिनों के अंदर संबंधित शिक्षकों को स्थानांतरित जिले में योगदान समर्पित करना अनिवार्य होगा.
- स्थानांतरित जिला में शिक्षकों के पदस्थापन के क्रम में विभागीय संकल्पों का दृढ़तापूर्वक पालन किया जाए.

पेज एक का शेष

शाम है इतनी मतवाली...

नेता प्रतिपक्ष के भाषण के हिस्से कार्यवाही से निकाल दिये जायें और प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने का प्रयास किया जाय, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे जी खुद वेल में आ जायें, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की तौहीन की जाये, उन पर फब्तियां कसी जायें तो कहना पड़ता है कि जब शाम है इतनी मतवाली तो सुबह का आलम क्या होगा.

राहुल गांधी ने अपनी भूल सुधारते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुओं को नहीं, आरएसएस, भाजपा को हिंसक कहा. लेकिन क्या इसका कोई प्रमाण उन्होंने दिया ? उन्होंने यह भी कहा कि आप लोग हिंदू नहीं हो. तो फिर कौन से हिंदू हिंसा करते हैं, नफरत फैलाते हैं ? सदन में भोलेनाथ और गुरुनानक देव जी के चित्र लहराने की क्या जरूरत थी ? क्या यह संसदीय परंपरा के अनुरूप है ? दरअसल वह चाहते थे कि बवाल हो, लेकिन नहीं हुआ. आगे नहीं होगा, इसकी गारंटी कौन लेगा ? इस्लाम पर बोलने में हमारे सेक्युलरिस्टों की घिग्घी बंध जाती है. सर से तन जुदा होने का खतरा सदैव बना रहता है. हिंदू सहिष्णु है. जातियों में बंटा है. जितना चाहो लतिआओ. लेकिन अब यह नहीं चलेगा. हिंदू भी अब थोड़ा सोचने-समझने लगा है. ऐसा नहीं होता तो मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनते. अच्छा है, राहुल अपना हिंदू विरोधी उपक्रम जारी रखें. खैर, वह चाहते तो सदन में महंगाई, बेरोजगारी, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा, स्वास्थ्य कुपोषण पर सरकार को निरुत्तर कर सकते थे. लेकिन उन्हें अपने वोट बैंक को संबोधित करना था और ऐसी भंगिमा ओढ़नी थी मानो वह मोदी को धराशायी कर देंगे. फिर मोदी ने उन्हें जिन विशेषणों से विभूषित किया और जैसा जवाब दिया, वह भविष्य के प्रति कोई सुकूनभरी उम्मीद पैदा नहीं करता है. इसी महीने बजट सत्र शुरू हो रहा है. वह भी हंगामी होगा. विपक्ष खासतौर से कांग्रेस तय कर चुकी है कि वह सरकार की चलने नहीं देगी और सरकार भी यकीनन उसी की भाषा में जवाब देगी.

महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड विधानसभा चुनावों के बाद शायद थोड़ी परिस्थिति बदले, वह भी तब जब भाजपा का प्रदर्शन ठीक-ठाक हो, अन्यथा प्याले में तूफान पैदा करने की जो कवायद कांग्रेस ने शुरू की है, उससे संसद की बहसें भाजपा बनाम कांग्रेस में ही लीन रहेंगी. इस बार भी राहुल ने भाजपा के साथी दलों पर कुछ नहीं बोला और मोदी ने भी सिर्फ कांग्रेस को ही निशाने पर लिया. इससे मोदी बनाम राहुल की राजनीति राष्ट्रीय स्तर पर छानेवाली है. यह चटक और गाढ़ी हुई तो किसके कितने साथी मुंह बिदकायेंगे और अपनी डफली पर अपना राग गाने को बेचैन हो जाएंगे, इसके लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा.

विश्व आदिवासी दिवस

लोगों से अपील-पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में हों शामिल

आदिवासी समुदाय व संगठनों के हजारों लोग जुटेंगे

सुकेश कुमार । चाईबासा

विश्व आदिवासी दिवस पर इस बार आदिवासी परंपरा और संस्कृति का समावेश होगा. पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय में 9 अगस्त को विभिन्न आदिवासी समुदाय एवं संगठनों के लोग एक मंच पर दिखेंगे. इसमें उनकी परंपरा और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी. यह जानकारी सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में गुरुवार को आयोजन समिति की बैठक में निर्णय लिया गया. बैठक में पूर्व सचिव इपिल सामड ने बताया कि पूर्व में भी विभिन्न जगहों पर संयुक्त रूप से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता

रहा है. लेकिन वर्ष 2022 से सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में आदिवासी समुदाय के 9 जनजाति एवं 40 से अधिक आदिवासी संगठनों द्वारा एक मंच पर विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है. यह शुरुआत जिले के पूर्व डीडीसी संदीप बख्शी एवं आदिवासी हो समाज महासभा और युवा महासभा के कुछ पदाधिकारियों की पहल पर शुरू हुआ था, जो कि आज के समय में काफी विशाल रूप ले लिया. अब यह कार्यक्रम विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति पश्चिमी सिंहभूम के बैनर तले किया जा रहा है. इस वर्ष सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान चाईबासा में संयुक्त रूप से विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति पश्चिम सिंहभूम के बैनर तले किया जाएगा. इस वर्ष आदिवासी जनजाति एवं 40 से अधिक आदिवासी संगठन 20 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे. कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में बैठक कर कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है. 9 अगस्त आदिवासी दिवस के अवसर पर सभी आदिवासी समुदाय के लोगों से अपनी पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की जा रही है.

गणेश को अध्यक्ष और लालू को बनाया सचिव

सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस को लेकर बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता पूर्व सचिव इपिल सामड ने की. बैठक में कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने हेतु नई कमिटी का गठन किया गया. इसमें अध्यक्ष गणेश पाठ पिंगुवा, सचिव लालू कुजूर, उपसचिव राजकमल लकड़ा, गणेश कच्छप, कोषाध्यक्ष संजय लागुरी, सह कोषाध्यक्ष राजकमल पिंगुवा, आकाश हेम्ब्रम को बनाया गया है. साथ ही कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और सफल आयोजन के लिए संरक्षक यदुनाथ तियु, रमेश जेराई, संचू तिर्की, सहदेव किस्पोट्टा, अनिल लकड़ा, बाबूलाल बरहा, लक्ष्मण बरहा, सीताराम सोरेन सहित अन्य को चयनित किया गया. बैठक में बालकिशन देवगम, अनुज दोंगो, बेला जेराई, रवि बिरूली, गब्बर सिंह हेम्ब्रम, हरिन तामसोय, पंकज खलखो, सागर कुंकल, शंकर बिरूवा, शंकर सिद्धू आदि उपस्थित थे. यह जानकारी सचिव लालू कुजूर ने दी.

राष्ट्राध्यक्षों और शासन प्रमुखों की ओर से जारी घोषणापत्र में दोनों देशों के बीच गहराते रिश्ते पर जताई गई चिंता

शिखर सम्मेलन : नाटो के निशाने पर रूस-चीन, बीजिंग ने किया पलटवार

एजेंसी। वाशिंगटन/बीजिंग

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने रूस और चीन के बीच गहराते संबंधों तथा बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता पर बुधवार को चिंता जाहिर की. वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के तेजी से रक्षा उत्पादन बढ़ाने के मद्देनजर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों से बुधवार को अपने औद्योगिक आधार को मजबूत करने का आह्वान किया. इस पलटवार करते हुए चीन ने नाटो पर दूसरों की कीमत पर सुरक्षा की मांग करने का आरोप लगाते हुए संगठन से कहा कि वह एशियाई देशों के बीच ऐसी 'अराजकता' न फैलाए. नाटो ने अपने वाशिंगटन शिखर सम्मेलन घोषणापत्र में कहा, "पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) की महत्वाकांक्षाएं और आक्रामक नीतियां लगातार हमारे हितों, सुरक्षा और मूल्यों को चुनौती दे रही हैं. रूस और पीआरसी के बीच गहराती रणनीतिक साझेदारी तथा नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने व नया आकार देने के दोनों देशों के प्रयास गंभीर चिंता का विषय हैं." शिखर सम्मेलन में शामिल राष्ट्राध्यक्षों और शासन प्रमुखों की ओर से जारी घोषणापत्र में कहा गया है, "हम सरकार में शामिल और उनसे इतर तत्वों से हाइब्रिड, साइबर, अंतरिक्ष और अन्य खतरों तथा दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों का सामना कर रहे हैं." इस सम्मेलन में स्वीडन को नाटो के 32वें सदस्य देश के रूप में शामिल किया गया. घोषणापत्र में कहा गया है कि फिनलैंड और स्वीडन

खास बातें

- चीन ने कहा- एशिया में अराजकता पैदा न करे नाटो
- स्वीडन नाटो के 32वें सदस्य देश के रूप में शामिल

का नाटो में शामिल होना उन्हें सुरक्षित और संगठन को मजबूत बनाता है, 'हाई नॉर्थ' और बाल्टिक सागर क्षेत्रों में भी. इसमें कहा गया है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने यूरो-अटलांटिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता भंग कर दी है तथा वैश्विक सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचाया है. घोषणापत्र में कहा गया है कि रूस संगठन के सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष खतरा बना

हुआ है. इसमें कहा गया है, "आतंकवाद, अपने सभी स्वरूपों और अभिव्यक्तियों में, हमारे नागरिकों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं समृद्धि के लिए सबसे प्रत्यक्ष खतरा है. हम जिन खतरों का सामना कर रहे हैं, वे वैश्विक और परस्पर जुड़े हुए हैं." सम्मेलन में नाटो ने अपनी प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा तंत्र को मजबूत करने, रूस से लड़ाई में यूक्रेन को दीर्घकालिक समर्थन बढ़ाने और नाटो के सदस्य देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने के लिए कदम उठाए. घोषणापत्र में कहा गया है, "हम यूक्रेन के राष्ट्रपति (वोलोदिमीर) जेलेंस्की और ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य तथा यूरोपीय संघ के नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं." वहीं चीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने नाटो द्वारा 'ड्रैगन' पर यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को 'बढ़ावा देने' का आरोप लगाए जाने पर कहा, 'नाटो द्वारा यूक्रेन के मुद्दे पर चीन की जिम्मेदारी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना अनुचित है और इसके पीछे गलत इरादे हैं.' उन्होंने कहा कि यूक्रेन मुद्दे पर चीन का रुख निष्पक्ष है.

बाइडन ने कहा-नाटो देश अपना औद्योगिक आधार मजबूत करें

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने वाशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान कहा कि नाटो देशों ने दो साल पहले अपनी प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने का फैसला किया था. उन्होंने कहा कि आज हमें खुद से यह सवाल करना होगा कि आगे क्या? हम अपनी ढाल को कैसे मजबूत बना सकते हैं? इसका एक जवाब यह है कि हमें अपने औद्योगिक आधार को मजबूत करना होगा. इस समय रूस तेजी से अपने रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी कर रहा है. वह हथियारों, वाहनों और युद्ध सामग्री का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है.

यूरोप, एशिया व यूएस के बीच खाई पाटने का काम कर रहे : ब्लिंकन

वहीं अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन यूरोप, एशिया और अमेरिका के बीच की खाई को कम करने की कोशिश कर रहा है. ब्लिंकन ने बुधवार को यहां नाटो शिखर सम्मेलन से इतर यह बात कही. इस शिखर सम्मेलन में अमेरिका के हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझेदारों- ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड को भी भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है. यह लगातार तीसरी बार है जब अमेरिका ने अपने हिंद प्रशांत भागीदारों को आमंत्रित किया है.

ब्रीफ खबरें

जयाप्रदा आचार संहिता उल्लंघन मामले में बरी

रामपुर। अभिनेत्री और उत्तर प्रदेश के रामपुर से पूर्व सांसद जयाप्रदा को आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में यहां एक अदालत ने बृहस्पतिवार को बरी कर दिया. वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि जयाप्रदा के खिलाफ अप्रैल 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था. मामले की सुनवाई स्थानीय सांसद-विधायक अदालत में का जा रही थी.

'द मॉस्को टाइम्स' 'अवांछनीय' घोषित

मॉस्को। रूस के अभियोजक जनरल कार्यालय ने प्रवासी समुदाय के बीच लोकप्रिय एक ऑनलाइन अखबार 'द मॉस्को टाइम्स' को बुधवार को 'अवांछनीय संगठन' घोषित कर दिया. अभियोजक जनरल कार्यालय ने आलोचनात्मक मीडिया संगठनों और विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के बीच यह कदम उठाया. 'अवांछनीय संगठन' घोषित किए जाने का मतलब है कि 'द मॉस्को टाइम्स' को रूस में अपनी सभी गतिविधियां और कामकाज बंद करना होगा.

भारी बॉयलर गिरने से दो मजदूरों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित एक कारखाने में वजनदार बॉयलर गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब क्रेन की मदद से बॉयलर को उठाया जा रहा था, लेकिन अचानक वह मजदूरों के ऊपर गिर गया. कोनगाव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम को भिवंडी के सरावली एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) में स्थित रंगाई इकाई में हुई थी.

संजय सिंह ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2021 में जिला पंचायत चुनाव के दौरान आचार संहिता व महामारी अधिनियम से जुड़े मामले में आरोपी आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को सांसद-विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत में आत्मसमर्पण किया. विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने संजय सिंह की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए 'आप' नेता को जमानत व मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया. अदालत ने सिंह को 20 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी.

विदेश मंत्री जयशंकर ने दो दिवसीय सम्मेलन को किया संबोधित

भारत ने बिम्सटेक समूह में नयी ऊर्जा भरने पर दिया जोर

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत ने बृहस्पतिवार को सात देशों के बिम्सटेक समूह से बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नयी ऊर्जा, संसाधन और नयी प्रतिबद्धता का आह्वान किया. यह अपील विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय सम्मेलन में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) सदस्य देशों के अपने समकक्षों की मेजबानी करते हुए की. बिम्सटेक दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के सात देशों को बहुआयामी सहयोग के लिए एक साथ लाता है. भारत के अलावा बिम्सटेक में श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं. जयशंकर ने कहा कि बिम्सटेक को उच्च आकांक्षाएं रखनी चाहिए. जयशंकर ने सम्मेलन के पहले दिन अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा, "भारत के लिए बिम्सटेक उसके 'पड़ोस प्रथम' दृष्टिकोण, 'पूर्व की ओर देखो नीति' और 'सागर' दृष्टिकोण के अहम पड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है." उन्होंने कहा, "इनमें से प्रत्येक प्रयास बंगाल की खाड़ी पर विशेष ध्यान देने के साथ प्रस्तावित किया जा रहा है, जहां सहयोगात्मक क्षमता का लंबे समय से उपयोग नहीं किया गया है." उन्होंने कहा, "हमारी चुनौती इसे बेहतर बनाने की है, और ऐसा तेजी से करना है."

बिम्सटेक को एक जीवंत मंच बनाने का प्रयास

बिम्सटेक को क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक जीवंत मंच बनाने के लिए भारत ठोस प्रयास कर रहा है, क्योंकि दक्षेस (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के तहत पहल विभिन्न कारणों से आगे नहीं बढ़ रही थी. भारत, 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) की व्यापक नीति रूपरेखा के अंतर्गत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग कर रहा है. बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की बैठक का उद्देश्य खुले तौर पर, स्पष्ट और फलदायी ढंग से विचारों का आदान-प्रदान करना है. जयशंकर ने कहा, "बैंकॉक में पिछले सम्मेलन से हम सभी को लाभ मिला था. अब इस सम्मेलन का विशेष महत्व है क्योंकि यह इस वर्ष के अंत में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए मजबूत परिणाम तैयार करने का काम करेगा." उन्होंने कहा, "हमारा संदेश स्पष्ट होना चाहिए - कि हम सभी बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच सहयोग में नयी ऊर्जा, नए संसाधन और नयी प्रतिबद्धता लाने के लिए कृतसंकल्पित हैं." थाईलैंड बिम्सटेक का वर्तमान अध्यक्ष है और इस वर्ष के अंत में वह समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा.

सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूटीओ में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है ब्रिक्स : ओम बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रमुख विकासशील देशों का संगठन 'ब्रिक्स' वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है. रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित 'ब्रिक्स संसदीय मंच' में उन्होंने समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में संसद और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है. लोकसभा सचिवालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 'ब्रिक्स संसदीय मंच' में चार नए सदस्यों मिस्र, इथोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत करते हुए बिरला ने नए सदस्यों को संगठन में निर्बाध रूप से शामिल किए जाने के लिए रूस की अध्यक्षता की सराहना की. बिरला का कहना था, 'विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है.'

हरियाणा विस चुनाव के लिए इनेलो व बसपा ने की गठबंधन की घोषणा

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) ने इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने पूर्व सहयोगी दल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से फिर से हाथ मिलाने का फैसला किया है. दोनों दलों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की. दोनों दलों के बीच हुए सीटों के बंटवारे के तहत हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से बसपा 37 पर चुनाव लड़ेगी जबकि बाकी की सीटों पर इनेलो चुनाव लड़ेगी. इनेलो नेता अभय चौटाला गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी होंगे. चंडीगढ़ के बाहरी इलाके नयागांव में बसपा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि यह गठबंधन स्वार्थी हितों पर आधारित नहीं है, बल्कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है. चौटाला ने कहा, 'हरियाणा में हमने आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का फैसला किया है. आज, आम जनता ने भाजपा को सत्ता से बेदखल करने और कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने का मन बना लिया है जिसने पहले 10 साल तक राज्य को लूटा.' बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने कहा कि हाल में बसपा सुप्रीमो मायावती और अभय चौटाला ने गठबंधन के संबंध में एक लंबी बैठक की थी. उन्होंने कहा, 'उस बैठक में यह तय किया गया कि हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से बसपा 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि बाकी की सीटों पर इनेलो चुनाव लड़ेगी.' आनंद ने कहा कि अगर गठबंधन राज्य में सत्ता में आता है तो अभय चौटाला मुख्यमंत्री बनेंगे.

डीयू में छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के एलएलबी के छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव की शिक्षकों के एक वर्ग ने आलोचना की है. शुक्रवार को अकादमिक परिषद की बैठक में मनुस्मृति पढ़ाए जाने पर चर्चा की जानी है. विधि संकाय ने अपने प्रथम और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को 'मनुस्मृति' पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम में संशोधन करने के वास्ते दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था से मंजूरी मांगी है. न्यायशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में परिवर्तन एलएलबी के प्रथम और छठे सेमिस्टर से संबंधित है. संशोधनों के अनुसार विद्यार्थियों के लिए दो पाठ्यपुस्तकों- जी.एन. झा द्वारा लिखित 'मेधातिथि के मनुभाष्य के साथ मनुस्मृति' और टी. कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा लिखी 'मनुस्मृति- स्मृतिचंद्रिका का टीका' पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव है. बैठक के मुख्य बिंदुओं के अनुसार संशोधनों का सुझाव देने के निर्णय को संकाय की पाठ्यक्रम समिति की 24 जून को हुई बैठक में सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया, जिसकी अध्यक्षता डीन अंजू वली टिक्कू ने की.

'प्रगतिशील शिक्षा प्रणाली' के खिलाफ है मनुस्मृति : एसडीटीएफ

इस कदम पर आपत्ति जताते हुए वाम समर्थित सोशल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एसडीटीएफ) ने डीयू के कुलपति योगेश सिंह को पत्र लिखकर कहा है कि मनुस्मृति में महिलाओं और हाशिए के समुदायों के अधिकारों को लेकर 'प्रतिगामी' दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है और यह 'प्रगतिशील शिक्षा प्रणाली' के खिलाफ है. सिंह को लिखे पत्र में एसडीटीएफ के महासचिव एस.एस. बरवाल और अध्यक्ष एस.के. सागर ने कहा कि छात्रों को मनुस्मृति पढ़ने की सलाह देना अत्यधिक आपत्तिजनक है, क्योंकि यह भारत में महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों की प्रगति और शिक्षा के लिए प्रतिकूल है. एसडीटीएफ ने प्रस्ताव को शीघ्र वापस लेने और 12 जुलाई को होने वाली अकादमिक परिषद की बैठक में इसे मंजूरी न दिए जाने की मांग उठाई. कुलपति से विधि संकाय और संबंधित स्टाफ सदस्यों को मौजूदा पाठ्यक्रम के आधार पर न्यायशास्त्र विषय पढ़ाते रहने का आदेश जारी करने का आग्रह किया गया.

बाइडन का भारतीय-अमेरिकियों के बीच समर्थन 19 प्रतिशत घटा

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में साल 2020 में हुए चुनाव और 2024 में होने वाले चुनाव

अंतराल के दौरान मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन का समर्थन करने वाले भारतीय-अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है. द्विवार्षिक एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण (एएवीएस) ने बुधवार को यह जानकारी दी. एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण दो साल में एक बार किया जाता है और यह एशियाई-अमेरिकी समुदाय का सबसे लंबे समय तक चलने वाला सर्वेक्षण है. एशियन एंड पैसिफिक आइलैंडर अमेरिकन वोट (एपीआईएवोट), एएपीआई डेटा, एशियन अमेरिकन्स एडवांसिंग जस्टिस (एएजेसी) और एएआरपी द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह पता चला कि अमेरिका में इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारतीय मूल के 46 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक जो बाइडन को वोट दे सकते हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था. भारतीय-अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट, सभी एशियाई-अमेरिकी जातीय समुदायों में सर्वाधिक है. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के बीच 27 जून को राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया के तहत हुई बहस से पहले यह सर्वेक्षण किया गया था. सर्वेक्षण के अनुसार, 46 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी बाइडन के पक्ष में मतदान कर सकते हैं, लेकिन 2020 के चुनाव की तुलना में यह आंकड़ा आठ प्रतिशत कम है.

इंडिया के घटक दल मणिपुर का मुद्दा संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाएंगे : राहुल गांधी

मणिपुर पर पीएम कब खोलेंगे मुंह

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से पार्टी की उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने मणिपुर मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. एक्स पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मणिपुर दौरे का वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, मणिपुर को अस्थिर हुए एक साल से ज्यादा समय हो चुका है. यहां के लोग हिंसा, हत्या, दंगा और विस्थापन झेल रहे हैं. हजारों मासूम राहत कैंप में रहने को मजबूर हैं. आखिर प्रधानमंत्री मणिपुर पर अपना मुंह कब खोलेंगे? आखिर सरकार ने मणिपुर में शांति के प्रयास क्यों नहीं किए?

बता दें कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 8 जुलाई को मणिपुर का दौरा कर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की थी. इसके बाद उन्होंने गुरुवार को एक

वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे मणिपुर के लोगों से बात करते नजर आ रहे हैं. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने उसी वीडियो को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है. राहुल गांधी ने आरोप लगाया था, मणिपुर की स्थिति में आज भी सुधार नहीं हुआ है और वह दो टुकड़ों में बंटा हुआ है. ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य का दौरा कर लोगों की तकलीफ सुननी चाहिए और शांति की अपील करनी चाहिए. मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है. सड़क से लेकर संसद तक विपक्षी पार्टी पीएम मोदी की ओर से मणिपुर का दौरा नहीं करने पर सवाल खड़े कर रही है. राहुल ने यह भी कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दल मणिपुर में शांति की जरूरत को संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाकर, सरकार पर इस त्रासदी को खत्म करने का दबाव बनाएंगे.

पाकिस्तान जा रही प्रतिबंधित रसायनों की चीनी खेप जब्त

एजेंसी। चेन्नई

- सुरक्षा एजेंसियों ने तमिलनाडु के एक बंदरगाह पर की कार्रवाई

सुरक्षा एजेंसियों ने तमिलनाडु के एक बंदरगाह पर अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रतिबंधित रसायनों की चीन से आई एक खेप जब्त की है जो माना जा रहा है कि पाकिस्तान के जैविक और रासायनिक युद्ध कार्यक्रम के लिए थी. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. यह खेप ऑर्थो-क्लोरो बेंजिलिडीन मैलोनोनाइट्राइल या सीएस की थी जिसका इस्तेमाल आंसू गैस और दंगा नियंत्रण एजेंट के रूप में किया जाता है. अधिकारियों ने बताया कि सीमाशुल्क विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु के कट्टूपल्ली बंदरगाह पर इस खेप को रोका था. सीएस अंतरराष्ट्रीय समझौतों और भारत की निर्यात नियंत्रण सूची के तहत दोहरे उपयोग वाला रसायन है. दंगा नियंत्रण एजेंटों के रूप में इसका असैन्य उपयोग होता है, लेकिन जब्त की गई इतनी बड़ी मात्रा इसके संभावित सैन्य उपयोग की आशंका के बारे में चिंता पैदा करती है. चीनी कंपनी चेंग्दू शिचेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड की ओर से 2,560 किलोग्राम वजनी खेप पाकिस्तान में रावलपिंडी स्थित रक्षा आपूर्तिकर्ता रोहेल एंटरप्राइजेज के लिए भेजी गई थी. अधिकारियों ने कहा कि 25 किलोग्राम के 103 ड्रमों में रखी गयी यह सामग्री 18 अप्रैल, 2024 को चीन के शंघाई बंदरगाह पर मालवाहक जहाज ह्यूडई शंघाई (साइप्रस के ध्वज के साथ संचालित) में लादी गयी थी.

मंथन 'विश्व जनसंख्या दिवस' पर नड्डा ने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के साथ डिजिटल बैठक की

स्वस्थ और छोटा परिवार ही बनाएगा 'विकसित भारत'

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे और यह लक्ष्य छोटे परिवारों द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े. 'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर नड्डा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ डिजिटल बैठक की. कार्यक्रम की विषय-वस्तु "मां और बच्चे की भलाई के लिए गर्भधारण का उचित समय और अंतराल" थी. मंत्री ने कहा कि विकल्प के तौर पर आधुनिक गर्भनिरोधकों की उपलब्धता है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गर्भनिरोधकों को उपलब्ध कराने के रास्ते में आने वाली अड़चनों को दूर किया जाए, विशेष रूप से अधिक (जनसंख्या) बोझ वाले राज्यों, जिलों और प्रखंडों में. उन्होंने

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि विश्व की जनसंख्या का पांचवां हिस्सा भारत का है, जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में कार्य करने की पुनः पुष्टि और प्रतिबद्धता के रूप में विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की आवश्यकता पर बल दिया. नड्डा ने कहा, "विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे, जिसे छोटे परिवारों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है." उन्होंने कहा, "केंद्र और राज्यों को सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े." उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम का उद्देश्य 'अपनी इच्छा से और सूविज्ञ निर्णय द्वारा जन्म' होना चाहिए. युवाओं, किशोरों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी के लिए एक उज्जवल, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने पर सरकार के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा, "सहयोग महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आगामी जिम्मेदारियों को पूरा करते हैं और परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य को मौलिक मानते हैं."

मंत्री ने 'मिशन परिवार विकास' का किया उल्लेख

नड्डा ने 'मिशन परिवार विकास' (एमपीवी) पर बात की, जिसे शुरू में सात उच्च फोकस वाले राज्यों के 14 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों (एचपीडी) के लिए शुरू किया गया था और बाद में इन राज्यों और छह पूर्वोत्तर राज्यों के सभी जिलों को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया गया. उन्होंने योजना के प्रभाव पर जोर दिया और इन राज्यों में गर्भनिरोधकों तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि तथा मातृ, शिशु और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में कमी को रेखांकित किया.

पेट में सात करोड़ की कोकीन छुपा कर ला रही अंगोला की महिला पकड़ी गई

एजेंसी। नयी दिल्ली

- चिकित्सा प्रक्रिया से महिला के पेट से मादक पदार्थ से भरे 34 कैप्सूल निकाले गए

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अंगोला की एक महिला को पकड़ा गया है जो 34 कैप्सूल में करीब सात करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन पेट में छिपा कर लायी थी. बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई. विज्ञप्ति के मुताबिक महिला को दो जुलाई को तब पकड़ा गया जब वह दोहा से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची. सीमा शुल्क विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया, 'एक यात्री की तलाशी के दौरान उसके पास से आठ अंडाकार कैप्सूल मिले. उस महिला यात्री ने अधिकारियों को बताया कि उसने पेट में मादक पदार्थ छुपाया है.' बयान के मुताबिक यात्री को चिकित्सा प्रक्रिया से मादक पदार्थ निकालने के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया. इसमें कहा गया, 'सफदरजंग में भर्ती रहने के दौरान महिला के पेट से मादक पदार्थ से भरे 34 कैप्सूल निकाले गए.' विज्ञप्ति के मुताबिक इन कैप्सूल (हवाई अड्डे पर बरामद कैप्सूल सहित) में कुल 515 ग्राम कोकीन छिपाई गई थी जिसकी कीमत 7.04 करोड़ रुपये आंकी गई है.

असम में 30 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के करीमगंज जिले में करीब 30 करोड़ रुपये मूल्य की 'याबा' गोलियां जब्त की गई हैं और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के अनुसार, पुलिस को मादक पदार्थ की खेप को लेकर एक सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने बुधवार रात को पड़ोसी राज्य मिजोरम से आ रहे एक वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली. दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'रातबाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के गंधराजबाड़ी इलाके में मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया गया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)